जबलपुर रविवार 26 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वादशी
वर्ष 32 अंक 31 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 33.3°C
न्यूनतम तापमान 24.8°C
सूर्योदय - 5.39 | सूर्यास्त - 6.55

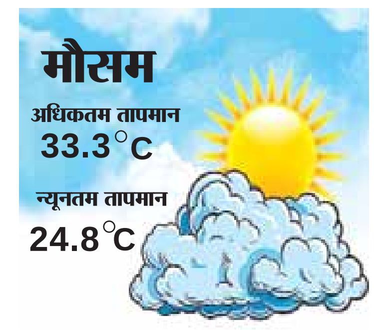

अंधविश्वास ने छीनी तीन मासूमों की जिंदगी... ⏩ 4

मैं मां बनना चाहती हूं : आम्रपाली दुबे ... ⏩ 7

आपका सारथी कौन अभियान के साथ नशे से दूरी... ⏩ 9

युवा शक्ति का तूफान: पद से रुखसत हुए प्रधान

12 साल में पहली बार विरोध के बाद मंत्री का इस्तीफा, प्रह्लाद जोशी को चार्ज

नई दिल्ली

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है। शनिवार शाम करीब 8.15 बजे प्रधान के मंत्रालय का चार्ज प्रह्लाद जोशी को दे दिया गया है। जोशी खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, ऊर्जा और उपभोक्ता मामलों के मंत्री हैं। नीट-यूजी परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर देशभर में जारी विवाद और जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच उन्होंने यह फैसला लिया। 2014 में पहली बार मोदी सरकार बनने के बाद 12 साल के कार्यकाल में धर्मेंद्र प्रधान पहले मंत्री हैं, जिन्हें विरोध के चलते इस्तीफा देना पड़ा है। धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पर इसका ऐलान किया और इस्तीफा देने की वजह भी बताई। अपनी चिट्ठी में उन्होंने लिखा कि पिछले चार दशक से अधिक समय से वह छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आते ही सरकार ने तुरंत कार्रवाई की। मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई, परीक्षा रद्द कर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया और अगले साल से नीट को पूरी तरह कंप्यूटर आधारित मोड में आयोजित करने की घोषणा की गई। धर्मेंद्र प्रधान ने लिखा कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा निष्पक्ष और सुचारु रूप से कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता थी। इसके लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, छात्रों और अभिभावकों के सहयोग से 21 जून 2026 को दोबारा परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। 16 जुलाई को घोषित परिणामों में गरीब और वंचित परिवारों के कई प्रतिभाशाली छात्रों को सफलता मिली, लेकिन कुछ जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों ने छात्रों को गुमराह करने की कोशिश की, जिससे उन्हें गहरा दुख पहुंचा। अपने इस्तीफे पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले 10 दिनों की घटनाओं ने उन्हें बेहद व्यथित किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह उनके व्यक्तिगत सम्मान का विषय नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य का सवाल है। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि छात्रों का भविष्य कानूनी विवादों और राजनीतिक टकराव में उलझे या उनका ध्यान पढ़ाई से भटके। इसी भावना के साथ उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया।

प्रधानमंत्री माफी मांगे: राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह देश के छात्रों की जीत है और शिक्षा प्रणाली की रक्षा की एक बड़ी प्रतिक्रिया है। उन्होंने निवर्तमान शिक्षा मंत्री को प्रशासनिक नाकामी, भ्रष्टाचार और शिक्षा व्यवस्था के विनाश का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनका जाना सही कदम है, लेकिन समस्या केवल एक व्यक्ति के हटने से खत्म नहीं होती। राहुल गांधी ने मांग की कि इस पूरे संकट और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ के लिए मुख्य सूत्रधार के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के छात्रों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों पर हिंसा के लिए अमित शाह जिम्मेदार हैं।

यह लोकतंत्र की जीत: वांगचुक

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे लोकतंत्र की बड़ी जीत बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह फैसला शांतिपूर्ण जनआंदोलन और देशभर के युवाओं के धैर्य का परिणाम है। सोनम वांगचुक ने लिखा, यह लोकतंत्र की जीत है। यह सीधे सड़कों से निकले प्रत्यक्ष लोकतंत्र की जीत है। यह शांति, धैर्य और लगातार संघर्ष की भी जीत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सबसे महत्वपूर्ण होती है और जब लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखते हैं, तो उसका असर दिखाई देता है।

दीपके ने सीजेआई सूर्यकांत को कहा शुक्रिया

सीजेपी चीफ अभिजीत दीपके ने मंच से युवाओं को संबोधित किया। सबसे पहले उन्होंने कहा कि छात्र एकता जिंदाबाद, हम जीत गए। ये कहते थे कि इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते, लेकिन हमने कहा कि झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए। दीपके ने कहा कि हमारी दो और मांगें हैं, हम ऐसे ही नहीं जाएंगे। हम कॉकरोच हैं, एक बार घुस जाएं तो निकलते नहीं। प्रधान का इस्तीफा इस बात का सबूत है कि अगर आप डरें नहीं, तो जीत सकते हैं। आगे दीपके ने कहां कि मैं चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने हमें कॉकरोच कहा। आपने हमें कॉकरोच नहीं कहा होता, तो प्रधान इस्तीफा नहीं देते।

सीजेपी ने धरना खत्म करने का किया ऐलान

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका ने कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और डॉ जितेंद्र सिंह के साथ हुई तीसरे दौर की वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आंदोलन शुरू होने से पहले उनकी तीन प्रमुख मांगें थीं। इनमें से पहली मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की थी, आज कुछ देर पहले उन्होंने इस्तीफा दे दिया। हमारी पहली मांग मान ली गई है। दूसरी मांग आंदोलनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस लेने की थी। सरकार ने इस मांग पर भी सहमति जताते हुए कहा है कि जिन राज्यों में बीजेपी या उसके गठबंधन की सरकारें हैं वहां छात्र आंदोलनकारियों पर दर्ज सभी एफआईआर वापस ली जाएंगी और भविष्य में भी किसी तरह की कार्रवाई नहीं की जाएगी। आशुतोष रांका ने कहा कि सरकार मंगलवार तक अपनी गारंटी लिखित रूप में दे देगी। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के दौरान घायल लोगों के लिए 1 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग पर भी सहमति बन गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने हमारी सभी प्रमुख मांगों को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया है, इसलिए हम आंदोलन वापस लेने का ऐलान करते हैं।

महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

पटना। महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक के मुख्य आरोपी बिजेंद्र कुमार गुप्ता को भिवंडी पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार कर लिया है। उसे पुणे एयरपोर्ट लाया गया है, जहां से उसे भिवंडी ले जाया जाएगा। इससे पहले महाराष्ट्र की ठाणे पुलिस ने बिहार एसटीएफ की मदद से मास्टरमाइंड बिजेंद्र गुप्ता की पत्नी सुमन गुप्ता को पटना के अगमकुआं (गांधी नगर) स्थित किराए के फ्लैट से गिरफ्तार किया था। सुमन को ठाणे पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर महाराष्ट्र ले गई थी। इस अंतरराज्यीय रैकेट में अब तक बिजेंद्र के साथ 5 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इससे पहले 27 जून को ठाणे के भिवंडी से पटना के राजीव शाह, आकाश कुमार और हरियाणा के धीरज सिंह को दबोचा गया था।

78 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया वनपाल

रीवा। लोकायुक्त पुलिस ने सिरमौर वन परिक्षेत्र में पदस्थ वनपाल दिनेश कुमार को ट्रक छोड़ने के एवज में 78 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पूर्वा फॉल के पास स्थित एक ढाबे में रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर ट्रक चालक से पहले 2 लाख रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के सीतापुर निवासी ट्रक चालक नीरज यादव ने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि लकड़ी लोड ट्रक छोड़ने के लिए वनपाल दिनेश कुमार ने 2 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी।

पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की जमानत खारिज

भोपाल। भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा मौत मामले में रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह की जमानत अर्जी पर शुक्रवार को विशेष अदालत में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शनिवार की शाम को कोर्ट ने उनकी जमानत को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने जमानत के लिए आरोपी पक्ष की ओर से दिए तमाम तर्कों के आधार पर जमानत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने उनपर लगे आरोपों को गंभीर माना है। जिसके चलते जमानत को निरस्त कर दिया गया।

एक साल में 10 सीएल पाएंगे अतिथि शिक्षक

भोपाल। प्रदेश के अतिथि शिक्षकों की री-जॉइनिंग में 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस से राहत देने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने अब इनके अवकाश को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत 90 हजार अतिथि शिक्षकों को आकस्मिक अवकाश की सुविधा मिलेगी। हर अतिथि शिक्षक को अब साल भर में दस सीएल यानी आकस्मिक अवकाश मिलेंगे। अब तक एक भी अवकाश अतिथि शिक्षकों को नहीं मिलते थे। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा है कि विभाग जल्दी ही इसके आदेश जारी करेगा।

फास्ट ट्रैक कोर्ट : 3 माह में होगा मामलों का निराकरण: डॉ. यादव

सरकार शिक्षकों और विद्यार्थियों से जुड़े सभी विषयों पर अत्यंत संवेदनशील

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार शिक्षक और विद्यार्थी वर्ग के कल्याण से जुड़े सभी विषयों पर अत्यंत गंभीर और संवेदनशील है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और विद्यार्थियों के हित में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की जनता के हित में जब भी कोई निर्णय लिया जाता है, मध्यप्रदेश उसे लागू करने और निर्णय के अनुरूप नीतिगत व्यवस्था बनाने वाला पहला राज्य होता है। समय की जरूरत है कि युवाओं से संबंधित न्यायिक फैसले द्रुत गति से हों। इसके लिए मध्यप्रदेश में 4 फास्ट ट्रैक कोर्ट्स (भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में) बनाये जायेंगे। पेपर लीक और परीक्षा सहित अन्य मामलों का फास्ट ट्रैक कोर्ट में मात्र 3 माह में निराकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मध्यप्रदेश विधानसभा स्थित सेंट्रल हॉल में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के मन में विद्यार्थियों के कल्याण और उनसे जुड़े सभी विषयों को लेकर बेहद सकारात्मक भाव हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही नीट पेपर लीक की खबर सामने आई, उसकी जांच के लिए प्रधानमंत्री ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित की। प्रकरण दर्ज हुआ और देशभर में तेज गति से आरोपियों की गिरफ्तारियां भी की गई, फिर दोबारा नीट परीक्षा कराई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार पूरी सहानुभूति और संवेदना विद्यार्थियों के साथ है। हम हर परिस्थिति में विद्यार्थियों के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भरोसा दिलाया कि भविष्य में नीट परीक्षाएं बेहतर और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हों, इसके लिए स्टैंडर्ड ऑफ प्रोटोकॉल्स (एसओपी) तैयार कर सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

नाले में गिरी कार, 5 लोगों की मौत

राजगढ़

मध्य प्रदेश के राजगढ़ से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। पचोर-खुजनेर मार्ग पर शनिवार को भीलखेड़ी जोड़ के पास एक कार पुल से फिसलकर नाले में जा गिरी। इस भीषण हादसे में कार में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। घटना दोपहर के समय हुई। पचोर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार भीलखेड़ी जोड़ पर बने पुल को पार कर रही थी। इसी दौरान चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया और कार सीधे पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे बह रहे नाले में जा गिरी। कार नाले में पलट गई और पानी में आधी डूब गई। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने धमाके की आवाज सुनी तो दौड़कर मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत 112 को सूचना दी। खुजनेर थाना पुलिस कुछ ही देर में मौके पर पहुंच गई। पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर रस्सियों और जेसीबी की मदद से कार को नाले से बाहर निकाला। लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस को कार से कुछ दस्तावेज मिले हैं, जिसके आधार पर उनके परिजनों को सूचना दी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं और वे किसी रिश्तेदारी में जा रहे थे।

नई पीढ़ी को बहुत अपनापन देने की जरूरत

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को दिल्ली में कहा, आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें हर बात के पीछे का तर्क समझाना चाहिए, न कि आदेश देना चाहिए। संवाद के जरिए ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता। भागवत ने कहा, 'पहले के समय में माता-पिता की बात बिना किसी सवाल के मान ली जाती थी। जब हम छोटे थे, तो माता-पिता जो कहते थे, वही अंतिम होता था।' कोई बहस नहीं होती थी। श्रद्धा थी और प्रतिक्रिया भी नहीं होती थी, लेकिन अब समय बदल गया है। नई पीढ़ी सवाल पूछती है और उन्हें हर बात का तर्क बताना पड़ता है। उन्होंने कहा, नई पीढ़ी को बहुत अपनापन देने की जरूरत है, उन्हें समय देने की जरूरत है और सबसे ज्यादा संवाद की जरूरत है। आज डिक्टेशन नहीं, डिस्कशन की जरूरत है। ऑर्डर नहीं, कॉन्शसनेस (जागरुकता) की जरूरत है। आज परिवारों में आपसी बातचीत पहले की तुलना में काफी कम हो गई है। बच्चों और युवाओं के साथ नियमित संवाद ही उन्हें सही दिशा दे सकता है। केवल आदेश देने से बात नहीं बनेगी, बल्कि परिवार और समाज को युवाओं के साथ समय बिताना होगा और उनकी बात भी सुननी होगी।

एच-1बी वीजा पर ट्रंप को झटका

अमेरिकी अदालत ने खारिज की अपील

वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका दिया है। अदालत ने ट्रंप प्रशासन की अपील को खारिज कर दिया, जिसमें निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। निचली अदालत ने एच-1बी वीजा पर 1 लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क रद्द करने का आदेश दिया था। बोस्टन स्थित प्रथम सर्किट अपीलीय अदालत की तीन जजों की पीठ ने अमेरिकी जिला जज लियो टी. सोरोकिन के 8 जून के फैसले पर रोक लगाने की ट्रंप प्रशासन की मांग खारिज कर दी। निचली अदालत ने इस शुल्क को कांग्रेस (संसद) की मंजूरी के बिना लगाया गया गैरकानूनी कर बताया था। पीठ ने अपने आदेश में कहा, हम इस अदालत में अपील लंबित रहने तक जिला अदालत के 8 जून के आदेश और उससे जुड़े फैसले पर रोक लगाने की प्रतिवादियों की मांग खारिज करते हैं।

अब जूते बताएंगे एथलीट की गलती

सेंसर वाला स्मार्ट सोल बढ़ाएगा खिलाड़ियों की रफ्तार

नई दिल्ली

एथलीटों के प्रदर्शन को नई रफ्तार देने के लिए अब तकनीक का सहारा लिया जाएगा। खिलाड़ी जल्द ही सेंसर लगे स्मार्ट सोल वाले जूतों में ट्रैक पर दौड़ते नजर आएंगे। आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञों की मदद से तैयार इस सोल में आठ से नौ अत्याधुनिक सेंसर लगाए गए हैं। ये सेंसर खिलाड़ी की दौड़ से जुड़ी तकनीकी कमियों को रियल टाइम में पकड़कर उसका डेटा मोबाइल या लैपटाप पर भेजेंगे। इससे प्रशिक्षक आंकड़ों के आधार पर खिलाड़ी की कमजोरी पहचान सकेंगे और उसमें सुधार करा पाएंगे। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रण शंकरण ने बताया कि सेंसर से धावक की गति, कदमों की दूरी और दौड़ने के तरीके की सटीक जानकारी मिलेगी। मसलन, 400 मीटर की दौड़ में खिलाड़ी ने पहले 100 मीटर में कैसा प्रदर्शन किया और आखिरी 100 मीटर में उसकी रफ्तार कहां कम हुई, यह आसानी से पता चल सकेगा। सेंसर धावक की तकनीक और पैरों की गतिविधियों को भी ट्रैक करेगा। स्मार्ट सोल की मदद से खिलाड़ियों की उन तकनीकी गलतियों को भी पकड़ा जा सकेगा, जिन्हें सामान्य प्रशिक्षण के दौरान पहचानना मुश्किल होता है। दौड़ते समय पैर गलत दिशा में जा रहा है या कदमों के बीच तालमेल में कमी है, इसकी जानकारी भी डेटा के जरिए मिल सकेगी। इससे खिलाड़ी अपनी कमजोरियों को समझकर उन्हें दूर करने पर काम कर सकेंगे। प्रशिक्षकों को भी प्रशिक्षण की रणनीति तैयार करने में मदद मिलेगी।

तीरंदाजी और शूटिंग के लिए स्मार्ट चश्मा

तकनीक का इस्तेमाल सिर्फ एथलेटिक्स तक सीमित नहीं रहेगा। बिहार में पटना के खेल भवन में तीरंदाजी, भारोत्तोलन, बाक्सिंग और शूटिंग के खिलाड़ियों के प्रदर्शन को भी तकनीक के जरिए बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। तीरंदाजी और शूटिंग के खिलाड़ियों के लिए विशेष स्मार्ट चश्मा तैयार किया गया है, जो निशाना साधते समय आंखों की पुतलियों की गतिविधि को ट्रैक करेगा। इससे पता चलेगा कि खिलाड़ी का ध्यान लक्ष्य पर कितना केंद्रित है।

शरीर का संतुलन भी मापा जाएगा

भारोत्तोलन में तकनीक यह पता लगाने में मदद करेगी कि वजन उठाते समय खिलाड़ी के दोनों पैरों पर समान भार है या नहीं। शरीर आगे की ओर झुक रहा है या नहीं, इसका भी विश्लेषण किया जा सकेगा। तकनीक का उद्देश्य खिलाड़ियों को सीधे प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि उनकी बारीक तकनीकी कमियों को वैज्ञानिक तरीके से पहचानना है। इससे डेटा आधारित प्रशिक्षण के जरिए खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए और मजबूत बनाने की उम्मीद है।

बिना डॉक्यूमेंट्स के खुलेंगे खाते

1 अगस्त से बदल जाएगा केवायसी का नियम

नई दिल्ली। भारतीय बैंक और इंश्योरेंस कंपनियां अगस्त में एक कॉमन कस्टमर आइडेंटिफिकेशन सिस्टम शुरू करेंगी, जिसमें बाद में एसेट मैनेजर भी शामिल होंगे। इससे ग्राहकों को अलग-अलग पहचान दस्तावेज जमा किए बिना फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। इस नए सिस्टम को सेंट्रल नो-योर-कस्टमर 2.0 कहा जाएगा। इसके तहत, अकाउंट खोलने या अपनी जानकारी अपडेट करने के समय, इन संस्थानों को सेंट्रल रजिस्ट्री में स्टोर डेटा हासिल करने के लिए सिर्फ ग्राहक की सहमति की जरूरत होगी। भारत पिछले एक दशक से सिंगापुर और कई यूरोपीय देशों जैसे सिस्टम को बनाने की कोशिश कर रहा है, जहां डिजिटल आइडेंटिटी फ्रेमवर्क ग्राहकों को एक कॉमन वेरिफिकेशन प्रोसेस के जरिए कई फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स का फायदा उठाने की सुविधा देते हैं।

धोखाधड़ी को रोकने में भी मदद मिलेगी

रेगुलेटरी सूत्रों ने कहा कि इससे आसान मॉनिटरिंग के जरिए धोखाधड़ी को रोकने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि म्यूचुअल फंड और ब्रोकरेज समेत कैपिटल मार्केट की कंपनियों के भी इस साल के आखिर तक इसका इस्तेमाल करने की उम्मीद है, क्योंकि रेगुलेटर सेक्टर-खास जरूरतों पर काम कर रहे हैं।

आसमान में छा रहे बादल लेकिन बारिश पर लगा स्टॉप

धूप-छांव के खेल से बढ़ी तपिश, फिर गर्मी दिखाने लगी असर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संस्कारधानी में मौसम की बेरुखी और धूप-छांव का रोमांचक खेल जारी है। सुबह के समय जहां आसमान में घने बादलों की आवाजाही से मौसम सुहावना नजर आता है, वहीं दोपहर होते-होते बादल अचानक ओझल हो जाते हैं। सूरज के तीखे तेवरों के साथ ही तीखी धूप खिल उठती है, जिससे दिन का तापमान अचानक उछाल भरने लगता है। मौसम के इस अनपेक्षित बदलाव से शहरवासी बेहद हैरान-परेशान हैं। तापमान में दर्ज की जा रही लगातार वृद्धि और नमी के कारण शहर में उमस का स्तर काफी बढ़ गया है। शनिवार को अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री तो वहीं न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री दर्ज किया गया। दोपहर के समय चिलचिलाती धूप और पसीने से तरबतर करने वाली उमस ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। हवा में नमी और अचानक बढ़ती गर्मी के बावजूद सड़कों पर आवाजाही देखने को मिल रही है; सप्ताहांत (वीकेंड) होने के कारण बाजारों में रौनक बनी हुई है। शहर में अभी तक कुल 269.2 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

बदलते मौसम से सेहत पर पड़ रहा प्रतिकूल असरबदलते मौसम से सेहत पर पड़ रहा प्रतिकूल असर- मौसम में आ रहे इस अचानक परिवर्तन का सीधा और प्रतिकूल असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। शहर के सरकारी व निजी अस्पतालों में मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। अस्पताल की ओपीडी में ज्यादातर मरीज मौसमी बुखार, सिरदर्द, उल्टी-दस्त, डिहाइड्रेशन और कमजोरी आदि की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, तापमान में बार-बार आ रहे इस उतार-चढ़ाव से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) प्रभावित होती है। बदलते मौसम के इस दौर में खान-पान और स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखना बेहद जरूरी हो गया है।

खितौला उप अस्पताल में हो डॉक्टरों की नियुक्ति

जनसमस्याओं के समाधान की मांग विधायक को सौंपा ज्ञापन

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । खितौला क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता प्रेमलाल यादव ने विधायक संतोष बरकड़े एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में नव-निर्मित उप अस्पताल में तत्काल डॉक्टरों की नियुक्ति प्रमुख मांग है। अस्पताल भवन बनने के बाद भी डॉक्टरों की पदस्थापना नहीं होने से क्षेत्र की हजारों की आबादी को उपचार के लिए जबलपुर जाना पड़ता है । उन्होंने शासन से अस्पताल में कम से कम दो डॉक्टरों सहित आवश्यक स्टाफ की शीघ्र नियुक्ति करने की मांग की है ताकि स्थानीय लोगों को अपने क्षेत्र में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें ज्ञापन में वार्ड क्रमांक 15 की मूलभूत समस्याओं, क्षतिग्रस्त नालियां ,गंदगी, साप्ताहिक बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण जैसी समस्याएं शामिल है। ज्ञापन में जैन मंदिर सड़क पर पर्याप्त स्ट्रीट लाइट नहीं होने का मुद्दा उठाया। प्रेमलाल यादव ने विधायक से आग्रह किया है कि जनहित से जुड़े इन सभी मुद्दों पर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देकर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए ताकि समस्याओं का जल्द समाधान हो।

वार्षिक निरीक्षण पर रांझी थाना पहुंचे एसपी

हवालात, मालखाना, जप्ती माल, आर्म्स एम्यूनेशन तथा संधारित किये जाने वाले रजिस्टरों को किया चैक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय शनिवार को वार्षिक निरीक्षण के दौरान रांझी थाने पहुंचे। जहां पर उन्होंने ातखाने का निरीक्षण करते हुये जप्ती मालए आर्म्स एम्यूनेशन, राईट ड्रिल सामग्री का रख रखाव चैक करते हुये हवालात चैक किया, साथ ही थाने में संधारित किये जाने वाले रजिस्टरों एवं शिकायत रजिस्टर को चैक किया कि थाने में संधारित किये जाने वाले रजिस्टर अपडेट हैं कि नहीं यह भी देख। इस दौरान सीएसपी रांझी सतीश कुमार साहू एवं थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी उपस्थित रहे। एसपी श्री उपाध्याय ने थाने में पंजीबद्ध अपराधों की समीक्षा करते हुये लंबित अपराधों के निकाल के सम्बंध मे आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इसके साथ ही आदेशित किया लंबित सीएम हैल्प लाईन एवं जनसुनवाई की शिकायतों का शीघ्र संतुष्टीपूर्ण निकाल करें। एसपी ने उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं, बच्चों, वृद्धों एवं समाज के कमजोर वर्गो के प्रति संवेदनशील रहते हुये इनके द्वारा की गयी शिकायतों पर तत्काल विधिसंगत कार्यवाही करते हुये तत्काल राहत पहुंचाएं, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिये। इसके साथ ही उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि किसी भी प्रकार यदि कोई समस्या है तो वे तत्काल बताये, प्राथमिकता के आधार पर उनका निराकरण किया।

महिला से अभद्रता करने वाला मनचला पुलिस पर दबाव बनाने मारपीट का लगाने लगा आरोप!

लार्डगंज थाने का मामला, महिला प्रोफेसर ने की थी छेड़छाड़ की शिकायत

जबलपुर

एक महिला प्रोफेसर द्वारा मनचले के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत करने पर लार्डगंज पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही पर आरोपी द्वारा पुलिस पर दबाव बनाने मारपीट और छवि धूमिल करने का मामला सामने आया है। महिला द्वारा पुलिस से शिकायत करने पर पुलिस द्वारा मनचले को समझाईश के लिए थाने बुलाया तो मनचला थाने में पुलिसकर्मियों से ही अभद्रता और नेता नगरी की धौंस देने लगा। जिस पर पुलिस ने मनचले को फटकार लगाई। महिला द्वारा लोक लाज के चलते और मनचले द्वारा मांफी मांगने पर शिकायत न करने का फैसला लिया। जिस पर पुलिस ने समझाइश के बाद मनचले को छोड़ दिया। लेकिन इसके बाद पुलिस की छवि धूमिल करने के लिए थाने में मारपीट का आरोप लगाते हुए खुद को अस्पताल में भर्ती करा लिया और वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत कर दी। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार कोतवाली निवासी एक महिला द्वारा लार्डगंज थाने में बेलवाग निवासी सम्राट मराठा के विरुद्ध छेड़छाड़ की शिकायत की थी। जिस पर पुलिस द्वारा उसे समझाईश दी गई थी। लेकिन विगत 21 अगस्त को उसके द्वारा पुनः महिला से फोन पर अभद्रता और गाली गलौज कर दी गई। जिसके बाद महिला तत्काल थाने पहुंची। जिस पर पुलिस द्वारा सम्राट मराठा को थाने बुलाया गया। जहां वह समझाने पर पुलिसकर्मियों से ही अभद्रता पर उतारु हो गया। बाद में उसके द्वारा मांफी मांगने पर महिला ने शिकायत नहीं की। सूत्रों की माने तो इसके बाद युवक द्वारा पुलिस पर दबाव बनाने वरिष्ठ अधिकारियों से थाना पुलिस द्वारा मारपीट करने आरोप लगाते हुए शासकीय अस्पताल में भर्ती हो गया। जिससे पुलिस की छवि को धूमिल कर सके। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साग्रर मराठा आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध कई थानों में गंभीर आपराधिक मामले भी दर्ज हैं।

मोहन शशि मार्ग बनाने महापौर ने दिया आश्वासन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर की प्रसिद्ध संस्था मिलन के सूत्रधार, वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं कवि स्वर्गीय मोहन शशि की स्मृति में दमोह नाका शांति नगर स्थित स्वर्गीय मोहन शशि के निवास स्थान के सामने वाले मार्ग को 'मोहन शशि मार्ग' बनाए जाने को लेकर मिलन संस्था के संयोजक वरिष्ठ हास्य कलाकार के.के. नायकर, मृगेंद्र नारायण सिंह, हास्य कलाकार बलराम वर्मा, डॉ शोभा सिंह, डॉ गीता गीत, राकेश खम्परिया, जगदीश पटेल, ईश्वर सिंह ठाकुर, डॉ मुकुल तिवारी, ने नगर निगम जबलपुर के महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' को पत्र सौपते हुए आग्रह किया। महापौर ने मार्ग का नामकरण मोहन शशि मार्ग किए जाने का आश्वासन दिया। आगामी 2 सितंबर को मिलन के स्थापना दिवस के अवसर पर मोहन शशि मार्ग का लोकार्पण होगा।

सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को किया गया जागरूक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च के बी.एससी. नर्सिंग के विद्यार्थियों द्वारा एन.एस.सी.बी. सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, जबलपुर में मातृ स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं एवं उनके परिजनों को गर्भावस्था के दौरान नियमित प्रसव पूर्व जांच, संक्रमणों की समय पर जांच, व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित पोषण तथा आवश्यक बचाव उपायों के प्रति जागरूक करना था, ताकि सुरक्षित मातृत्व एवं स्वस्थ शिशु के जन्म को सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य शिक्षा व्याख्यान, पोस्टर प्रदर्शन, ऑडियो विजुअल प्रस्तुति तथा संवादात्मक चर्चा के माध्यम से प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। गर्भावस्था में समय पर स्वास्थ्य जांच, आयरन एवं फोलिक एसिड की नियमित खुराक, आवश्यक

टीकाकरण, संतुलित आहार तथा किसी भी असामान्य लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेने के महत्व पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित गर्भवती महिलाओं, एएनसी क्लिनिक में आने वाली महिलाओं तथा उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने स्वास्थ्य संबंधी प्रश्न पूछे, जिनका विद्यार्थियों द्वारा सरल एवं वैज्ञानिक तरीके से समाधान किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें नियमित प्रसव पूर्व जांच कराने तथा उपलब्ध मातृ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में तथा डॉ. रीना मैथ्यू एवं सुश्री अनु गुप्ता के समन्वय में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा सुरक्षित मातृत्व के संदेश को जन समुदाय तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वस्थ माँ, स्वस्थ शिशु, स्वस्थ परिवार के संदेश के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

चलती ट्रेन से नीचे गिरा सहरसा-बेंगलुरु एक्सप्रेस का यात्री

जबलपुर स्टेशन पर मिला त्वरित इलाज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

यात्री सुरक्षा एवं त्वरित चिकित्सीय सहायता सुनिश्चित करने की दिशा में जबलपुर रेल मंडल द्वारा एक बार फिर तत्परता का परिचय दिया गया. उप स्टेशन प्रबंधक (परिचालन) द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि 22351 सहरसा जंक्शन-बेंगलुरु एक्सप्रेस से यात्रा कर रहा एक यात्री देवरी-अधारताल रेलखंड (कि.मी. 1000/0) के निकट ट्रेन से गिरकर घायल हो गया है। उक्त घायल यात्री को ट्रेन संख्या 11272 के गार्ड ब्रेक वैन के माध्यम से जबलपुर स्टेशन लाया गया। जबलपुर स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 2 पर ट्रेन के आगमन पर ऑन ड्यूटी उप स्टेशन प्रबंधक आशीष चड्ढा एवं अनन्या क्लिनिक के चिकित्सा कर्मी अतुल ने घायल यात्री को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान किया। इसके उपरांत रेलवे चिकित्सालय से संपर्क कर डॉ. संजय द्वारा घायल यात्री का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद बेहतर उपचार के लिए उसे भर्ती करने की सलाह दी गई, जिसके अनुसार रेलवे एम्बुलेंस से उसे शासकीय चिकित्सालय भेजा गया। घटना के दौरान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौके पर उपस्थित रहे तथा आवश्यक सहयोग प्रदान किया. घायल यात्री की पहचान आकाश (पुरुष), आयु 18 वर्ष के रूप में हुई, जो अपने दो-तीन साथियों के साथ सहरसा जंक्शन से बेंगलुरु की यात्रा कर रहा था। रेलवे प्रशासन की त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप घायल यात्री को समय पर आवश्यक चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई गई। रेलवे की तत्पर एवं संवेदनशील कार्यप्रणाली से संतुष्ट होकर घायल यात्री के साथियों ने जबलपुर रेल मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की त्वरित कार्रवाई, मानवीय संवेदनशीलता तथा सहयोग की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

खाद-बीज लाइसेंस के लिए देसी डिप्लोमा अनिवार्य

आधारताल कृषि केंद्र में आयोजित हुआ प्रशिक्षण शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रय का नया लाइसेंस बनवाने के इच्छुक ऐसे आवेदकों के लिए आज शनिवार को आधारताल स्थित कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिनके पास बीएससी एग्रीकल्चर या बीएससी रसायन कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र में की डिग्री नहीं है और जो खाद बीज कीटनाशक का व्यापार करना चाहते हैं। आधारताल स्थित कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र में फेसिलिटेटर वी जी गोस्वामी के मार्गदर्शन में आयोजित किये गये इस प्रशिक्षण में एक वर्षीय देसी डिप्लोमा की तथा कृषि संबंधी नियमों की विस्तार से जानकारी प्रशिक्षणार्थियों को दी गई। उप संचालक कृषि एवं अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने प्रशिक्षणार्थियों को उर्वरक गुण नियंत्रण अधिनियम 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 इसकी व्यावहारिक कार्यप्रणाली के बारे में समझाया। उन्होंने नया लाइसेंस प्राप्त करने के बाद दुकान के रिकॉर्ड का सही रख-रखाव करने तथा सैंपल लेने एवं देने की प्रक्रिया और नियमों के बारे में में भी जानकारी दी। कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र की प्राचार्य श्रीमती अरुणिमा सेन ने बीज अधिनियम एवं बीज नियंत्रण आदेश के विषय में जानकारी दी। खाद, बीज और कीटनाशक की नई दुकान खोलने या नया लाइसेंस प्राप्त करने के लिए इस डिप्लोमा को अनिवार्य माना जाता है। इससे नए आवेदकों को तकनीकी कृषि ज्ञान मिलता है ताकि वे आगे चलकर किसानों को सही परामर्श दे सकें। एक वर्ष के इस डिप्लोमा में सप्ताह में केवल एक दिन कक्षा आयोजित की जाती है।

2 लाख का चेक बाउंस पड़ गया भारी दंपती पर लगा 3.26 लाख का जुर्माना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। टेंट हाउस के सामान की खरीद-फरोख्त से जुड़े दो लाख रुपये के चेक बाउंस मामले में जबलपुर की प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट ऋषिराज मिश्रा की अदालत ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने सदर बाजार निवासी राकेश पछेल और उनकी पत्नी रानो पछेल को दोषी करार देते हुए परिवादी अभिषेक विनोदिया को 3,26,000 (तीन लाख 26 हजार रुपये) का मुआवजा (प्रतिकर) अदा करने का आदेश दिया है।

मामले के अनुसार, गोराबाजार निवासी परिवादी अभिषेक विनोदिया और अभियुक्तों (राकेश पछेल व रानो पछेल) के बीच टेंट हाउस के सामान का सौदा दो लाख रुपये में तय हुआ था। इस सौदे के तहत अभिषेक विनोदिया ने 13 दिसंबर 2017 को 1 लाख नकद और 50-50 हजार रुपये के दो चेक के जरिए कुल 2 लाख का भुगतान किया था। बाद में अभियुक्तों ने इस देनदारी को चुकाने के लिए परिवादी के नाम 2 लाख का एक चेक जारी किया।

जब परिवादी ने उक्त चेक को बैंक में भुनाने के लिए लगाया, तो खाते में पर्याप्त राशि न होने के कारण चेक बाउंस (अनादरित) हो गया। इसके बाद परिवादी ने विधिक प्रक्रिया अपनाते हुए अभियुक्तों को लीगल नोटिस भेजकर तय समय में भुगतान करने की मांग की। नोटिस मिलने के बाद भी जब राशि का भुगतान नहीं किया गया, तब परिवादी ने अदालत का दरवाजा खटखटाया।

सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों, दस्तावेजी और मौखिक साक्ष्यों का गहराई से परीक्षण किया। कोर्ट ने माना कि अभियुक्तों द्वारा जारी किया गया चेक वैधानिक देनदारी का था। अभियुक्त अपने वैधानिक दायित्व को खारिज करने या इसके विपरीत कोई ठोस सबूत पेश करने में विफल रहे, जिसके आधार पर कोर्ट ने उन्हें दोषी करार देते हुए मुआवजे का आदेश जारी किया।

कलेक्टर ने दिए नहरों की सतत निगरानी और रखरखाव के निर्देश

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने लिया बरगी बांध का जायजा

किसानों को मिलेगा सिंचाई के लिए पानी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने शनिवार को बरगी बांध पहुंचकर जल भराव की स्थिति और नहरों की कार्यप्रणाली का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बांध के वर्तमान जलस्तर और जल प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने कलेक्टर को अवगत कराया कि वर्तमान में बरगी डैम का जलस्तर 413.75 मीटर तक पहुंच गया है। निरीक्षण के क्रम में कलेक्टर श्री सिंह ने बरगी बांध की दाईं तट नहर की स्थिति का भी जायजा लिया।

15 क्यूमेक पानी का प्रवाह जारी- संबंधित अधिकारियों ने बताया कि किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दाईं तट नहर में वर्तमान में 15 क्यूमेक पानी प्रवाहित किया जा रहा है। नहर में शुरुआत से लेकर 6.94 किलोमीटर तक पानी के बहाव में किसी भी प्रकार का अवरोध नहीं है। यह पानी जबलपुर, पनागर और सिहोरा क्षेत्र तक पहुंचेगा, जिससे वहां के कृषकों को फसलों की सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिल सकेगा।

नहरों की सफाई और मॉनिटरिंग के निर्देश- कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि नहरों में पानी के प्रवाह की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही नहरों की नियमित सफाई और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि अंतिम छोर (टेल एरिया) तक किसानों को बिना किसी रुकावट के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, एसडीएम अभिषेक सिंह सहित जल संसाधन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

स्पेस टेक्नोलॉजी: अंतरिक्ष की उड़ान, सुनहरा भविष्य

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। चंद्रयान, आदित्य-एल1, गगनयान मिशन और उपग्रह प्रक्षेपण कार्यक्रमों ने विश्व में भारत की पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इसके साथ ही निजी क्षेत्र के लिए अंतरिक्ष उद्योग के खुलने से स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और तकनीकी कंपनियों में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़े हैं। आज मौसम पूर्वानुमान, संचार, कृषि, रक्षा, आपदा प्रबंधन और नेविगेशन जैसी अनेक सेवाएं अंतरिक्ष तकनीक पर आधारित हैं। यदि विज्ञान, तकनीक और नवाचार में रुचि है, तो स्पेस टेक्नोलॉजी न केवल प्रतिष्ठित बल्कि भविष्य की सबसे संभावनाशील करियर राह भी बन सकती है।

स्पेस टेक्नोलॉजी क्या है?

स्पेस टेक्नोलॉजी वह विज्ञान और तकनीक है जिसके माध्यम से उपग्रह, रॉकेट, अंतरिक्ष यान, अंतरिक्ष स्टेशन और अन्य अंतरिक्ष प्रणालियों का डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और संचालन किया जाता है। इसमें कृत्रिम उपग्रहों का विकास, पृथ्वी अवलोकन, अंतरिक्ष अनुसंधान, ग्रहों की खोज, संचार प्रणाली और अंतरिक्ष मिशनों का संचालन शामिल है।

इस क्षेत्र में प्रमुख करियर विकल्प

- एयरोस्पेस इंजीनियर
- सैटेलाइट सिस्टम इंजीनियर
- रॉकेट प्रोपल्शन विशेषज्ञ
- स्पेसक्राफ्ट डिजाइन इंजीनियर
- रोबोटिक्स इंजीनियर
- डेटा साइंटिस्ट और स्पेस डेटा एनालिस्ट
- रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस विशेषज्ञ
- एआई और मशीन लर्निंग विशेषज्ञ
- मिशन कंट्रोल एवं फ्लाइट ऑपरेशन इंजीनियर
- स्पेस साइंटिस्ट एवं रिसर्च फेलो

कौन-से विषय पढ़ना जरूरी है?

स्पेस टेक्नोलॉजी में करियर बनाने के लिए गणित, भौतिक विज्ञान और कंप्यूटर विज्ञान की मजबूत समझ आवश्यक होती है। विद्यार्थी 12वीं के बाद एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, फिजिक्स, एस्ट्रोनॉमी एवं एस्ट्रोफिजक्स में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

विद्यार्थियों के लिए तैयारी के सुझाव

यदि आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो स्कूल स्तर से ही गणित और विज्ञान पर विशेष ध्यान दें। विज्ञान प्रदर्शनियों, रोबोटिक्स प्रतियोगिताओं, कोडिंग, मॉडल रॉकेट परियोजनाओं और खगोल विज्ञान क्लबों में भाग लें। नई तकनीकों के बारे में लगातार पढ़ें, शोध पत्रों और अंतरिक्ष मिशनों का अध्ययन करें तथा इंटर्नशिप और ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के माध्यम से अपने कौशल को मजबूत बनाएं।

कॉमर्स: करियर के अनगिनत अवसर

आज का दौर केवल नौकरी खोजने का नहीं, बल्कि सही करियर चुनने का है। विज्ञान और कला की तरह वाणिज्य (कॉमर्स) भी एक ऐसा विषय है, जो विद्यार्थियों को रोजगार, उद्यमिता और वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में असीम संभावनाएं प्रदान करता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, ई-कॉमर्स, स्टार्टअप संस्कृति और वैश्विक व्यापार के विस्तार ने कॉमर्स को पहले से अधिक प्रासंगिक बना दिया है। यदि किसी विद्यार्थी की रुचि व्यापार, वित्त, प्रबंधन और अर्थव्यवस्था में है, तो कॉमर्स उसके लिए एक बेहतरीन करियर विकल्प हो सकता है।

कॉमर्स वह अध्ययन क्षेत्र है, जो वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन, वितरण, विपणन, वित्तीय प्रबंधन तथा उपभोग से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों को समझाता है। यह केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि बैंकिंग, बीमा, कराधान, लेखांकन, निवेश, ई-कॉमर्स और व्यवसाय प्रबंधन जैसे क्षेत्रों का भी आधार है। आज लगभग हर उद्योग और संस्थान को प्रशिक्षित कॉमर्स पेशेवरों की आवश्यकता होती है।

भारत तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन शॉपिंग, स्टार्टअप, जीएसटी, शेयर बाजार और फिनटेक कंपनियों के विस्तार ने कॉमर्स विशेषज्ञों की मांग को कई गुना बढ़ा दिया है। व्यवसायों को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है, जो वित्तीय निर्णय लेने, लेखांकन, कर प्रबंधन और व्यावसायिक रणनीतियां बनाने में दक्ष हों।

उच्च शिक्षा के अवसर

12वीं (कॉमर्स) के बाद विद्यार्थी बी.कॉम., बीबीए, बी.कॉम. ऑनर्स, सीए, सीएस, सीएमए, एमबीए, एम.कॉम., बैंकिंग एवं फाइनेंस, फाइनेंशियल मैनेजमेंट और बिजनेस एनालिटिक्स जैसे पाठ्यक्रमों का चयन कर सकते हैं। इन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने के बाद देश और विदेश दोनों जगह उत्कृष्ट करियर बनाया जा सकता है।

भविष्य की संभावनाएं

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक, डिजिटल बैंकिंग और ऑनलाइन व्यापार के विस्तार से कॉमर्स क्षेत्र में नई भूमिकाएं तेजी से उभर रही हैं। आने वाले वर्षों में डेटा आधारित वित्तीय विश्लेषण, डिजिटल अकाउंटिंग, टैक्स प्लानिंग, ई-कॉमर्स मैनेजमेंट और फाइनेंशियल कंसल्टिंग जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग लगातार बढ़ने की संभावना है।

निरंजन श्रीवास्तव
शिक्षक
हितकारिणी उ.मा. शाला देवताल, गढ़ा, जबलपुर

मास्टर डिग्री के साथ बी.एड. वालों के लिए सरकारी नौकरी का मौका

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग में प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल के कुल 828 पदों पर सीधी भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 25 जुलाई 2026 से 14 अगस्त 2026 तक चलेगी। प्रिंसिपल के कुल 124 पद हैं, जबकि वाइस प्रिंसिपल के कुल 704 पद है।

शैक्षणिक योग्यता

विज्ञापन के अनुसार, प्रिंसिपल पद हेतु किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री के साथ बी.एड., पीजीटी के रूप में 10 वर्ष या टीजीटी के रूप में 10 वर्ष का शिक्षण अनुभव जरूरी है। वाइस प्रिंसिपल पद के लिए मास्टर डिग्री के साथ बी.एड. और पीजीटी के रूप में 2 वर्ष या टीजीटी के रूप में 3 वर्ष का शिक्षण अनुभव आवश्यक है।

आयु सीमा (14 अगस्त 2026 के अनुसार)

प्रिंसिपल के लिए अधिकतम आयु सीमा सामान्य वर्ग के लिए 50 वर्ष, ओबीसी के लिए 53 वर्ष और एससी, एसटी वर्ग के लिए 55 वर्ष नियत है। वाइस प्रिंसिपल के लिए सामान्य वर्ग के लिए 35 वर्ष, ओबीसी के लिए 38 वर्ष और एससी, एसटी वर्ग के लिए 40 वर्ष है।

आवेदन शुल्क

सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस (पुरुष) के लिए 25 रुपये और एससी, एसटी, पीडब्लूडी ओर सभी महिला उम्मीदवारों से कोई शुल्क नहीं। इच्छुक उम्मीदवार यूपीएससी के ऑनलाइन भर्ती पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।

संगीतमय गधा 05

जागृति दौर फीचर्स

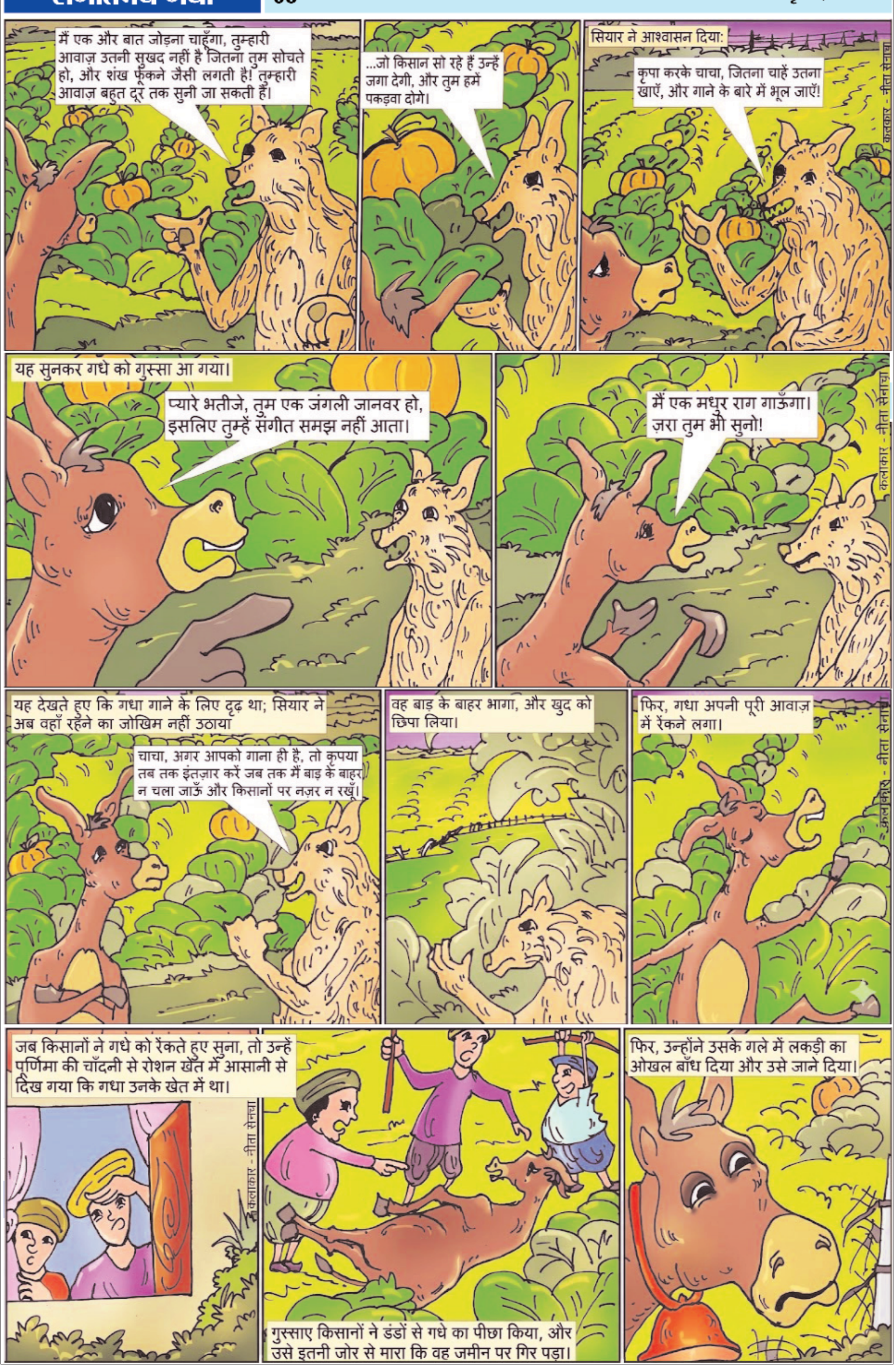

अंधविश्वास ने छीनी तीन मासूमों की जिंदगी

अस्पताल से दूरी और झाड़-फूंक पर भरोसा बना सबसे बड़ी चुनौती, प्रशासन ने शुरू किया स्वास्थ्य अभियान

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

बैहर विकासखंड की अडोरी पंचायत के घने जंगलों में बसे बैगा आदिवासी गांव बोंदारी, कोहनीमोर और कुंडेकसा इन दिनों ऐसी त्रासदी से गुजर रहे हैं, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया है। बारिश के मौसम में फैली संक्रमणजनित बीमारियों के बीच महज 15 दिनों में तीन मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि कई बच्चे अब भी तेज बुखार और अन्य लक्षणों से जूझ रहे हैं। गांवों में मातम पसरा है, लेकिन सबसे बड़ी चिंता यह है कि बड़ी संख्या में ग्रामीण अब भी अस्पताल के बजाय झाड़-फूंक और पंडा-पुजारियों पर भरोसा कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार गांवों में कई दिनों से बच्चे तेज बुखार, कमजोरी, उल्टी, शरीर पर दाने और अन्य संक्रमणजनित लक्षणों से पीड़ित हैं। प्रारंभिक स्वास्थ्य जांच में कुछ मरीजों में मलेरिया जैसे लक्षण भी सामने आए हैं। हालांकि बीमारी की अंतिम पुष्टि चिकित्सकीय जांच के बाद ही होगी, लेकिन लगातार बढ़ते मरीजों ने पूरे क्षेत्र को चिंता में डाल दिया है।

एक घटना ने तोड़ दिया डॉक्टरों पर भरोसा

ग्रामीण बताते हैं कि कुछ समय पहले एक बीमार बच्चे की कथित झोलाछाप डॉक्टर से इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद गांव में यह धारणा फैल गई कि अस्पताल में इंजेक्शन लगते ही मरीज की मौत हो जाती है। इसी डर ने धीरे-धीरे लोगों को आधुनिक चिकित्सा से दूर कर दिया और वे फिर से पंडा-पुजारी, झाड़-फूंक और पारंपरिक उपचार की ओर लौट गए। ग्रामीणों का कहना है कि वे माता बीमारी मानकर झाड़-फूंक कराते रहे, लेकिन कई बच्चों की हालत बिगड़ती चली गई। समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाने से स्थिति और गंभीर होती गई। बीमार महिला शुकवारी बाई ने कहा कि खुजली, बुखार आती हैं, डॉक्टर की दवा से ठीक नहीं होते तो पंडा और वैध के पास जाते हैं.

तीन मासूमों की मौत, कई बच्चे अब भी बीमार

बोंदारी गांव में 12 वर्षीय लमनीन धुर्वे और ढाई वर्षीय संतोष धुर्वे की बीमारी के दौरान मौत हो गई। वहीं पास के कुंडेकसा गांव में 15 वर्षीय प्रीति मरकाम ने भी दम तोड़ दिया। ग्रामीणों का दावा है कि एक अन्य बच्चे की मौत भी कुछ समय पहले हुई थी। वर्तमान में बोंदारी सहित आसपास के गांवों में कई बच्चे अब भी बीमार हैं। कई घरों में एक से अधिक सदस्य बुखार से पीड़ित बताए जा रहे हैं, जिससे पूरे बैगा अंचल में भय का माहौल है।

प्रशासन हरकत में, गांव-गांव पहुंचीं स्वास्थ्य टीमें

जैसे ही बच्चों की मौत की सूचना जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग तक पहुंची, चिकित्सा अमला सक्रिय हो गया। स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में शिविर लगाकर मरीजों की जांच कर रही हैं। घर-घर सर्वे, दवा वितरण, बुखार की जांच और गंभीर मरीजों को अस्पताल भेजने की कार्रवाई लगातार जारी है। स्वास्थ्य विभाग ग्रामीणों को समझा रहा है कि मलेरिया, टाइफाइड और अन्य संक्रमणजनित बीमारियों का इलाज केवल समय पर चिकित्सकीय जांच और दवाओं से ही संभव है। बीमारी की रोकथाम के लिए अडोरी पंचायत ने विशेष सफाई अभियान शुरू किया है। वहीं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने पेयजल स्रोतों को सुरक्षित बनाने के लिए हैंडपंपों में क्लोरीनीकरण का कार्य भी तेज कर दिया है।

अंधविश्वास बनाम स्वास्थ्य जागरूकता की जंग

बैगा अंचल की यह घटना केवल बीमारी की खबर नहीं, बल्कि दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं तक भरोसेमंद पहुंच की चुनौती भी उजागर करती है। स्वास्थ्य सुविधाएं गांव तक पहुंच रही हैं, लेकिन यदि लोगों का भरोसा आधुनिक चिकित्सा पर नहीं लौटता, तो इलाज में देरी आगे भी जानलेवा साबित हो सकती है। आज इन गांवों की खामोश गलियां, बुखार से तपते बच्चे और अपनों को खो चुके परिवार यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या जागरूकता और समय पर इलाज से इन मासूमों की जान बचाई जा सकती थी?

इनका कहना हैं

मैं भी उसी स्थान पर गया हुआ था, पहाड़ पर एक गांव हैं जो 15 दिनों के भितर दो बच्चों की मौत हो गई हैं उन्हे बहुत तेज बुखार आई थीं उसी वजह देखी गई है। मलेरिया के टिके लगाए जा रहें हैं हमारे एएनएम व आशा कार्यक्रर्ताओं के द्वारा लगातार घर-घर पहुंच कर जांच की जा रहीं है। एक बालिका बिमार थीं हमने उसे अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस भिजवाया था लेकिन उनके परिजनों ने साफ मना कर दिया क्योंकि वहां के लोग पंडा-पुजारियों पर भरोसा कर रहें है, उनका यह मामना हैं कि पंडा-पुजारियों ने झाड़-फूक कर बांध दिया है तो वह बच्ची हमारी स्वस्थ्य हो जाएगी। ग्रामीण स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करें तो अवश्य ही उन्हे स्वस्थ कर देगें लेकिन वह अंधविश्वास के चलते ही तीन बच्चों की मौत हो चुंकी हैं।

डॉ. परेश उपलव
सीएचएमओं, बालाघाट

जनशिक्षकों का पाँच दिवसीय क्षमता-वर्धन प्रशिक्षण संपन्न

अकादमिक मॉनिटरिंग और नई शिक्षा नीति पर किया गया मंथन

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

डाइट उमरिया में जिला-उमरिया के तीनों ब्लॉक के जनशिक्षकों के लिए 20 जुलाई से 24 जुलाई तक पाँच दिवसीय क्षमता-वर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

कार्यक्रम राज्य शिक्षा केंद्र, सीमेट भोपाल के निर्देशानुसार जिलेवार चल रहे प्रशिक्षणों के तहत हुआ। प्रशिक्षण का संचालन डाइट उमरिया के प्रभारी प्राचार्य व्ही. के. मनवारे के नेतृत्व में किया गया। डाइट प्रशिक्षण प्रभारी व राज्य से मास्टर ट्रेनर डॉ. ब्रजेश कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में सत्र संचालन पूरे हुए।सत्रों में सीएसी की भूमिका, अकादमिक मॉनिटरिंग, आदर्श विद्यालय निर्माण, शिक्षक सहयोग रणनीतियां, जॉयफुल लर्निंग, एसएमसी सुदृढ़ीकरण, आईसीटी व दीक्षा, साइबर सेफ्टी, पॉक्सो एक्ट, एनईपी, एनसीएफ, कक्षा अवलोकन व वार्षिक कार्य योजना पर प्रशिक्षण दिया गया। मास्टर ट्रेनर डॉ. ब्रजेश शर्मा, डी.आर. सेन, शिवराज माण्डवी, ज्योतिराज नाई व विषय विशेषज्ञ के रूप में राजेश पांडे, मनीषा कान्ड्रा, स्नेहा त्रिपाठी, आशा तिवारी व सुशील मिश्रा जी की भूमिका भी विशेष रूप से रही।

नशा मुक्ति अभियान 2.0 के तहत शासकीय हाई स्कूल धनवाही में विद्यार्थियों को दिलाई गई शपथ

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

मध्यप्रदेश शासन के नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जन-जागरूकता अभियान एवं नशा मुक्त भारत सप्ताह के अंतर्गत शनिवार 25 जुलाई को शुभम समाज सेवी संस्थान द्वारा शासकीय हाई स्कूल, ग्राम धनवाही (विकासखंड करकेली), जिला उमरिया में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को तंबाकू, शराब एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी नशा मुक्त बनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों से ष्नशा मुक्त वॉलेंटियरष् के रूप में आगे आकर जन-जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया। विद्यालय के प्राचार्य ने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, समस्त शिक्षकगण, विद्यालय स्टाफ एवं शुभम समाज सेवी संस्थान के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

घटिया निर्माण के आरोपों से घिरी यशवंती कंस्ट्रक्शन!

6.74 करोड़ की सड़क परियोजना पर उठे गंभीर सवाल, ग्रामीणों ने मांगी उच्चस्तरीय जांच

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

कटंगी तहसील के आजनबिहारी से चाकाहेटी-जमरापानी तक बन रही 6.74 करोड़ रुपये की सड़क परियोजना अब गंभीर विवादों में घिर गई है। करीब 8.30 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने निर्माण एजेंसी यशवंती कंस्ट्रक्शन पर सरकारी संपत्ति के दोहन, अवैध खनन, वन क्षेत्र में पेड़ों की कटाई, बिना रॉयल्टी निर्माण सामग्री के उपयोग तथा घटिया निर्माण जैसी गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज हो गई है।ग्रामीणों का आरोप हैं कि सड़क निर्माण के लिए पंचायत और वन विभाग की जमीन से बिना किसी वैध अनुमति के बड़े पैमाने पर मिट्टी, मुरूम और अन्य सामग्री का उत्खनन किया गया। इतना ही नहीं, सीसी रोड और सड़क के बेस निर्माण में भी बिना रॉयल्टी की रेत और मुरूम का इस्तेमाल किया गया, जिससे शासन को राजस्व की हानि पहुंचाने का आरोप लगाया जा रहा है।

सड़क ठेकेदार जंगल के किनारे से खुदाई कर निकाल रहा मिट्टी

सीएम ने किया था भूमिपुजन

यह सड़क परियोजना जनवरी 2026 में उस समय चर्चा में आई थी, जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट प्रवास के दौरान वर्चुअल माध्यम से इसका भूमिपूजन किया था। लेकिन अब उसी महत्वाकांक्षी परियोजना पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सड़क का निर्माण चाकाहेटी, रामजीटोला, जामुनटोला और जमरापानी तक किया जा रहा है, जिसमें डामर सड़क के साथ कई हिस्सों में सीसी रोड भी बनाई जा रही है।

खुलेआम हुआ अवैध खनन

ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क का एक बड़ा हिस्सा वन विकास निगम तिरोड़ी सर्किल क्षेत्र से होकर गुजरता है, जहां निर्माण के दौरान बड़ी संख्या में पेड़ों की अवैध कटाई की गई। साथ ही वन क्षेत्र से ही भारी मात्रा में अवैध खनन कर निर्माण सामग्री निकाली गई, जो पर्यावरणीय नियमों का खुला उल्लंघन है। उनका कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह सरकारी संपत्ति के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का मामला बनता है।

बेस का निर्माण गुणवत्ताहिन

कटंगी जनपद पंचायत के सभापति चमन डोंगरे ने भी निर्माण कार्य पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क के बेस निर्माण में निर्धारित गुणवत्ता का पालन नहीं किया गया और मुरूम की जगह मलबा डालकर फीलिंग की गई। उन्होंने यह भी कहा कि बिना रॉयल्टी की रेत और मुरूम का उपयोग किया गया है, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

उन्होंने एक और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राजीव सागर परियोजना की नहर को रामजीटोला के पास अवैध खुदाई के दौरान क्षतिग्रस्त कर दिया गया। बारिश का मौसम शुरू होने के बावजूद नहर की मरम्मत नहीं कराई गई, जिससे क्षेत्र के किसानों को सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका सताने लगी है।

भुगतान किस आधार पर हुआ

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार ने राजनीतिक संरक्षण और प्रभाव के दम पर मनमाने तरीके से निर्माण कार्य किया। उनका आरोप है कि यदि निर्माण सामग्री बिना रॉयल्टी के लाई गई, तो फिर निर्माण कार्य के बिलों का भुगतान किस आधार पर किया गया? उन्होंने भुगतान प्रक्रिया की भी जांच कराने की मांग की है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि संबंधित विभागों ने नियमों का पालन किया या नहीं। ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे मामले की स्वतंत्र और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा यदि अवैध खनन, वन क्षेत्र में पेड़ों की कटाई, बिना रॉयल्टी निर्माण सामग्री के उपयोग, घटिया निर्माण और नहर क्षति के आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए।

जिम्मेदार अधिकारी बोले

इधर, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सब इंजीनियर कमलेश राणा ने कहा कि सड़क निर्माण कार्य अभी प्रगति पर है और विभाग के अनुसार कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि यदि शिकायतों में कोई तथ्य सामने आता है, तो उसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

क्या होंगी जांच और कार्यवाही?

अब यह मामला केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि सरकारी संपत्ति के कथित दुरुपयोग, पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन और सार्वजनिक धन के उपयोग की पारदर्शिता पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों की निगाहें अब प्रशासन की कार्रवाई और संभावित जांच पर टिकी हुई हैं।

वन विभाग के दखल से रुका विकास का पहिया

बिछवा-हीरापुर-चांदाडोह सड़क आज भी बनी कच्ची

5.20 करोड़ की लागत धरी की धरी, कागजों में विकास, धरातल पर कीचड़

कटंगी (स्वतंत्र मत)। बारिश के मौसम की शुरूआत से ही विधानसभा क्षेत्र कटंगी के एक साथ तीन गांवों के ग्रामीणों का सपना फिर कीचड़ में फंस गया है। ग्राम बिछवा से हीरापुर होते हुए चांदाडोह तक बनने वाली 5.80 किलोमीटर लंबी सड़क को स्वीकृत हुए कई महीने बीत गए। क्षेत्रीय विधायक ने 18 अप्रैल 2026 को धूमधाम से भूमिपूजन भी कर दिया। ठेकेदार ने मशीनें उतारीं, लेकिन जैसे ही काम शुरू हुआ, वन विभाग बीच में आकर खड़ा हो गया। नतीजा यह कि आज भी यह सड़क कच्ची है, और बरसात ने उसे दलदल बना दिया है। 5 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत वाली यह सड़क कागजों पर तो विकास की जीवनरेखा बन चुकी है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यहां ऊंट के मुंह में जीरा वाली स्थिति है।

बिछवा, हीरापुर और चांदाडोह कटंगी विधानसभा के तीन ऐसे गांव हैं जहां पक्की सड़क थी। बरसात में यहां आवागमन लगभग ठप हो जाता था। सालों की मांग के बाद शासन ने आखिरकार 5.20 करोड़ रुपये से इस मार्ग को पक्का करने की स्वीकृति दी। ग्रामीणों को लगा कि अब बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत नहीं होगी, मरीजों को अस्पताल समय पर पहुंचाया जा सकेगा। लेकिन भूमिपूजन के बाद जैसे ही ठेकेदार ने भूमि समतल करने का काम शुरू किया, वन विभाग ने काम रुकवा दिया।

एक आंख से रोए, दूसरी से हंसे - बिछवा के जितेन्द्र पटले वे बताते हैं, गांव में अगर किसी महिला को प्रसव पीड़ा हो जाए तो 108 एम्बुलेंस गांव तक नहीं आ पाती। मानसून शुरू होते ही इस कच्ची सड़क की असली हालत सामने आ गई है। बिछवा से हीरापुर के बीच लगभग 3 किलोमीटर का हिस्सा पूरी तरह दलदल बन चुका है। जोगाटोला निवासी सुरेश सलामे अपनी पत्नी के साथ साइकिल से तिरोड़ी जा रहे थे। उन्होंने बताया, साइकिल होते हुए भी हम पैदल चल रहे हैं। कीचड़ इतनी है कि पहिया जाम हो जाता है। पत्नी बार-बार गिरते-गिरते बची। मिरगपुर के दिलीप उइके बाइक से बिछवा जा रहे थे बीच रास्ते में बाइक फिसल गई। नितेश उइके बताते हैं कि हर दिन बच्चे कीचड़ में गिरते हैं कपड़े, किताबें सब खराब हो जाती हैं। महेश साकरे रोजाना लिंगापौनार, बोरीखेड़ा और बिछवा आते-जाते हैं। उनका कहना है कि विधायक ने भूमिपूजन किया, फोटो खिंचवाई और चले गए। ठेकेदार कहता है वन विभाग ने रोक दिया। खरखड़ी नाले के आगे से वन विभाग निर्माण कार्य नहीं करने दे रहा है।

ग्रामीणों के जेहन में कौंध रहे ढेर सवाल- इस पूरे मामले में सबसे बड़ी चूक समन्वय के अभाव की है। एक तरफ लोक निर्माण विभाग सड़क बनाना चाहता है, दूसरी तरफ वन विभाग हरी झंडी नहीं दे रहा। सवाल यह है कि क्या सड़क का डीपीआर बनाते समय वन भूमि का सर्वे नहीं हुआ था? अगर हुआ था तो एनओसी पहले क्यों नहीं ली गई? भूमिपूजन से पहले सभी विभागों से क्लीयरेंस क्यों नहीं ली गई?' क्या यह सिर्फ लीपापोती थी? 5.20 करोड़ रुपये स्वीकृत करने के बाद भी काम शुरू न होना किसकी जिम्मेदारी है? सरकार हर मंच से डबल इंजन की सरकार, डबल स्पीड से विकास की बात करती है। लेकिन कटंगी की यह सड़क उस दावे की पोल खोल रही है।

इनका कहना है

वन विभाग से अनुमति मिलने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू करवाया जाएगा। कुछ हिस्से में निर्माण कार्य करवाया गया है बारिश का सीजन समाप्त होने के बाद निर्माण करवाया जाएगा।

कमलेश राणा
उपयंत्री लोनिवि कटंगी

राष्ट्रहित, उद्योग हित एवं श्रमिक हित भारतीय मजदूर संघ की कार्यशैली का मूल मंत्र : ताराचंद यादव

भारतीय मजदूर संघ का 72वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

उमरिया (स्वतंत्रमत)। भारतीय मजदूर संघ का 72वां स्थापना दिवस जिला उमरिया कार्यालय में उत्साह, गरिमा एवं संगठनात्मक एकता के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ताराचंद यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय मजदूर संघ केवल एक श्रमिक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भावना से कार्य करने वाला विश्व का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है। उन्होंने कहा कि संगठन का मूल मंत्र प्राष्ट्रहित, उद्योग हित एवं श्रमिक हित है। यही विचारधारा भारतीय मजदूर संघ को अन्य संगठनों से अलग पहचान प्रदान करती है। उन्होंने श्रमिकों से संगठित रहकर अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि नागेंद्र सिंह (विभाग प्रमुख, भारतीय मजदूर संघ), श्री देवेंद्र धाकड़ (जिला मंत्री, भारतीय मजदूर संघ), नौमी शरण यादव (महामंत्री, भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ) तथा जुल्फेकार अहमद (क्षेत्रीय वेलफेयर सदस्य, भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ, जोहिला क्षेत्र) ने भी अपने संबोधन में संगठन की गौरवशाली परंपरा, श्रमिक एकता एवं श्रमिक अधिकारों की रक्षा के लिए भारतीय मजदूर संघ द्वारा किए जा रहे संघर्षों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ, जोहिला क्षेत्र के 78 पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं तथा जिले से भारतीय मजदूर संघ के 15 पदाधिकारियों सहित कुल 93 साथियों ने सहभागिता की। जिसमें महिला सदस्यों की संख्या भी प्रशंसनीय रही।

वक्ताओं ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ ने पिछले 72 वर्षों में श्रमिकों के हितों की रक्षा, सामाजिक समरसता, संगठनात्मक मजबूती एवं राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। मीडिया प्रभारी विजय कुमार जोशी ने बताया कि सभी उपस्थित सम्मानीय सदस्यों ने श्रमिकों के सम्मान, अधिकारों की सुरक्षा तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में रेडियो कॉलर हटाकर बाघिन को सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया

उमरिया (स्वतंत्र मत)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफर अंतर्गत बीट बरबसपुर में शनिवार 25 जुलाई को एक कॉलरयुक्त मादा बाघिन का रेडियो कॉलर सुरक्षित रूप से हटाकर उसे प्राकृतिक आवास जंगल में में सुरक्षित छोड़ा गया। कॉलरयुक्त मादा बाघिन को पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार सुरक्षित रूप से ट्रेंकुलाइज (बेहोश) कर उसका खराब हो चुका रेडियो कॉलर निकाल दिया गया,आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण एवं निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार उपचारात्मक परीक्षण के उपरांत बाघिन को पूर्णतः होश में आने के बाद उसके प्राकृतिक वन क्षेत्र में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया। इस अभियान में प्रशिक्षित हाथियों, वन अमले, वन्यजीव विशेषज्ञों, ट्रैप कैमरों, वीएचएफ उपकरणों तथा अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया गया,लगातार वर्षा जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद लगभग 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सतत खोज एवं निगरानी की गई। अंततः बाघिन को उसके होम रेंज में सुरक्षित एवं पूर्णतः स्वस्थ अवस्था में ढूंढ़ लिया गया और रेस्क्यू कर रेडियो कॉलर हटाकर जंगल में छोड़ा गया है।

जंगल के 100 वर्ग किमी की खाक छानने के बाद मिली खराब रेडियो कॉलर वाली बाघिन - बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में शनिवार को वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक अहम और सफल अभियान पूरा किया गया।धमोखर बफर के बरबसपुर बीट में एक कॉलरयुक्त मादा बाघिन को सुरक्षित रूप से ट्रेंकुलाइज (बेहोश) कर उसका खराब हो चुका रेडियो कॉलर हटाया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे पूरी तरह होश में लाकर उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया गया।वन विभाग के अनुसार बाघिन का रेडियो कॉलर कई दिनों से काम नहीं कर रहा था,जिससे उसकी लोकेशन मिलना बंद हो गई थी।इसके बाद प्रशिक्षित हाथियों,वन अमले, वन्यजीव विशेषज्ञों,ट्रैप कैमरों,वीएचएफ उपकरणों और अन्य तकनीकी संसाधनों की मदद से करीब 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सघन खोज अभियान चलाया गया।लगातार बारिश जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद टीम ने 25 जुलाई को बाघिन को उसके होम रेंज में पूरी तरह स्वस्थ अवस्था में खोज निकाला। इसके बाद प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) से अनुमति लेकर रेडियो कॉलर हटाने की कार्ययोजना बनाई गई।पिछले दो दिनों की गहन सर्च के बाद शनिवार को पीएफ-126, बरबसपुर-झांझहार क्षेत्र में यह अभियान सफलतापूर्वक पूरा हुआ। अभियान में क्षेत्र संचालक, उप संचालक, सहायक संचालक धमोखर बफर, वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी,वन परिक्षेत्र अधिकारी सहित 63 अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षित हाथी लक्ष्मण,सूर्या,रामा और श्याम तथा उनके महावतों की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण रही।स्वास्थ्य परीक्षण में बाघिन पूरी तरह स्वस्थ पाई गई।रेडियो कॉलर हटाने के बाद उसे पूरी तरह होश में लाकर जंगल में छोड़ दिया गया,जहां वह सामान्य रूप से अपने प्राकृतिक आवास की ओर चली गई।

क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय ने कहा कि बांधवगढ़ में वन्यजीव संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।खराब रेडियो कॉलर के कारण बाघिन की निगरानी प्रभावित हो रही थी,इसलिए सभी आवश्यक अनुमतियों और निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए यह अभियान चलाया गया।पूरी प्रक्रिया के दौरान बाघिन की सुरक्षा और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा गया।

रोटरी ने दिए सीलिंग फैन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। रोटरी क्लब मैकल द्वारा नवीन माध्यमिक शाला कटरा में तीन सीलिंग फैन स्थापित किए गए विद्यालय के कक्षाओं में लंबे समय से भीषण गर्मी के कारण विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ रहा था पंखों की स्थापना के बाद बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया विद्यार्थियों तथा विद्यालय परिवार ने रोटरी क्लब के इस जनहितकारी प्रयास की सराहना करते हुए इसे शिक्षा के लिए उपयोगी पहल बताया।

प्रोजेक्ट संकल्प पर प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला प्रशासन की अभिनव पहल प्रोजेक्ट संकल्प के अंतर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए साप्ताहिक टेस्ट अब ओएमआर शीट एवं मोबाइल ऐप आधारित डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली से आयोजित किए जाएंगे इस नई व्यवस्था के प्रभावी संचालन के लिए जिले के 80 हायर सेकेंडरी विद्यालयों के नोडल अधिकारियों को शासकीय हाई स्कूल बिंझिया में विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया प्रशिक्षण में अधिकारियों को ओएमआर आधारित परीक्षा संचालन, उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग, मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल मूल्यांकन तथा विद्यालय एवं जिला स्तरीय रैंकिंग तैयार करने की पूरी प्रक्रिया का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया।

अवैध शराब बेचने पर कार्यवाही

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के विक्रय एवं संग्रहण के विरुद्ध शहर में राजस्व विभाग के साथ संयुक्त रूप से संघन दबिश कार्यवाही की संयुक्त टीम ने महाराजपुर पुरवा रोड स्थित होटलों एवं ढाबों की तलाशी ली इस दौरान नंदा ढाबा से अवैध रूप से संग्रहित 22 बोतल बीयर, 2 कैन बीयर तथा 46 नग विदेशी मदिरा बरामद कर जब्त की गई। वहीं शास्त्री वार्ड स्थित अम्मू किराना की तलाशी में बिक्री के लिए रखी 6 नग मदिरा बरामद हुई जिसे भी जब्त कर लिया गया आबकारी विभाग ने दोनों मामलों में आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज किए हैं जब्त की गई मदिरा की अनुमानित कीमत 13,850 रुपये बताई गई है।

श्रृद्धालुओं को दिखाई हरी झंडी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राज्य शासन की जनकल्याणकारी मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत जिले के 196 वरिष्ठ नागरिक श्रृद्धालुओं का दल शनिवार को मथुरा-वृंदावन यात्रा के लिए रवाना हुआ जिला योजना भवन परिसर के समक्ष आयोजित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके ने बसों को हरी झंडी दिखाकर श्रृद्धालुओं को विदा किया श्रृद्धालुओं का यह दल बसों के माध्यम से नैनपुर पहुंचा जहां से आगे की यात्रा रेल द्वारा की गई मंत्री श्रीमती उइके ने सभी तीर्थयात्रियों को पुष्पहार एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

बनाना था स्कूल बना दिया शौचालय! आखिर कब तक सरकारी धन की होली खेलेंगे शिक्षा विभाग के अधिकारी

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)

जिले में शिक्षा को लेकर तीन विभाग काफी सक्रिय हैं जिसमें सहायक आयुक्त कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और सर्व शिक्षा अभियान तीनों विभागों में पदस्थ अधिकारी और उनके अधिनस्थों की आय से अधिक सम्पत्ति की जांच क्यों नही होती है। वर्षो से पदस्थ अधिकारी तकनीकि अमला और उनके चेले चपाटी और ठेकेदार किस तरह सरकारी धन को ठिकाने लगा रहे हैं इसके लगातार मामले भी सामने आ रहे हैं इसके बाद भी ठोस कार्यवाही नही हो पा रही है ऐसा ही एक मामला आदिवासी बाहुल्य मवई क्षेत्र का सामने आया है। यहां के बैगा टोला स्थित ग्राम ओराघुघरा का शासकीय प्राथमिक विद्यालय का जर्जर भवन के निर्माण को छोड़ते हुए लाखों की लागत का शौचालय बना दिया गया। अब बच्चें किचिन शेड में बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं। सरकार एक ओर आदिवासी अंचलों में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने बैगा जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित स्कूल उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े दावे करती है लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है मवई विकासखंड की ग्राम पंचायत अमवार अंतर्गत बैगा बाहुल्य ग्राम ओराघुघरा का शासकीय प्राथमिक विद्यालय बदहाली लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता की ऐसी तस्वीर पेश कर रहा है जिसे देखकर कोई भी सवाल उठाए बिना नहीं रह सकता यहां मासूम बैगा बच्चे शिक्षा के अधिकार के साथ-साथ अपनी जान भी जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं विद्यालय का भवन पूरी तरह जर्जर होकर खंडहर में तब्दील हो चुका है दीवारों में चौड़ी-चौड़ी दरारें पड़ चुकी हैं छत कमजोर होकर किसी भी समय भरभराकर गिर सकती है और बरसात ने स्थिति को और भयावह बना दिया है ऐसे हालात में स्कूल भवन में बच्चों को बैठाना खतरे से खाली नहीं है स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि शिक्षक भी बच्चों को जर्जर भवन में बैठाने का जोखिम नहीं उठा रहे हैं। मजबूरी में विद्यालय की कक्षाएं मध्याह्न भोजन बनाने वाले रसोई कक्ष किचन शेड में संचालित की जा रही हैं। विडंबना यह है कि जिस रसोई कक्ष को अस्थायी व्यवस्था के तौर पर उपयोग किया जा रहा है वह भी अब जर्जर हो चुका है और उसकी हालत भी किसी खतरे से कम नहीं है ऐसे में बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा दोनों पर बड़ा संकट मंडरा रहा है। बारिश के मौसम में छत टपकना दीवारों का कमजोर होना और भवन के गिरने का खतरा लगातार बना हुआ है। हर दिन स्कूल पहुंचने वाले बच्चों के साथ शिक्षक भी अनिश्चितता और भय के माहौल में काम करने को मजबूर हैं ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय भवन की खस्ताहाल स्थिति को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों, शिक्षा विभाग और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया। संभावित दुर्घटना की आशंका भी बार-बार बताई गई लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिले। आज तक न तो नए भवन की स्वीकृति मिली और न ही बच्चों के लिए किसी सुरक्षित वैकल्पिक भवन की व्यवस्था की गई अधिकारी कागजों में योजनाएं चलाने और बैठकों में शिक्षा सुधार की बातें करने तक सीमित हैं लेकिन जमीनी स्तर पर बच्चों की सुरक्षा और भविष्य को लेकर कोई गंभीरता दिखाई नहीं देती पूरा मामला तब और गंभीर हो जाता है जब गांव में विकास कार्यों की प्राथमिकताओं पर नजर डाली जाती है ग्रामीणों के अनुसार जिस विद्यालय की छत बच्चों के सिर पर सुरक्षित नहीं है उसी परिसर में करीब 2 लाख 81 हजार रुपये की लागत से शौचालय का निर्माण करा दिया गया अब सवाल यह उठ रहा है कि जब स्कूल भवन खुद खंडहर बन चुका था और बच्चे रसोई कक्ष में पढ़ने को मजबूर थे तब सबसे पहले नए कक्ष या सुरक्षित भवन की व्यवस्था क्यों नहीं की गई क्या योजनाओं का उद्देश्य केवल निर्माण कार्यो का आंकड़ा बढ़ाना रह गया है या वास्तव में बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा भी प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है सामाजिक कार्यकर्ता लक्ष्मी कांत पाठक ने इस पूरे मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि यदि लगभग तीन लाख रुपये की राशि का उपयोग विद्यालय में एक अतिरिक्त कक्ष बनाने में किया जाता तो बैगा बच्चों को सुरक्षित वातावरण मिल सकता था उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का उद्देश्य लोगों की मूलभूत जरूरतों को पूरा करना होना चाहिए। जब बच्चे खतरनाक भवन छोड़कर रसोई में पढ़ने को मजबूर हों तब प्राथमिकता सुरक्षित स्कूल भवन होना चाहिए, न कि ऐसे निर्माण कार्य जो तत्काल आवश्यकता नहीं हैं इन दिनों लगातार हो रही बारिश ने स्थिति को और भयावह बना दिया है। जर्जर भवन की दीवारें और कमजोर हो रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि तेज बारिश या आंधी के दौरान भवन का कोई हिस्सा गिर गया, तो बड़ी जनहानि हो सकती है अभिभावकों का कहना है कि वे अपने बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं लेकिन हर दिन इस डर के साथ स्कूल भेजते हैं कि कहीं कोई दुर्घटना न हो जाए। उनका सवाल है कि यदि किसी मासूम की जान चली गई, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा क्या प्रशासन किसी बड़ी त्रासदी का इंतजार कर रहा है बैगा जनजाति देश की विशेष पिछड़ी जनजातियों में शामिल है। सरकार इनके शिक्षा स्तर को सुधारने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करती है, लेकिन ओराघुघरा की तस्वीर बताती है कि योजनाओं और जमीनी हकीकत के बीच कितना बड़ा अंतर है शिक्षा का अधिकार केवल किताबें और शिक्षक उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है बल्कि बच्चों को सुरक्षित वातावरण देना भी सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

अनुसूचित जनजाति आयोग सदस्य ने ली समीक्षा बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग सदस्य भगत सिंह नेताम ने कहा कि जनजातीय समाज के अधिकारों हक और विकास कार्यों को गति देने के लिए मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा आयोग का गठन किए जाने से जनजातीय समाज के सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। आयोग पेसा कानून वनाधिकार सहित जनजातीय हितों से जुड़े विषयों पर विशेष फोकस कर रहा है। वे इस दौरान जिला योजना भवन में आयोजित जनजातीय कल्याण योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान सहित जनजातीय हितों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग अरूण शुक्ला ने बताया कि जिले में पीएम जनमन योजना के तहत पीवीटीजी के 410 ग्राम चिन्हित हैं जहां बैगा जनजाति निवासरत है। इन ग्रामों में 48,412 बैगा हितग्राही एवं 13,443 परिवार निवास करते हैं। बैठक में सबसे पहले आहार अनुदान योजना की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत आवास निर्माण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 6,793 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत 78 मार्गों में से 80 किलोमीटर सड़क निर्माण पूरा हो चुका है। 6 मल्टीपरपज सेंटर स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से 5 पूर्ण हो चुके हैं तथा एक का निर्माण कार्य प्रगति पर है जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रधानमंत्री जनमन योजना में 68 बसाहटों को शामिल किया गया है जिनमें से 20 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। वहीं वनधन केंद्रों के संबंध में अधिकारियों ने बताया कि 20 नए केंद्रों का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है जिसकी स्वीकृति की प्रतीक्षा है धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जिले की 849 बसाहटों का चयन किया गया है। बैठक में आदि सेवा केंद्रों की स्थापना, आवास निर्माण, मल्टीपरपज सेंटर छात्रावासों के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति की भी जानकारी दी गई। श्री नेताम ने छात्रावासों में खाद्यान्न सामग्री, स्टाफ की उपलब्धता तथा अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सिविल सेवा की तैयारी करने वाले जनजातीय विद्यार्थियों के लिए संचालित छात्रवृत्ति एवं अन्य योजनाओं की जानकारी भी प्राप्त की वनाधिकार कानून की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि योजना प्रारंभ होने से अब तक जिले में 11,452 व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टों का वितरण किया जा चुका है जिसके माध्यम से 15,140 हेक्टेयर भूमि का अधिकार प्रदान किया गया है। वहीं 3,235 सामुदायिक वनाधिकार पट्टे वितरित किए गए हैं जिनके माध्यम से 76,400 हेक्टेयर से अधिक भूमि समुदायों को प्रदान की गई है।

सीएमओ राजेश ने संभाला पदभार

मण्डला/बिछिया (स्वतंत्रमत)। नगर परिषद बिछिया में नवपदस्थ मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश मार्को ने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने नगर परिषद कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा नगर में संचालित विकास कार्यों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की प्रारंभिक समीक्षा की। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष रजनी मरावी ने सीएमओ राजेश मार्को का स्वागत किया कार्यक्रम में नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी भाजपा मंडल के कार्यकर्ता एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। पदभार ग्रहण करने के उपरांत सीएमओ राजेश मार्को ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में स्वच्छता पेयजल सड़क स्ट्रीट लाइट एवं अन्य नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े सभी कार्य पारदर्शिता गुणवत्ता और समयबद्ध तरीके से कराए जाएंगे ताकि आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

दुष्कर्म के दोषी को कारावास

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में विशेष पॉक्सो न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास और 3500 के अर्थदंड से दंडित किया है। यह फैसला विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट न्यायालय द्वारा सुनाया गया। अभियोजन के अनुसार दोषी अविनाश मरावी 30 वर्ष पिता शिवकुमार मरावी निवासी चूना भट्टा के विरुद्ध महिला थाना में 17 दिसंबर 2024 को पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया था। महिला थाना में भारतीय न्याय संहिता बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। जांच के दौरान पीड़िता के बयान सहित अन्य साक्ष्य संकलित कर आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और तर्कों से संतुष्ट होकर विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट न्यायालय ने प्रकरण में अपना फैसला सुनाया। शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक सौरभ दुबे ने प्रभावी पैरवी की।

जिला शिक्षा समिति अध्यक्ष ने किया औचक निरीक्षण

मण्डला/मोहगांव

जिले के जनपद पंचायत मोहगांव उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति के अध्यक्ष शिवकुमार मिश्रा जनपद पंचायत सदस्य बोधसिंह मरकाम ने क्षेत्र के शासकीय हाई स्कूल खीसी, एकीकृत शाला चुभावल, प्राथमिक शाला बांझडीह एवं हाईस्कूल उमड़ीह का औचक निरीक्षण कर विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था मूलभूत सुविधाओं एवं भवनों की स्थिति का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर कमियां सामने आईं जिन पर जनप्रतिनिधियों ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। शासकीय हाईस्कूल खीसी में विद्यार्थियों ने जनप्रतिनिधियों को बताया कि विद्यालय में पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं है जिससे उन्हें प्रतिदिन कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। बरसात के मौसम में विद्यालय भवन की छत टपकने से कक्षाओं का संचालन प्रभावित हो रहा है। विद्यार्थियों ने यह भी बताया कि हिंदी विषय की नियमित कक्षाएं संचालित नहीं होने से उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में विद्यार्थियों की कम संख्या पर भी चिंता व्यक्त करते हुए विशेष नामांकन अभियान चलाकर छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए। एकीकृत शाला चुभावल की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक पाई गई। निरीक्षण में देखा गया कि कक्षा 4वीं, 5वीं, 6वीं, 7वीं एवं 8वीं की सभी कक्षाएं एक ही कमरे में संचालित की जा रही हैं जिससे विद्यार्थियों का अध्ययन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। विद्यालय भवन अत्यंत जर्जर एवं क्षतिग्रस्त अवस्था में है। बरसात के दौरान छत से पानी टपकने के कारण बच्चों को छाता लगाकर बैठने की मजबूरी है। इतना ही नहीं मिडिल स्कूल के भवन में ही हाई स्कूल के विद्यार्थियों की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं जिससे शैक्षणिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। प्राथमिक शाला बांझडीह के निरीक्षण में भी विद्यालय भवन की खराब स्थिति आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की कमी तथा शैक्षणिक व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता सामने आई। हाई स्कूल उमड़ीह के निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था की समीक्षा की गई। निरीक्षण में अंग्रेजी विषय के शिक्षक की आवश्यकता महसूस की गई।

जनअभियान परिषद की कार्यशाला आयोजित

मण्डला/नारायणगंज

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित स्वैच्छिकता पर्व के अंतर्गत जनपद पंचायत नारायणगंज के सभाकक्ष में नशा मुक्ति जनजागृति एवं स्वैच्छिकता पर्व विषय पर विकासखंड स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। मंच संचालन राकेश ने किया जबकि अतिथियों का तिलक वंदन कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील वर्मन के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में विकासखंड नारायणगंज के सौजन्य से किया गया। कार्यशाला में जनपद पंचायत अध्यक्ष आसाराम भारतीय एवं उपाध्यक्ष अभिषेक शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। नशे को व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए अभिशाप बताते हुए युवाओं से इससे दूर रहने का आह्वान किया। ग्रामीण क्षेत्रों में शराबबंदी लागू करने के लिए ग्राम सभाओं के माध्यम से प्रस्ताव पारित कर ग्राम पंचायत स्तर पर प्रयास करने तथा नशाखोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इस दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्ति एवं जनजागरण की शपथ भी दिलाई गई। कार्यशाला में 4 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित किए जा रहे स्वैच्छिकता पर्व के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर पंचायत इंस्पेक्टर श्री पटेल, आजीविका परियोजना प्रमुख श्रुति सागर, जन अभियान परिषद से जुड़े सेक्टर स्तरीय नवांकुर संस्थाओं ग्राम एवं नगर विकास प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि समाज कार्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं तथा परामर्शदाता वीरेंद्र अग्रवाल, सुमित हथाले, देवलता एवं सुरेश कुमार सोनी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नैनपुर में नशे से है दूरी 2.0 अभियान का भव्य समापन

रैली, नुक्कड़ नाटक और खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से दिया गया जागरूकता संदेश

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

पुलिस विभाग द्वारा संचालित नशे से है दूरी जागरूकता अभियान के तहत नैनपुर में वृहत आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी एवं पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी उपस्थित रहे।

आयोजन के शुभारंभ अवसर पर थाने प्रांगण से विशाल जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली बांसुरी वादन चौक से होते हुए उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में पुलिस स्टाफ, नगर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं तथा नुक्कड़ नाटक की टीम ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने बच्चों को संबोधित करते हुए नशे के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला और उन्हें नशे से दूर रहने तथा शिक्षा एवं खेलों की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिले की टीम के द्वारा नशा मुक्ति अभियान के अन्तर्गत नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी उपस्थित समुदाय को नशा मुक्त जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया।

इसके साथ ही उत्कृष्ट विद्यालय में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें नैनपुर विकासखंड के 427 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। एथलेटिक्स दौड़, खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल एवं पिट्ठू जैसे खेलों में प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर एस डी ओ पी मनीष राज और नगर निरीक्षक मंशाराम बघेन ने सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। पूरे आयोजन के दौरान पुलिस विभाग का अमला मैदान में उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करता रहा।

अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि नशा समाज के लिए एक गंभीर खतरा है, जो युवा पीढ़ी के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नशे से दूर रखकर उन्हें शिक्षा और खेलों से जोड़ें।

भ्रष्टाचार के लिए मृत्यु दंड एक नई बहस का जन्म

निखिल भट्ट

लेखक मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में वकालत करते हैं

इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने उत्तर प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई से जुड़े मामले में फैसला सुनाते हुए देश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर एक अत्यंत तीखी टिप्पणी की उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी से जुड़ा हालिया विवाद ईमानदारी के पतन की पराकाष्ठा को दर्शाता है उन्होंने आगे कहा कि यह घटना सब्र के घड़े के टूटने जैसा है । जो समाज राम मंदिर जैसी पवित्र जगह में चोरी से विचलित ना हो उसे भला कोई क्या शर्म दिला सकता है । भ्रष्टाचार पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार इस कदर सामान्य हो चुका है कि जब तक कोई पकड़ न जाए तब तक लोग उसे गलत नहीं मानते। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रैंकिंग में देश की स्थिति भी समाज को लज्जित नहीं करती यदि सरकार भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए प्रति गंभीर है तो भ्रष्टाचार के दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करने पर विचार करना चाहिए। देश में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन की इस टिप्पणी में एक नई बहस को जन्म दिया है इसमें कोई संदेह नहीं है कि वर्तमान में भ्रष्टाचार पूरे शासन, प्रशासन और समाज में व्याप्त हो चुका है ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा जहां भ्रष्टाचार ने प्रवेश न किया हो किसी भी सरकारी विभाग में तब तक काम नहीं होता जब तक संबंधित अधिकारियों की जेबें गर्म नहीं की जाती और यदि कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता है तो उसकी चप्पलें अपने काम के लिए चक्कर लगा लगा कर घिस जाती है इन परिस्थितियों में वह मजबूर होकर भ्रष्टाचार को अपनाता है और देखते ही देखते उसका काम मिनिटों में हो जाता है । अक्सर हम समाचार पत्रों में ये पढ़ते हैं कि अमुक अधिकारी के यहां करोड़ों की संपत्ति मिली या किसी नेता की काली कमाई का पता चला यहां तक कि महिला अधिकारी भी इस भ्रष्टाचार में आतंक डूब गई हैं जबकि ये माना जाता था कि महिलाएं भ्रष्टाचार से दूर रहती है लेकिन जब वे सिस्टम में आती है तो फिर उन्हें भी सिस्टम का हिस्सा बनना ही पड़ता है। छोटे से छोटे नेता से लेकर बड़े से बड़े नेता तक भ्रष्टाचार की गंगोत्री में डुबकी लगाते नजर आते हैं अक्सर ये देखा जाता है कि जो लोग रिश्वत लेते हुए पकड़े जाते हैं वे बाद में रिश्वत देखकर छूट भी जाते हैं भ्रष्टाचार ने हमारे समाज को इतना भ्रष्ट कर दिया है कि अब लोगों ने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार के रूप में अपना लिया है। किसी जमाने में यदि कोई व्यक्ति रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता था तो उसका सामाजिक बहिष्कार होता था लेकिन आज की तारीख में आए दिन इस तरह की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती है जब भ्रष्टाचार के आरोप में लोगों को रंगे हाथ पकड़ा जाता है लेकिन उनके प्रति समाज में किसी प्रकार की कोई असम्मान की भावना नहीं उपजती क्योंकि समाज में रह रहे लोगों को भी यह एक साधारण सी बात लगने लगी है।

भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सरकारी नारों में इस बात का उल्लेख होता है सरकार के मुखिया और बड़े-बड़े नेता ये कहते हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति है लेकिन उनकी नाक के नीचे ही जबरदस्त भ्रष्टाचार चलता रहता है । हाल ही में एक अधिकारी को जब रिश्वत लेते पकड़ा गया तो उसने खुले आम एक वीडियो बनाकर कहा कि मैं अकेला दोषी कहां हूं ये पैसा तो ऊपर तक जाता है उसका ये बयान सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुआ लेकिन लोगों ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की क्योंकि उन्होंने इसे नियति ही मान लिया है। न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने भ्रष्टाचार के मामले में मृत्यु दंड के प्रावधान करने पर विचार करने की बात कही है वर्तमान में भारत में मृत्युदंड केवल दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में ही दिया जाता है। यह सजा केवल उन जघन्य अपराधियों को मिलती है, जिन्होंने अत्यंत क्रूरता से हत्या, बच्चियों के साथ बलात्कार और हत्या, या राष्ट्र के विरुद्ध युद्ध जैसे हालात पैदा किए हों मृत्युदंड को भी लेकर तमाम नियम कायदे है मृत्युदंड की सजा जब सत्र न्यायालय द्वारा सुनाई जाती है, इसे लागू करने से पहले संबंधित उच्च न्यायालय की मंजूरी अनिवार्य होती है। दोषी व्यक्ति के पास सजा को चुनौती देने और सुप्रीम कोर्ट तक अपील करने का पूरा अधिकार भी होता है।सजा की पुष्टि हो जाने के बाद, अपराधी के पास राष्ट्रपति या राज्यपाल के समक्ष दया याचिका दायर करने का अंतिम विकल्प होता है।हाल के वर्षों में निचली अदालतों द्वारा मौत की सजाएं सुनाई गई हैं, लेकिन उच्च स्तर पर इनकी लंबी कानूनी समीक्षा और अपील प्रक्रिया चलती रहती है। वर्तमान भारत में मृत्यु दंड की प्रासंगिकता के अध्ययन में पहला विचार यह मानता है कि जिसने अपराध किया है उसे पीड़ा देना न्यायप्रिय है और यह पीड़ा अन्य व्यक्तियों को भी अपराध करने से रोकती है, यह सबसे कठोर आपराधिक दंड माना जाता है, जिसे सामान्यत: मृत्युदंड कहा जाता है, जिसमें अदालतें गंभीरतम अपराधों के दोषी व्यक्ति को कानूनी रूप से फाँसी की सजा सुनाती है भारत में मृत्युदंड का तात्पर्य किसी अपराध के लिए किसी व्यक्ति को फांसी देने की प्रथा से है और इसे सबसे क्रूर दंड माना जाता है, जब मृत्युदंड को सरकार एवं न्यायपालिका द्वारा सबसे क्रूर दंड माना जाता है तो क्या भ्रष्टाचार जैसे कृत्य के लिए इस सजा को देना उपयुक्त होगा ये भी एक सवाल है इसके अलावा ये कैसे निर्धारित होगा कि कितने और कैसे भ्रष्टाचार में ये सज़ा दी जा सकेगी? या हमारा समाज जो भ्रष्टाचार का इतना आदी हो चुका है ऐसी सजा के लिए कभी हामी भरेगा?

बहरहाल न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन की ये टिप्पणी समाज शासन प्रशासन की आँखे खोलने के लिए पर्याप्त है लेकिन क्या इसे अमल में लाया जा सकता है इसका उत्तर भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है।

शिव आराधना से मिलती है मानसिक शांति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा

सनातन धर्म में भगवान शिव को संहार और सृजन के देवता माना गया है। शिव की आराधना केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे आत्मिक शांति, मानसिक संतुलन और सकारात्मक जीवन का मार्ग भी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सच्चे मन से की गई शिव उपासना व्यक्ति के जीवन से नकारात्मकता को दूर कर सुख, समृद्धि और आत्मबल प्रदान करती है।

शिव आराधना का महत्व

भगवान शिव को भोलेनाथ और आशुतोष कहा जाता है, क्योंकि वे अपने भक्तों की सच्ची भक्ति से शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। मान्यता है कि शिवलिंग का जलाभिषेक करने और ऊँ नमः शिवाय मंत्र का नियमित जाप करने से मन शांत होता है और जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की शक्ति मिलती है।

कैसे करें शिव की पूजा?

धार्मिक परंपराओं के अनुसार प्रातः स्नान के बाद शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, भस्म और सफेद पुष्प अर्पित करना शुभ माना जाता है। पूजा के दौरान शिव चालीसा, महामृत्युंजय मंत्र या पंचाक्षरी मंत्र ऊँ नमः शिवाय का जाप विशेष फलदायी माना गया है।

सोमवार का विशेष महत्व

भगवान शिव की आराधना के लिए सोमवार का दिन अत्यंत शुभ माना जाता है। कई श्रद्धालु इस दिन व्रत रखते हैं और शिव मंदिर में जाकर जलाभिषेक करते हैं। सावन मास, महाशिवरात्रि और प्रदोष व्रत के दौरान शिव पूजा का महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

आध्यात्मिक और मानसिक लाभ

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शिव ध्यान और मंत्र जाप से मन में एकाग्रता बढ़ती है, तनाव कम होता है और सकारात्मक सोच विकसित होती है। नियमित पूजा व्यक्ति को संयम, धैर्य और आत्मविश्वास की ओर प्रेरित करती है।

आस्था के साथ कर्म भी आवश्यक

धार्मिक ग्रंथों में भक्ति के साथ सद्कर्म, सत्य, करुणा और सेवा को भी समान महत्व दिया गया है। इसलिए शिव आराधना के साथ अच्छे कर्म, अनुशासित जीवन और सकारात्मक सोच अपनाने से जीवन में वास्तविक सफलता और संतुलन प्राप्त किया जा सकता है।

एडवेंचर प्रेमियों के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है पश्चिम बंगाल

अगर आप भी एडवेंचर प्रेमी हैं और साथ में इतिहास में भी रुचि रखते हैं। वहीं प्रकृति की गोद में शांति भरे पल बिताना चाहते हैं। तो हर यात्री के लिए पश्चिम बंगाल में कुछ न कुछ खास जरूर है।

जब भी भारत की कला, साहित्य, सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता की बात की जाती है, तो पश्चिम बंगाल का नाम सबसे पहले आता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हिमालय की बर्फीली वादियों से लेकर समुद्र तटों तक सुनहरी रेत तक आपको सब देखने को मिलता है। पश्चिम बंगाल की संस्कृति, भोजन, इतिहास, त्योहार और प्राकृतिक सौंदर्य हर साल लाखों की संख्या में पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी एडवेंचर प्रेमी हैं और साथ में इतिहास में भी रुचि रखते हैं। वहीं प्रकृति की गोद में शांति भरे पल बिताना चाहते हैं। तो हर यात्री के लिए यहां कुछ न कुछ खास जरूर है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पश्चिम बंगाल की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप ट्रिप को प्लान कर सकते हैं।

दार्जिलिंग

दार्जिलिंग बादलों के बीच बसी एक स्वर्ग जैसी दुनिया का एहसास दिलाती है।

दार्जिलिंग को क्वीन ऑफ हिल्स भी कहा जाता है।

यहां पर टॉय ट्रेन, चाय बागान, कंचनजंगा के अद्भुत नजारों के साथ ठंडी हवाएं लोगों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं।

सूर्योदय के समय टाइगर हिल का दृश्य आपको जीवनभर याद रहेगा।

सुंदरबन

सुंदरवन दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन है।
इसके साथ ही सुंदरवन यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।
इसको प्रसिद्ध रॉयल बंगाल टाइगर का घर माना जाता है।
यहां पर मैंग्रोव जंगल, बोट सफारी और वन्यजीव अनुभव आपको रोमांच से भर देते हैं।

कालिम्पोंग

अगर आप पश्चिम बंगाल में सुकून और शांति चाहते हैं, तो आपको कालिम्पोंग जाना चाहिए।

यहां आप भीड़-भाड़ से दूर रहना चाहते हैं तो कालिम्पोंग आपके लिए बिलकुल परफेक्ट है।

यहां का खूबसूरत व्यू और सुकून भरा माहौल आपको रिलैक्स कर देंगे।

दीघा

यह बंगाल का लोकप्रिय समुद्री तट है।

दीघा समुद्र प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन डेस्टिनेशन है।

यहां पर शांत समुद्र, स्थानीय सी फूड और खूबसूरत सनसेट आने वाले पर्यटकों को खास अनुभव देते हैं।

दीघा वीकेंड ट्रिप के लिए पसंदीदा जगहों में से एक है।

कोलकाता

बता दें कि कोलकाता को भारत की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है।

यहां का हावड़ा ब्रिज, विक्टोरिया मेमोरियल, कॉलेज स्ट्रीट और दुर्गा पूजा का उत्सव पूरी दुनिया में लोकप्रिय है।

कोलकाता की गलियों में आधुनिकता और इतिहास का अनोखा संगम दिखता है।

हड्डियां ही नहीं, पूरा शरीर देता है विटामिन डी की कमी के संकेत

शरीर में विटामिन डी की कमी का पता कैसे लगाएं? अक्सर जब लोगों के मन में यह सवाल उठता है तो टेस्ट करवाने का ही ख्याल आता है। लेकिन जरूरी नहीं है कि हर बार आपको टेस्ट करवाने की जरूरत ही पड़े। आपका शरीर खुद इस बात के संकेत देने लगता है। दरअसल, यह इम्यूनिटी, मांसपेशियों की ताकत, मूड, दिमाग और यहां तक कि हार्मोनल संतुलन को भी प्रभावित करता है। ऐसे में शरीर में आने वाले बदलाव ही आपको सबसे पहले इशारा दे देंगे।

भारत में बड़ी संख्या में लोगों में विटामिन डी की कमी पाई जाती है। इसकी वजह लंबे समय तक घर के अंदर रहना, सनस्क्रीन का अधिक इस्तेमाल, प्रदूषण, गहरी त्वचा का रंग और भोजन में विटामिन डी की सीमित मात्रा होना हो सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ संकेतों के बारे में बता रहे हैं।

छोटी-सी चोट भी ठीक होने में ज्यादा समय लगना- अगर छोटी-सी खरोंच लगने पर या फिर सामान्य घाव को भरने में भी जरूरत से ज्यादा समय लग रहा है, तो यह विटामिन डी की कमी का संकेत हो सकता है। दरअसल, विटामिन डी शरीर में नई स्किन बनने और घाव भरने की प्रक्रिया में मदद करता है। इसकी कमी होने पर घाव धीरे-धीरे भरते हैं।

बार-बार मुंह में छाले होना- अगर बिना किसी वजह के बार-बार मुंह में छाले हो रहे हैं, तो यह भी विटामिन डी की कमी से भी जुड़ा हो सकता है। विटामिन डी हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ-साथ इम्यून सिस्टम को संतुलित रखने में मदद करता है। इसकी कमी होने पर मुंह की अंदरूनी परत में सूजन बढ़ सकती है, जिससे बार-बार छाले बनने होने की संभावना बढ़ जाती है।

सिर पर जरूरत से ज्यादा पसीना आना- अगर बिना ज्यादा गर्मी या मेहनत किए भी आपके सिर और माथे पर बार-बार पसीना आता है, तो यह विटामिन डी की कमी का एक संकेत हो सकता है। विटामिन डी की कमी शरीर के तापमान को नियंत्रित करने वाले तंत्र और तंत्रिका तंत्र के कामकाज को प्रभावित कर सकती है।

सीढ़ियां चढ़ते समय पैरों में भारीपन महसूस होना- अगर कम उम्र में ही थोड़ी सी चढ़ाई पर पैरों में भारीपन या कमजोरी महसूस होने लगे, तो यह विटामिन डी की कमी की वजह से भी हो सकता है। विटामिन डी मांसपेशियों की ताकत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी कमी से खासकर जांघों और पैरों की मसल्स कमजोर पड़ सकती हैं। जिसकी वजह से सीढ़ियां चढ़ना या कुर्सी से उठना पहले से ज्यादा मुश्किल लगने लगता है।

12वीं आर्ट्स के बाद क्या करें...

कई फील्ड में मौके

12वीं के बाद अब छात्र-छात्राओं को अपने कॅरियर को लेकर अहम फैसला लेना होगा। आर्ट्स को लेकर आम धारणा है कि इसे कम नंबर वाले या पढ़ाई में कमजोर छात्र चुनते हैं। लोग सोचते हैं, इसमें बेहद कम अवसर हैं और सफल होने की संभावनाएं बेहद कम हैं, लेकिन सच तो यह है कि इस फील्ड में भी बेशुमार अवसर हैं। जानिए आर्ट्स से 12वीं पास करने के बाद आप कहां-कहां जा सकते हैं।

- 12वीं के बाद आप होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर हास्पिटैलिटी क्षेत्र में नौकरी हासिल कर सकते हैं। इसके लिए एनसीएचएमसीटी प्रवेश परीक्षा दें।
- बैंकिंग, फाइनेंस, इंश्योरेंस की दुनिया में भी आपके लिए दरवाजे खुले हुए हैं। कई तरह के डिप्लोमा कोर्सेज आपके लिए उपलब्ध हैं।
- आर्ट्स से 12वीं करने वालों की संवाद क्षमता अच्छी हो जाती है। इसलिए वह कंटेंट राइटिंग, मास कम्युनिकेशन में आ सकते हैं। इसके लिए 12वीं पास करने के बाद मास कम्युनिकेशन में बैचलर डिग्री कोर्सेज उपलब्ध हैं। एडवरटाइजिंग में जा सकते हैं।
- फ्रेंच, रशियन, इंग्लिश जैसे फॉरेन लेंग्वेज में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।
- क्रिएटिव काम करना है तो ग्राफिक डिजाइनिंग, सोशोलॉजी में डिग्री हासिल कर सोशल वर्क से जुड़ी इंडस्ट्री में आ सकते हैं।
- फैशन डिजाइनिंग का कोर्स कर इस फील्ड में आ सकते हैं।
- इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी प्लस टू के बाद एक अच्छा विकल्प है।
- अगर आपकी रुचि एक्टिंग की फील्ड में आप एक्टर बनना चाहते हैं तो प्लस टू के बाद आप सीधे एक्टिंग कोर्स कर सकते हैं।
- अगर अपने देश के इतिहास में आपकी रुचि है और पर्यटन के क्षेत्र में आपका रुझान है तो आप टूरिस्ट मैनेजमेंट का कोर्स करके बतौर टूरिस्ट गाइड अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।
- अगर आपने 12वीं में साइकोलॉजी पढ़ा है और आपका इस विषय में रुझान है तो आप आगे भी साइकोलॉजिस्ट के कोर्स के लिए भी एप्लाई कर सकते हैं।
- इसके अलावा अगर आप एकेडमिक लाइन में ही जाना चाहते हैं तो देश की टॉप यूनिवर्सिटीज से बीए या बीए ऑनर्स का कोर्स करने के बाद आप बीएड कर सकते हैं।
- आप अगर गवर्नमेंट सेक्टर में जाना चाहते हैं तो एसएससी, डीएसएसएसबी, आरआरबी जैसी संस्थाएं कई तरह की प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करती हैं, जिन्हें क्रैक कर आप सीधे सरकारी नौकरी पा सकते हैं।
- 12वीं के बाद आप एलएलबी करके वकील बन सकते हैं।

युवाओं के बीच एनिमेशन और ग्राफिक डिजाइन एक लोकप्रिय पेशा है। इसलिए 12वीं में अच्छे अंक लाने वाले कई छात्र पारंपरिक पेशों की ओर बढ़ने के बजाए एनिमेशन और ग्राफिक डिजाइनिंग में कॅरियर को तरजीह दे रहे हैं। आज लगभग हर जगह कम्प्यूटर ग्राफिक्स का इस्तेमाल होता है। इंजीनियरिंग, फैशन डिजाइनिंग, सिनेमा में इनका खूब उपयोग होता है। इस डिजिटल दौर में कंपनियां या विभिन्न संस्थाएं प्रचार के कामों में या उत्पादों को बेहतर बनाने में ग्राफिक डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं।

एनिमेशन में डिजाइन करें कॅरियर

आज लगभग हर क्षेत्र में ग्राफिक डिजाइनिंग का इस्तेमाल हो रहा है। फिर उसका इस्तेमाल किसी प्रोडक्ट को बाजार में स्थापित करने के लिए हो या खालिस मनोरंजन के लिए, ग्राफिक आर्ट के पेशेवरों के लिए एक सफल कॅरियर की संभावनाएं बनी हुई हैं।

क्या है ग्राफिक डिजाइनिंग

यह चित्र, दृश्य के माध्यम से संवाद की एक कला है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें एक पेशेवर किसी संदेश को चित्र, छवियों, आकार और रंगों के जरिये प्रभावी व रोचक तरीके से व्यक्त करता है। यहां एक पेशेवर को सामान्य लोगो (प्रतीक चिन्ह) से लेकर जटिल वेब पेज की डिजाइनिंग जैसे काम तक करने होते हैं।

नौकरी के अवसर

यह क्षेत्र कॉन्सेप्ट आर्टिस्ट, स्टोरी बोर्डिंग, मल्टीमीडिया डिजाइनर, वेब डिजाइनर, प्रोडक्ट डिजाइनर, आर्ट डायरेक्टर, मार्केटिंग एक्सपर्ट जैसे पेशों में बंटा हुआ है। इन पेशों में प्रोडक्शन स्तर पर सबसे ज्यादा लोगों की जरूरत पड़ती है, इसलिए यहां नौकरियां भी ज्यादा होती हैं। आईटी कंपनियों में काम करने वाले डेवलपर्स या मार्केटिंग विशेषज्ञ ग्राफिक्स डिजाइनिंग का स्किल अर्जित कर कार्यक्षेत्र में अपनी उपयोगिता बढ़ा सकते हैं। पेशेवर अपने डिजाइन ऑनलाइन भी बेच सकते हैं या फ्रीलांसिंग से कमाई कर सकते हैं।

कैसे पाएं प्रशिक्षण

किसी पारंपरिक क्षेत्र में जहां एक युवा को कोर्स पूरा कर अपनी डिग्री के आधार पर नौकरी मिलती है, वहीं ग्राफिक्स, एनिमेशन एक ऐसा क्षेत्र है, जहां सर्टिफिकेट से ज्यादा उम्मीदवार के हासिल किए हुए हुनर पर बात होती है। यही वजह है कि कोर्स के दौरान ही कुशल युवाओं को नौकरी के मौके मिल रहे हैं। कोर्स में प्रवेश के लिए कम से कम 12वीं पास होना जरूरी है।

ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के स्तर पर कई डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा स्तर के कोर्स कराए जाते हैं, जिनमें से प्रमुख कोर्स हैं।

- बैचलर इन फाइन आर्ट्स, बीटेक इन कम्प्यूटर साइंस
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ग्राफिक डिजाइन बैचलर
- ऑफ डिजाइन इन ग्राफिक डिजाइन बैचलर ऑफ
- आर्ट्स इन ग्राफिक डिजाइन
- मास्टर ऑफ आर्ट्स इन ग्राफिक डिजाइन
- मास्टर ऑफ डिजाइन इन ग्राफिक डिजाइन

कैसी है कमाई

इस क्षेत्र में शुरुआत में ढाई लाख रुपयों तक का सालाना वेतन पा सकते हैं। कुछ वक्त बाद ग्राफिक डिजाइन में अनुभव के अनुसार सैलरी बढ़ती जाती है। बड़े स्तर पर भी पहचान बनाने के मौके मिलते हैं।

चुनौतियां

क्लाइंट की जरूरत के अनुसार डिजाइन तैयार करना आसान नहीं होता। समयसीमा या उससे पहले प्रोजेक्ट की प्रस्तुति मायने रखती है। ग्राफिक डिजाइनिंग में जितनी जल्दी कोई नया चलन पैदा होता है, उतनी ही जल्दी चला भी जाता है।

कुछ प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, नई दिल्ली
- एनआईएफटी, दिल्ली
- सिंबायोसिस इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- एमएएसी, दिल्ली

स्टार्टअप से सीएस के लिए हैं

बेशुमार अवसर

कंपनी सचिवों पर परिणाम देने का लगातार दबाव रहता है। यह एक बहुत ही जिम्मेदारी भरा पद है। वैसे तो मैनेजमेंट और लीगल सर्विसेज के बारे में सीएस कोर्स के दौरान छात्रों को पढ़ाया जाता है, पर कंपनियां ऐसे छात्रों को वरीयता देती हैं, जिन्होंने अलग से लॉ या एमबीए की डिग्री ली हो। ऐसे में अगर आप बेहतर पैकेज की आस रखते हैं, तो लॉ या एमबीए की डिग्री भी आपको लेनी जरूरी है।

कहां मिलेंगे अवसर

इस कोर्स को विदेशी कंपनियां भी मान्यता प्रदान करती हैं, इसीलिए मल्टीनेशनल कंपनियों में भी इसका फायदा मिलेगा। बैंकिंग, फाइनेंस, स्टॉक, कंसल्टेंसी फर्मों और कैपिटल मार्केट में कंपनी सेक्रेटरी की मांग ज्यादा है। आईसीएसआई से 'सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस' प्राप्त करने के बाद इंस्टिट्यूट के सदस्य स्वतंत्र प्रैक्टिस भी कर सकते हैं, साथ ही कॉर्पोरेट्स को सेवाएं भी दे सकते हैं। सरकारी वित्तीय संस्थान, स्टॉक एक्सचेंज, सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो, राष्ट्रीयकृत बैंकों में कानून सेवाएं, कंपनी मामलों का विभाग- भारत में सीएस के कुछ महत्पूर्ण क्षेत्र हैं। कंपनी कानून बोर्डों, विभिन्न सरकारी विभागों में भी कंपनी सचिव की आवश्यकता होती है। शैक्षणिक संस्थानों में विजिटिंग फैकल्टी बन सकते हैं और फाइनेंशियल मार्केट सर्विस तथा मैनेजमेंट सर्विस जैसे कई क्षेत्रों में अवसर पा सकते हैं। खुद की कंपनी बना सकते हैं।

सैलरी

किसी कंपनी में सीएस का वेतन शुरुआत में ही 1 लाख रुपए प्रतिमाह से ज्यादा होता है। योग्यता और अनुभव के आधार पर 5 से 12 लाख प्रतिमाह तक मिल जाते हैं।

प्रमुख संस्थान

- द इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई), नई दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई

कुछ संस्थान सीएस के कोर्स के साथ कुछ विषयों में छूट आदि भी देते हैं, जैसे-

- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
- जवाहरलाल नेहरू टेक्निकल यूनिवर्सिटी, हैदराबाद

तेहरान से यमन पहुंची रहस्यमय उड़ान पर मचा हड़कंप

हथियारों की मौजूदगी के दावों से बढ़ा तनाव

तेहरान

तेहरान से यमन पहुंची एक रहस्यमय उड़ान अब अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय तनाव का केंद्र बन गई है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 13 जुलाई को ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के जनाजे से लौट रहे इस विमान में आम यात्रियों के अलावा ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉप्स (आईआरजीसी) के कमांडर, सैन्य सलाहकार और मिसाइल व ड्रोन से जुड़े उपकरण भी मौजूद थे। बताया गया कि यह विमान पहले यमन की राजधानी सना में उतरने वाला था, लेकिन लैंडिंग से कुछ समय पहले सऊदी समर्थित यमनी सरकार की ओर से हवाई अड्डे पर हमले के बाद इसे हूती नियंत्रण वाले होदेदाह शहर की ओर मोड़ना पड़ा।

दावों के अनुसार, विमान में लगभग 10 से 21 आईआरजीसी अधिकारी मौजूद थे, जिनमें कुछ वरिष्ठ कमांडर भी शामिल थे। कहा गया कि उनका उद्देश्य हूती लड़ाकों को नए मिसाइल सिस्टम की ट्रेनिंग देना और उनकी सैन्य क्षमता को मजबूत करना था। यह भी दावा किया गया कि हूतियों के लिए आर्थिक सहायता के तौर पर सोना भेजा गया था। इस उड़ान के यमन पहुंचने के कुछ दिनों बाद क्षेत्रीय घटनाक्रम तेजी से बदला। ईरान की ओर से कथित संदेश के बाद हूतियों ने लाल सागर में तेल मार्गों को निशाना बनाने की चेतावनी दी। इसके बाद हूतियों ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का ऐलान किया और दो सऊदी तेल टैंकरों पर हमले का दावा किया। इससे लाल सागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लाल सागर दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक समुद्री मार्गों में से एक है। स्वेज नहर के जरिए यह एशिया और यूरोप को जोड़ता है। यहां किसी भी बड़े संघर्ष का असर तेल आपूर्ति, जहाजों की आवाजाही और वैश्विक व्यापार पर पड़ सकता है।

यमनी सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी दावा किया कि ईरान ने आईआरजीसी अधिकारियों और सैन्य सामग्री को यमन भेजा था, जिसका उद्देश्य हूतियों की ताकत बढ़ाना और बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए खतरा पैदा करना था। हालांकि हूती मीडिया अधिकारी अब्देल रहमान अल-अहनोमी, जिन्होंने खुद को उस विमान का यात्री बताया, ने इन आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि विमान में सभी लोग आम नागरिक थे। ईरान भी इन आरोपों से इनकार करता रहा है और उसका कहना है कि वह हूतियों को मिसाइल या सैन्य क्षमता उपलब्ध नहीं कराता। ईरान के अनुसार, यह उड़ान हूती प्रतिनिधिमंडल और इलाज के बाद लौट रहे यमनी नागरिकों को वापस लाने के लिए थी। मामले को लेकर क्षेत्रीय शक्तियों के बीच तनाव बना हुआ है।

16 साल की लंबी खोज के बाद दुनिया को मिला नारंगी होठों वाला नया बंदर लिक्वेली

लंदन

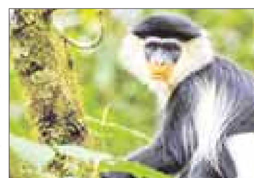

अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के घने जंगलों में वैज्ञानिकों ने नारंगी होंठों वाले एक बिल्कुल नए बंदर की प्रजाति की पहचान की है। इस स्थानीय रूप से लिक्वेली नाम दिया गया है, जिसका वैज्ञानिक नाम अंगोलन कोलोबस है। एक नई स्टडी में इसकी जानकारी दी गई है। यह खोज इसलिए भी खास है क्योंकि पिछले 75 सालों में अफ्रीका में मिली यह सिर्फ पांचवी नई बंदर प्रजाति है, जो वन्यजीव अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वैज्ञानिकों ने 16 सालों तक इसकी बनावट, आवाज, रहने के तरीके और डीएनए की गहन जांच की, जिसके बाद पता चला कि यह पहले से ज्ञात किसी भी प्रजाति से अलग है। इस बंदर की पहली अस्पष्ट तस्वीर 2008 में ली गई थी, लेकिन अगले करीब 10 साल तक फिर नहीं देखा जा सका। लोमामी नेशनल पार्क में रिसर्च शुरू होने पर यह बंदर फिर दिखाई दिया, जिसके बाद इसकी पहचान के लिए सालों तक लगातार अध्ययन किया गया। रिसर्च टीम ने आसपास के 52 गांवों का दौरा किया, जिनमें से सिर्फ 8 गांवों के लोगों ने ही पहचानने की बात कही, जो बताता है कि यह एक बहुत छोटे और विशिष्ट इलाके में ही रहता है। लिक्वेली, कोलोबस परिवार का सदस्य होने के बावजूद अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। इसके होंठों के आसपास नारंगी और हल्के क्रीम रंग का हिस्सा होता है, जबकि इसके शरीर के पिछले हिस्से पर सफेद रंग का एक पैच भी पाया जाता है। इसके बाल और इसकी आवाज भी दूसरे कोलोबस बंदरों से भिन्न हैं। डीएनए जांच से पता चला कि इसका सबसे करीबी रिश्ता ब्लैक कोलोबस से है, लेकिन ये दोनों प्रजातियां लगभग 50 लाख साल पहले ही एक-दूसरे से अलग हो गई थीं। यही कारण है कि वैज्ञानिकों ने इसे एक नई और स्वतंत्र प्रजाति के रूप में मान्यता दी है।वैज्ञानिकों का कहना है कि यह बंदर केवल लगभग 1700 वर्ग किलोमीटर के छोटे से इलाके में ही पाया जाता है, जिससे इसके विलुप्त होने का खतरा बढ़ जाता है। रिसर्च के दौरान अवैध शिकार के सबूत भी मिले, और जंगलों की कटाई तथा बढ़ती खेती के कारण इनके आवास सिकुड़ते जा रहे हैं। शोधकर्ताओ ने अंगोलन कोलोबस को लुप्तप्राय प्रजातियों की सूची में शामिल करने की सिफारिश की है। उनकी चेतावनी है कि अगर समय रहते इसके प्राकृतिक आवास को नहीं बचाया गया, तो यह नई प्रजाति भी खतरे में पड़ सकती है।

हरियाणा में फिर सक्रिय हुआ मानसून 28 जुलाई से भारी बारिश के आसार

चंडीगढ़, (वार्ता)

हरियाणा में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार शनिवार को अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं, जबकि यमुनानगर में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। सुबह पानीपत, रोहतक और झज्जर में बारिश हुई, वहीं दोपहर बाद हिसार में तेज बारिश दर्ज की गयी।

मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पूर्व राजस्थान पर बने लो-प्रेशर एरिया और मानसूनी ट्रफ के कारण प्रदेश में नमी बढ़ी है। इसके प्रभाव से 28 जुलाई से बारिश का सबसे प्रभावी दौर शुरू होने के आसार हैं। अट्ठाइस से 30 जुलाई के बीच कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

रात के तापमान में भी मामूली गिरावट दर्ज हुई, लेकिन बादलों और नमी के कारण उमस बनी रही। कृषि मौसम केंद्र ने किसानों को कपास के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने, धान की गहरी रोपाई से बचने और अगले तीन दिनों तक सब्जियों और बागवानी फसलों में सिंचाई टालने की सलाह दी है। साथ ही अधिक नमी के कारण चूसक कीटों की निगरानी रखने और पशुओं को हवादार स्थान पर रखने की भी अपील की गयी है।

प्रदेश में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहा। अंबाला में सबसे अधिक 35.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि बारिश वाले क्षेत्रों में दिन का तापमान अपेक्षाकृत कम रहा। रात के तापमान में भी मामूली गिरावट दर्ज हुई, लेकिन बादलों और नमी के कारण उमस बनी रही।

असम पुलिस ने पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी के नेटवर्क का किया भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस ने पूर्वोत्तर राज्य में पाकिस्तान स्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और इसके तीन संदिग्ध गुर्गों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि स्पेशल टास्क फोर्स ने शुक्रवार को धुबरी, चिरांग और बारपेटा की जिला पुलिस की मदद से एक समन्वित अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान, एसटीएफ ने धुबरी, चिरांग और बारपेटा जिलों से एक-एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। अधिकारी के अनुसार, इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पांच मोबाइल फोन, सात सिम कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, डेबिट कार्ड और कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए हैं। अधिकारी ने अंत में कहा कि इस पूरे मामले की आगे की जांच अभी जारी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य सुराग तलाशे जा रहे हैं।

कारगिल विजय दिवस : शहीदों के परिजनों को सौंपी गयी युद्धक्षेत्रों की मिट्टी

द्रास, (वार्ता)

ऑपरेशन विजय के दौरान पाकिस्तानी घुसपैठियों को हराकर कारगिल की चोटियों पर तिरंगा फहराने और भारत की ऐतिहासिक जीत को 27 वर्ष पूरे हो चुके हैं।

इस मौके पर भारतीय सेना ने शहीदों के परिजनों को उस भूमि की मिट्टी भेंट की, जहां उनके प्रियजनों ने अपनी अंतिम लड़ाई लड़ी थी।द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पर आयोजित समारोह में, द्रास, कारगिल और बटालिक सेक्टरों के युद्ध क्षेत्रों से एकत्र की गयी मिट्टी से भरे 40 कलश कारगिल शहीदों के परिवारों को सौंपे गये। यह पहल उस अविस्मरणीय क्षण को संजोकर रखने के साथ-साथ उन पहाड़ों से जुड़ाव भी है, जहां भारत के वीर सपूतों ने देश की रक्षा में अपना खून बहाया था।

कई परिजनों ने कलश को अपने सीने से लगा लिया। जैसे ही उन्हें यह अहसास हुआ कि वे उस जमीन की मिट्टी घर ले जा रहे हैं, जहां उनके पिताओं, पतियों और बेटों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था, उनकी आंखें भर आयीं। इससे पहले नयी दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हरी झंडी दिखाकर रवाना किये गये 30 सदस्यीय बाइक दल ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की पवित्र मिट्टी से भरा कलश द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पहुंचाया।

दोनों स्मारकों की मिट्टी का यह औपचारिक संगम देश के अपने वीर शहीदों के साथ अटूट संबंध का प्रतीक बना है। बाइक दल को रवाना करते समय रक्षा मंत्री ने कहा था, जब यहां की मिट्टी कारगिल की मिट्टी से मिलेगी, तो यह देश की वर्तमान पीढ़ी की श्रद्धा और देश के नायकों के शौर्य के संगम का प्रतीक बनेगी।卐

.मई से जुलाई 1999 के बीच कारगिल युद्ध नियंत्रण रेखा पर सैन्य इतिहास की कुछ सबसे भीषण उच्च-ऊंचाई वाली लड़ाइयों का गवाह है। यह संघर्ष द्रास, कारगिल, बटालिक, मश्कोह घाटी और काकसर सेक्टरों तक फैला हुआ था, जहां भारतीय सैनिकों ने टाइगर हिल, तोलोलिंग, पॉइंट 5140, पॉइंट 4875, पॉइंट 5203, पॉइंट 4812, खलुबार रिज और जुबर टॉप जैसी रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा करने के लिए लड़ाई लड़ी। 15,000 से 18,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित ये रणनीतिक ठिकाने महत्वपूर्ण श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर नजर रखते थे और इन पर पाकिस्तानी सेना तथा घुसपैठियों ने कब्जा कर लिया था, जिसके बाद भारत को ऑपरेशन विजय शुरू करना पड़ा था।

6.7 करोड़ साल पुराना डायनासोर का कंकाल 430 करोड़ में नीलाम

वाशिंगटन। डायनासोर भले ही करोड़ों साल पहले धरती से विलुप्त हो गए हों, लेकिन आज भी उनके जीवाश्म दुनिया के सबसे कीमती वैज्ञानिक खजानों में गिने जाते हैं। अमेरिका में करीब 6.7 करोड़ साल पुराने एक डायनासोर के कंकाल की नीलामी रिकॉर्ड 5.01 करोड़ डॉलर यानी करीब 430 करोड़ रुपए में हुई। इसके साथ ही यह दुनिया का अब तक का सबसे महंगा जीवाश्म बन गया, लेकिन सवाल यह है कि इसमें ऐसी क्या खास बात है कि किसी खरीदार ने इसके लिए सैकड़ों करोड़ रुपए खर्च कर दिए? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नीलाम हुआ यह कंकाल खतरनाक डायनासोर टायरैनोसॉरस रेक्स यानी टी-रेक्स का है। टी-रेक्स करीब 6.7 करोड़ साल पहले पृथ्वी पर मौजूद था। इसे डायनासोरों का सबसे ताकतवर शिकारी माना जाता है। इसकी लंबाई करीब 38 फीट और ऊंचाई 12.5 फीट तक होती थी। इसके जबड़े में बड़े और बेहद मजबूत दांत होते थे, जिनकी मदद से यह अपने शिकार की हड्डियां तक तोड़ सकता था। अब सवाल यह है कि क्या इस कंकाल से धरती पर जीवन के रहस्य को सुलझाने में वैज्ञानिकों को बड़ी कामयाबी मिलेगी? रिपोर्ट के मुताबिक इस कंकाल का नाम गस रखा गया है। इसे अमेरिका के साउथ डकोटा राज्य के हार्डिंग काउंटी में खोजा गया था। यह इलाका हेल क्रीक फॉर्मेशन का हिस्सा है, जिसे दुनिया में डायनासोर के जीवाश्म मिलने वाली सबसे महत्वपूर्ण जगहों में गिना जाता है. इसी क्षेत्र में 1902 में टी-रेक्स के शुरुआती जीवाश्म मिले थे, जिनके आधार पर इस प्रजाति की पहचान हुई थी. सवाल यही है कि आखिर एक कंकाल की कीमत 430 करोड़ रुपए कैसे हो सकती है? दरअसल, गस दुनिया में मिले सबसे संपूर्ण टी-रेक्स जीवाश्मों में से एक है। इसमें कुल 183 हड्डियां हैं। हड्डियों की संख्या के हिसाब से यह करीब 61 फीसदी और कुल द्रव्यमान के हिसाब से 75 से 80 फीसदी तक सुरक्षित है। इसका सिर भी करीब 82 फीसदी मूल हड्डियों के साथ संरक्षित है। सबसे खास बात यह है कि इसमें विशबोन, पूरा पेल्विस और दोनों पैर सुरक्षित मिले हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक दुनिया में बहुत कम टी-रेक्स जीवाश्मों में दोनों पैर इतनी अच्छी स्थिति में मिले हैं। इसके शरीर पर काटने के निशान मिले हैं। कई हड्डियों में पुराने फ्रैक्चर के सबूत भी मिले हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह टी-रेक्स अपने जीवन में किसी बड़े संघर्ष या लड़ाई का शिकार हुआ था, लेकिन वह उससे बच निकला था। ऐसी जानकारी वैज्ञानिकों को करोड़ों साल पहले के जीवों के व्यवहार और जीवनशैली को समझने में मदद करती है।

इतनी बड़ी कीमत मिलने के बावजूद वैज्ञानिकों का एक वर्ग इस नीलामी से खुश नहीं है। जीवाश्म वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर ऐसे दुर्लभ जीवाश्म किसी निजी कलेक्टर के पास चले जाते हैं, तो उन पर भविष्य में वैज्ञानिक शोध करना मुश्किल हो जाता है। टी-रेक्स को धरती पर रहने वाले सबसे खतरनाक मांसाहारी जीवों में गिना जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह करीब 6.6 से 6.8 करोड़ साल पहले उत्तरी अमेरिका में रहता था और करीब 6.6 करोड़ साल पहले एक विशाल क्षुद्रग्रह के पृथ्वी से टकराने के बाद डायनासोरों के साथ विलुप्त हो गया। आज भी टी-रेक्स के जीवाश्म विज्ञान, इतिहास और संग्रहकर्ताओं तीनों के लिए बेहद मूल्यवान हैं। यही वजह है कि करोड़ों साल पुराना इस कंकाल ने सिर्फ नीलामी में नया रिकॉर्ड बनाया, बल्कि एक बार फिर दुनिया का ध्यान डायनासोरों की रहस्यमयी दुनिया की ओर खींचा है।

पेपर लीक वाले नकल माफिया मिट्टी में मिला दिए जाएंगे : योगी

फतेहपुर, (वार्ता)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पेपर लीक वाला नकल माफिया इन्हीं दलों की विरासत है, जिसे मिट्टी में मिला दिया जाएगा।

उन्होने कहा, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के लिए केवल दो ही जगह हैं- जेल या जहन्नुम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नकल माफिया के खिलाफ ऐसा सख्त कानून ला रही है, जिसके तहत दोषियों को कम से कम 10 वर्ष की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान होगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को फतेहपुर सदर और अयाह-शाह विधानसभा क्षेत्रों के लिए 489 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री के पहुंचते ही जय श्रीराम, मोदी-योगी जिंदाबाद के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया, विभिन्न स्टॉल्स पर लोगों से बातचीत की तथा बच्चों को गोद में लेकर दुलार किया, उन्हें तिलक लगाया और खिलौने भेंट किए।

उन्होने कहा , जिन्होंने युवाओं का शोषण किया, छात्रों के सामने अंधकारमय जीवन खड़ा किया, पूरी की पूरी पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, वही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस आज घड़ियाली आंसू बहाने का काम कर रही हैं। हम प्रधानमंत्री के आभारी हैं, जिन्होंने छात्रों के भविष्य को देखते हुए पिछले तीन दिनों में बड़े-बड़े निर्णय लिए हैं। ये नकल माफिया मिट्टी में मिलेंगे, कोई रोक नहीं सकता इन माफिया को मिट्टी में मिलने से। ये नकल माफिया कांग्रेस व सपा की विरासत हैं। इन्होंने ही माफिया को पाला-पोसा और संरक्षण दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा , नीट परीक्षा समय सीमा के भीतर कराई गई, ताकि छात्रों का पूरा वर्ष खराब न हो, और निर्धारित समय सीमा में उसका परिणाम भी घोषित कर दिया गया। कुछ माफिया ने प्रश्नपत्र लीक कराया था, उनकी गिरफ्तारी हुई और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के तमाम अधिकारियों को बर्खास्त किया गया। कुछ लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनकी संपत्तियां जब्त होंगी और उन्हें सजा मिलेगी। ये छात्रों के उवल भविष्य को ध्यान में रखकर पीएम मोदी द्वारा उठाए गए कड़े कदम हैं। मैं उनका हृदय से स्वागत करता हूं, अभिनंदन करता हूं और आभार व्यक्त करता हूं।

उन्होने कहा कि पीएम मोदी ने छात्रों व युवाओं के लिए पिछले 12 वर्षों में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री स्टार्टअप योजना और प्रधानमंत्री स्टैंडअप योजना के माध्यम से भारत के नौजवानों में आशा की नई किरण जगाई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति देकर नौजवानों को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने का अवसर दिया। आज भारत के नौजवानों को दुनिया में सम्मान मिलता है। श्री मोदी ने युवाओं को एक वर्ष में 12 लाख सरकारी नौकरियां दीं और गत 12 वर्षों में करोड़ों युवाओं को रोजगार के अवसर देकर उनके जीवन को उवल भविष्य की ओर अग्रसर किया है। आज जब युवाओं के मन में कुछ कसक थी, तब पीएम स्वयं सामने आए, युवाओं के साथ संवाद किया और संसद में सख्त कानून लाने के लिए कैबिनेट से नए अधिनियम के मसौदे को पारित कराया, यह अभिनंदनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं यूपी के नौजवानों से कहना चाहता हूं कि जिसने छात्रों व युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया, उस माफिया के लिए दो ही जगह होंगी- जेल या जहन्नुम। माफिया के बाप-दादा की कमाई गई संपत्ति भी जब्त कर ली जाएगी। हमने माफियाओं पर सख्ती से लगाम कसी है। ऐसा न किया होता तो हम 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी नहीं दे पाते। पहले राय में बड़ा निवेश नहीं आता था, क्योंकि हर जगह कोई न कोई गुंडा या माफिया हावी था। सपा शासन में एक ही नारा गूंजता था- देख सपाई, बिटिया घबराई।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

न्यूयॉर्क में हाउसफुल शो के बाद डलास रवाना हुए नवाजुद्दीन सिद्दीकी

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के नाटक नकाब को अमेरिका दौरे के दौरान दर्शकों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। न्यूयॉर्क में एक और हाउसफुल शो के बाद नवाजुद्दीन अपनी बेटी शोरा सिद्दीकी के साथ दौरे के अगले पड़ाव डलास के लिए रवाना हो गये हैं। न्यूयॉर्क में सफल प्रस्तुति के बाद नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने सोशल मीडिया के माध्यम से दर्शकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मंच से अपनी बेटी शोरा सिद्दीकी और नाटक की टीम के साथ खचाखच भरे सभागार की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, अमेरिका में हर जगह हाउस पैक्ड। आप सभी का धन्यवाद।नाटक नकाब को अमेरिका के विभिन्न शहरों में दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। न्यूयॉर्क में आयोजित शो में बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे और प्रस्तुति की सराहना की। इस दौरे की विशेषता नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनकी बेटी शोरा सिद्दीकी का एक साथ मंच पर नजर आना भी है। पिता-पुत्री की इस जोड़ी को उनकी प्रस्तुति और आपसी तालमेल के लिए दर्शकों की प्रशंसा मिल रही है।दौरे के दौरान विभिन्न स्थानों पर मिले उत्साहजनक स्वागत और स्टैंडिंग ओवेशन ने नाटक की लोकप्रियता को और मजबूत किया है। दर्शकों के प्रेम और समर्थन के लिए नवाजुद्दीन ने आभार व्यक्त किया है।न्यूयॉर्क में सफल प्रस्तुति के बाद अब नकाब का अगला शो डलास में आयोजित किया जाएगा, जहां नवाजुद्दीन सिद्दीकी और शोरा सिद्दीकी दर्शकों के सामने अपनी प्रस्तुति देने के लिए तैयार हैं।

मैं मां बनना चाहती हूं : आम्रपाली दुबे

भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने आगामी रियलिटी शो भोजपुरी बवाल में अपनी जिंदगी के एक बड़े फैसले का खुलासा करते हुए कहा है कि वह मां बनना चाहती हैं।जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होने वाले शो भोजपुरी बवाल का एक नया प्रोमो जारी किया गया है, जिसमें आम्रपाली दुबे अपने परिवार के सामने भावुक अंदाज में अपनी इच्छा व्यक्त करती नजर आती हैं। मंदिर में आशीर्वाद लेने के बाद अम्रपाली कहती हैं कि वह अपनी जिंदगी का शायद सबसे बड़ा फैसला लेने जा रही हैं और उन्हें नहीं पता कि उनके परिवार तथा प्रशंसकों की क्या प्रतिक्रिया होगी, लेकिन वह मां बनना चाहती हैं। आम्रपाली की इस बात से उनका परिवार हैरान रह जाता है। प्रोमो में उनके पिता अविश्वास जताते हुए उनसे सवाल करते नजर आते हैं, जबकि उनकी बहन उनसे पूछती हैं कि क्या वह अपने फैसले को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। इसके जवाब में अम्रपाली पूरे आत्मविश्वास के साथ कहती हैं कि वह अपने निर्णय को लेकर पूरी तरह निश्चित हैं। शो के प्रोमो में भावनात्मक क्षणों, अप्रत्याशित खुलासों और रिश्तों की परीक्षा की झलक दिखाई गई है। निर्माताओं के अनुसार, भोजपुरी बवाल दर्शकों को कई भावुक और नाटकीय पल देखने का अवसर देगा।

रावण केवल खलनायक नहीं, बेहद जटिल किरदार है : यश

रॉकिंग स्टार यश ने कहा है कि आगामी फिल्म रामायण में रावण का किरदार केवल एक साधारण खलनायक नहीं, बल्कि ज्ञान, शक्ति और अहंकार के विरोधाभासों से भरा एक बेहद जटिल चरित्र है।फिल्म रामायण को लेकर बढ़ रहे उत्साह के बीच अभिनेता यश कॉमिक-कॉन कार्यक्रम में अपनी टीम के साथ शामिल हुए। फिल्म में रावण की भूमिका निभाने के साथ-साथ अपने बैनर मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस के तहत इसके निर्माण से भी जुड़े यश ने मीडिया से बातचीत में इस किरदार और महाकाव्य की प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किए।

यश ने कहा कि रामायण अच्छाई और बुराई, सही और गलत के बीच के संघर्ष की कहानी है। उन्होंने कहा कि भगवान राम और रावण दो अलग-अलग रास्तों और जीवन यात्राओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके अनुसार, भगवान राम ने विपरीत परिस्थितियों में सब कुछ खोने के बाद अपने आदर्शों और कर्मों के बल पर सम्मान और शक्ति वापस हासिल की, जबकि रावण ने साधारण शुरुआत से असाधारण शक्ति प्राप्त की, लेकिन अंतत: अहंकार और प्रतिशोध के कारण उसका पतन हुआ। रावण के चरित्र पर चर्चा करते हुए यश ने कहा कि वह अनेक विद्याओं और कलाओं का ज्ञाता था, लेकिन अपार ज्ञान और सामर्थ्य के बावजूद अपनी शक्ति पर नियंत्रण नहीं रख पाया। उन्होंने कहा कि यही विरोधाभास रावण को पौराणिक कथाओं के सबसे दिलचस्प पात्रों में से एक बनाता है। यश ने बताया कि रामायण से उनका जुड़ाव बचपन से रहा है। उन्होंने कहा कि उनके दादाजी उन्हें रामायण की कहानियां सुनाया करते थे, जिससे उनके मन में इस महागाथा की एक अलग दुनिया बनी।रोल की तैयारी के बारे में यश ने कहा कि उनका उद्देश्य रावण को नए तरीके से गढ़ना नहीं, बल्कि उसके विचारों और कार्यों के पीछे की मंशा को समझना था। उन्होंने निर्देशक नितेश तिवारी और लेखकों की सराहना करते हुए कहा कि वह यह जानना चाहते थे कि रावण ने जो कुछ किया, उसके पीछे उसकी सोच और कारण क्या थे। किसी भी किरदार को निभाने में उसके कार्यों के पीछे की मानसिकता को समझना सबसे महत्वपूर्ण होता है।

कलेक्टर रजनी सिंह ने विद्यार्थियों संग किया पौधरोपण, संरक्षण का दिलाया संकल्प

फलदार, छायादार और औषधीय पौधों के अधिकाधिक रोपण के दिए निर्देश

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत

जिले में पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाने की दिशा में शनिवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने विद्यार्थियों के साथ पौधारोपण कर हरियाली का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक आवश्यक उनका संरक्षण और नियमित देखभाल है। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधे की जिम्मेदारी ले, तो जिले को हराभरा बनाने का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। नगरपालिका परिषद नरसिंहपुर द्वारा आयोजित वृहद पौधारोपण अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय हाई स्कूल तलापार एवं उत्कृष्ट विद्यालय छात्रावास परिसर में छात्र-छात्राओं के साथ पौधारोपण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी को लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प दिलाया। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु, छाया और बेहतर

पर्यावरण का उपहार देगा। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने लगाए हुए पौधों को वृक्ष बनने तक संरक्षित रखें और दूसरों को भी पौधारोपण के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर उन्होंने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले के शासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य सार्वजनिक परिसरों में फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का व्यापक स्तर पर रोपण कराया जाए। साथ ही खुले स्थानों पर पीपल एवं बरगद जैसे दीर्घायु और छायादार वृक्ष लगाए जाएं तथा उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम में नगरपालिका सीएमओ श्री गजेन्द्र सिंह लोधी, डाइट एवं उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री राजीव किशोर श्रीवास्तव, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री ब्रजेश शर्मा, प्राचार्य श्रीमती आभा दुबे, श्रीमती गायत्री सोनी, शाला परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाएं, नगरपालिका परिषद के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में सभी ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

लायंस क्लब ने सेवा कार्य के साथ किया खिचड़ी का वितरण

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

सेवा और समर्पण का उदाहरण पेश करते हुए लायंस क्लब शांकरी ने शासकीय अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं जरूरतमंद लोगों को खिचड़ी का वितरण किया। यह सेवा कार्य लायन आशा सोनी के पति स्व. नरेश सोनी की त्रैमासिक पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में किया गया। शनिवार को लायंस क्लब गाडरवारा शांकरी की अध्यक्ष लायन अनीता जायसवाल के नेतृत्व में क्लब के सदस्यों और मानव सेवा संघ के वरिष्ठ सदस्यों ने संयुक्त रूप से शासकीय चिकित्सालय में मरीजों और उनके परिजनों को खिचड़ी वितरित की। कार्यक्रम में लायन आशा सोनी अपने परिजनों के साथ उपस्थित रहीं। उन्होंने बताया कि स्व. नरेश सोनी समाज सेवा में हमेशा अग्रणी रहते थे। उनकी पुण्यतिथि पर खिचड़ी वितरण कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी गई है। इस पुनीत अवसर पर लायन मधु चौहान, लायन के. आर. सप्रे, लायन पी. एस. तिवारी, लायन माया खजांची सहित मानव सेवा संघ के कई वरिष्ठ जन उपस्थित रहे। सभी ने मरीजों से मिलकर उनका हालचाल जाना और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अध्यक्ष लायन अनीता जायसवाल ने कहा कि लायंस क्लब का उद्देश्य हमेशा समाज में बेहतर कार्य करते हुए जरूरतमंदों को मदद पहुंचाना है। अस्पताल में भर्ती मरीजों को पौष्टिक भोजन मिले, इसी सोच के साथ यह वितरण किया गया है।कार्यक्रम के दौरान लायंस क्लब ने एक और घोषणा की। क्लब द्वारा आगामी दिनों में नगर में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान क्लब के दिवंगत सदस्यों की स्मृति को समर्पित होगा। इसके तहत स्व. हर प्रसाद चौहान लायन मधु चौहान के पिता स्व. नरेश सोनी लायन आशा सोनी के पति,स्व. आर. के. निगम लायन कामिनी निगम के पति की याद में मेन रोड स्थित विभिन्न स्थानों पर छायादार और फलदार पौधे लगाए जाएंगे। क्लब का उद्देश्य शहर को हरा-भरा बनाना और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना है। अस्पताल में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों ने लायंस क्लब के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों से मरीजों का मनोबल बढ़ता है।

जन्मदिन के अवसर पर विद्यार्थियों को प्रदान किया ज्ञानवर्धक साहित्य

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। समीपस्थ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बम्हौरीकलाँ के विद्यालय परिवार द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत बालक, बालिकाओं को उनके जन्मदिन के अवसर पर नैतिक शिक्षा से

परिपूर्ण सतसाहित्य एवं ज्ञानवर्धक साहित्य भेंट करने की श्रृंखला आरम्भ की गयी है आज बिटिया कु. निकिता मेहरा (कक्षा नवमीं) एवं बिटिया कु. वंशिका राजपूत (कक्षा बारहवीं) को जन्मदिन के अवसर पर परम्परानुसार दोनों को सतसाहित्य भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ विद्यार्थियों ने भी शुभकामनाएं प्रदान की।

नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर ने की राजस्व वसूली की समीक्षा

शत-प्रतिशत नोटिस तामील कर बड़े बकायादारों से वसूली सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सिंगरौली, स्वतंत्रमत

नगर पालिक निगम सिंगरौली में संपत्तिकर राजस्व वसूली को गति प्रदान करने के उद्देश्य से डिप्टी कमिश्नर आरपी बैस द्वारा राजस्व शाखा के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं वार्ड प्रभारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संपत्तिकर की वर्तमान स्थिति, बकाया मांग, नोटिसों की तामील तथा वसूली की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित

करने के निर्देश दिए गए। डिप्टी कमिश्नर बैस ने कहा कि नगर निगम के विकास कार्यों एवं नागरिक सुविधाओं के सुचारु संचालन के लिए राजस्व संग्रहण अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करें तथा संपत्तिकर वसूली अभियान को प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य प्राप्त करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में निर्देश दिए गए कि संपत्तिकर बकायादारों को जारी किए गए सभी नोटिसों की शत-प्रतिशत तामील सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक नोटिस की प्राप्ति की पावती संबंधित कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा कराई जाए, जिससे वसूली संबंधी कार्रवाई का समुचित अभिलेखीकरण किया जा सके। साथ ही बड़े बकायादारों की पृथक सूची तैयार कर उनके विरुद्ध विशेष अभियान चलाते हुए प्राथमिकता के आधार पर शत-प्रतिशत वसूली की जाए।

अमृत महा अभियानञ्- नगरपालिका परिषद गाडरवारा द्वारा 1000 पौधों का वृहद वृक्षारोपण संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगरपालिका परिषद गाडरवारा द्वारा ञ्अमृत महा अभियानञ् के अंतर्गत एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस महाअभियान के तहत पूरे नगरीय क्षेत्र में लगभग 1000 पौधे रोपे गए।कार्यक्रम का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर प्रकृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए सभी ने मिलकर पौधे रोपे और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। नगरीय क्षेत्र के विभिन्न पार्कों, सार्वजनिक स्थलों

और सड़कों के किनारे वृहद स्तर पर पौधे लगाए गए, जिससे शहर का पर्यावरण और अधिक संतुलित हो सके। इस गरिमामयी कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष श्री शिवाकांत जी मिश्रा के साथ-साथ समस्त सम्मानित पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा नगरपालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित रहे। सभी की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को पूरी तरह से सफल बनाया।

नशे के खिलाफ जागरूकता की अलख करेली में गूंजा नशामुक्ति का संदेश

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा करेली क्षेत्र में नशामुक्ति को लेकर व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के तहत महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पीएम श्री कन्या शाला, संदीपनी विद्यालय तथा बरमान चौराहा पर आकर्षक कठपुतली एवं नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। कलाकारों ने नशे के दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से मंचित कर विद्यार्थियों एवं आमजन को नशे से दूर रहने और स्वस्थ, सुरक्षित एवं सकारात्मक जीवन अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं उपस्थित नागरिकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, पुलिस विभाग करेली, नगर पालिका करेली, विद्यालयों के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। सभी ने अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता कर नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। यह जनजागरूकता अभियान समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने की दिशा में एक प्रभावी एवं प्रेरणादायी पहल साबित हो रहा है।

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने की जनसुनवाई, 327 आवेदनों पर सुनीं लोगों की समस्याएं

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। नरसिंहपुर जिले के लोकप्रिय जनप्रतिनिधि पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने अपने नरसिंहपुर स्थित निवास पर जनसुनवाई कर जिलेभर से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने राजस्व, बिजली, पेयजल, सड़क, पेंशन तथा अन्य शासकीय योजनाओं से संबंधित समस्याओं के आवेदन प्रस्तुत किए जनसुनवाई के दौरान कुल 327 आवेदन प्राप्त हुए इनमें से अधिकांश समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देशों के साथ प्रेषित किया गया।विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल का आमजन से सीधा संवाद और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान की कार्यशैली ही उनकी लोकप्रियता का प्रमुख कारण है। उन्होंने जनसुनवाई में मौजूद अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से प्रत्येक आवेदन पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जरूरतमंदों को समय पर राहत मिल सके उन्होंने कहा कि प्रत्येक गुरुवार को आयोजित होने वाली यह जनसुनवाई जिले के लोगों के लिए अपनी समस्याएं सीधे रखने का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से लोग यहां पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण और उपयोगी बताया जनसुनवाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं पत्रकारगण भी उपस्थित रहे।

बरमानकला में अवैध गैस सिलेंडर भंडारण पर बड़ी कार्रवाई

35 गैस सिलेंडर एवं 20 लीटर पेट्रोल जब्त, खाद्य विभाग ने बनाया प्रकरण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले के बरमानकला में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध गैस सिलेंडर भंडारण एवं पेट्रोल की खुली बिक्री के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में गैस सिलेंडर एवं पेट्रोल जब्त किया। कार्रवाई के दौरान बरमानकला स्थित ऑटो पार्ट्स की दुकान के संचालक श्री संदीप जैन की दुकान में घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण पाया गया। मौके से 26 घरेलू गैस सिलेंडर (14 किलोग्राम), एक कमर्शियल गैस सिलेंडर (19 किलोग्राम), सात गैस सिलेंडर (5 किलोग्राम) तथा एक गैस सिलेंडर (2 किलोग्राम) जब्त किए गए। इस संबंध में आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं प्रचलित नियमों के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकान में 20 लीटर पेट्रोल भी खुली बिक्री के उद्देश्य से रखा हुआ पाया गया, जिसे मौके पर जब्त करते हुए अलग से प्रकरण निर्मित किया गया। यह

कार्रवाई खाद्य विभाग के संयुक्त दल द्वारा की गई, जिसमें सहायक आपूर्ति अधिकारी श्रीमती आभा शर्मा, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री शंकर पटेल एवं सुश्री रंजना सिंह शामिल रहीं। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण एवं ज्वलनशील पदार्थों की अनधिकृत बिक्री के विरुद्ध जिले में अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

एक टूटा हुआ मोनोग्राम बना मर्डर के खुलासे की चाबी

हाईवा से कुचलकर हत्या को सड़क दुर्घटना दिखाने की साजिश का नरसिंहपुर पुलिस ने किया पर्दाफाश

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत

थाना सुआतला क्षेत्र के इंद्रानगर के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिनांक 19 जुलाई 2026 को तेज रफ्तार हाईवा द्वारा सड़क किनारे खड़े 6-7 लोगों को टक्कर मार दी गई की घटना सामने आयी। जिसमें राजेन्द्र पटैल की मौके पर ही मृत्यु हो गई एवं अन्य 4 की उपचार के दौरान मृत घोषित किया गया तथा अन्य एक घायल उपचाररत है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया तत्काल रात में घटनास्थल पहुंचे एव लगभग 4-5 घंटे घटनास्थल, आसपास के क्षेत्र एवं रहवासियों से बातचीत कर महत्वपूर्ण साक्ष्य संकलित किए गए। प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना प्रतीत हो रहा था, लेकिन घटनास्थल के सूक्ष्म निरीक्षण के दौरान सड़क पर वाहन का टूटा हुआ अंग्रेजी अक्षर (मोनोग्राम) मिला। प्रारंभिक जांच में यह संभावना व्यक्त की गई कि उक्त वाहन टाटा कंपनी का हो सकता है। यही छोटा-सा सुराग घटना में प्रयुक्त वाहन की पहचान टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।इसके बाद पुलिस टीमों ने शाहपुरा (जिला जबलपुर) से लेकर घटनास्थल एवं राजमार्ग के विभिन्न चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का घंटों तक विश्लेषण किया। साथ ही तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों तथा अन्य उपलब्ध तथ्यों का गहन परीक्षण किया गया।लगातार तकनीकी विवेचना एवं सघन तलाश के परिणामस्वरूप घटना में प्रयुक्त हाईवा डम्पर हीरापुर-बंदरोहा के जंगलों में छिपा हुआ पाया गया, जिससे पूरी जांच को निर्णायक दिशा मिली। जांच के दौरान पुलिस टीमों ने तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज एवं मुखबिर तंत्र के आधार पर लगातार जांच की, जिसके दौरान राजा पटैल का घटना स्थल के पास मौजूद रहना एवं उसका संदिग्ध आचरण प्रदर्शित हुआ जिससे उसे संदेह के आधार पर आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर की गई गहन पूछताछ में ऐसे महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए, जिन्होंने पूरी विवेचना की दिशा बदल दी। प्रकरण की विवेचना के दौरान संदेही राजा पटैल को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए कि मृतक राजेन्द्र पटेल एवं मुख्य आरोपी आनंद पटेल के बीच लंबे समय से विवाद एवं रंजिश चली आ रही थी। इसी रंजिश के चलते मुख्य आरोपी आनंद पटेल ने मृतक की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने, उसकी लोकेशन की जानकारी उपलब्ध कराने का दायित्व राजा पटैल सहित अन्य सहयोगियों को सौंप रखा था तथा उसकी हत्या करने के उद्देश्य से पूर्व नियोजित साजिश रची थी। पूछताछ में संदेही ने बताया कि घटना के दिन उसने मृतक राजेन्द्र पटेल की लोकेशन एवं पहचान संबंधी जानकारी मोबाइल फोन के माध्यम से मुख्य आरोपी आनंद पटेल को उपलब्ध कराई। संदेही के कथन के अनुसार, यही सूचना घटना की साजिश को अंजाम देने में महत्वपूर्ण आधार बनी।

पूर्व नियोजित षड्यंत्र के तहत दो हाईवा डंपरों की तैनाती -पूछताछ में यह भी सामने आया कि पूर्व नियोजित षड्यंत्र के तहत दो हाईवा डंपरों की रणनीतिक रूप से तैनाती की गई थी। इनमें एक हाईवा भोपाल की ओर जाने वाली लेन तथा दूसरा हाईवा जबलपुर की ओर जाने वाली लेन पर रखा गया था, ताकि मृतक जिस दिशा में मिले, उसी अनुसार वारदात को अंजाम दिया जा सके।

हाईवा से टक्कर मारकर घटना को दिया गया अंजाम

राजा पटैल द्वारा बताई गई मृतक की लोकेशन के बाद अवसर मिलते ही हाईवा वाहन से राजेन्द्र पटेल एवं उसके साथियों को टक्कर मारकर घटना को अंजाम दिया गया, जिससे राजेन्द्र पटेल की मृत्यु हो गई तथा अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

रातभर जंगलों में चला सर्च ऑपरेशन

साजिश का खुलासा होते ही पुलिस ने भरत पटेल एवं अनिल पटेल दोनों निवासी सुन्दरादेही, जिला जबलपुर को गिरफ्तार कर लिया। दोनों की गिरफ्तारी के बाद अन्य आरोपी घने जंगलों की ओर फरार हो गए। तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने पूरी रात जंगलों में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। लगातार दबिश के बाद मुख्य आरोपी आनंद पटैल (लोधी), अनुज पटैल दोनों निवासी सुन्द्रादेही, जिला जबलपुर, अरविन्द पटैल, निवासी ग्राम बम्होरी, जिला दमोह, नरेन्द्र ठाकुर निवासी ग्राम धौराज, जिला दमोह एवं अमित खरे संजीवनी नगर, जबलपुर प्रकरण में कुल 8 आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रकरण में आरोपियों की भूमिका-1-आनंद पटैल (लोधी) मुख्य आरोपी; घटना में प्रयुक्त हाईवा वाहन का चालक एवं पूरे षड्यंत्र का मुख्य सूत्रधार।2-अनुज पटैल घटना के समय मुख्य आरोपी आनंद पटैल के साथ हाईवा वाहन में मौजूद रहकर रूप से सहयोगी की भूमिका निभाइ3-राजा पटैल घटना से पूर्व मृतक की गतिविधियों एवं लोकेशन की रूप से रैकी (निगरानी) करने का कार्य किया।4-अरविन्द पटैल मृतक की गतिविधियों की सूचना उपलब्ध कराने वाले प्रमुख मुखबिर की भूमिका निभाई।5-भरत पटेल ङ्क मृतक की लोकेशन एवं गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराने वाले प्रमुख मुखबिर के रूप में सहयोग किया।6-अनिल पटैल घटना के बाद आरोपियों को रूप से शरण एवं सहयोग प्रदान किया।7-नरेन्द्र ठाकुर घटना के उपरांत आरोपियों को रूप से शरण देने एवं सहयोग करने की भूमिका निभाई।8-अमित खरे घटना को सड़क दुर्घटना (एक्सीडेंट) का स्वरूप देने संबंधी सलाह देकर साक्ष्य छिपाने के प्रयास में सहयोग किया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने- घटना में प्रयुक्त हाईवा डम्पर, काले रंग की महिंद्रा थार, सफेद रंग की टोयोटा फॉर्च्यूनर, घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन विधिवत जप्त किए।

वैधानिक कार्यवाही- आरोपियों के विरूद्ध धारा 105, 109 (1), 103, 61 (2) (क) एवं 249 बीएनएस के तहत प्रकरण में विवेचना जारी है।इस चुनौतीपूर्ण एवं संवेदनशील प्रकरण के सफल खुलासे में एसडीओपी, तेन्दूखेडा श्री अभिनव मिश्रा, एसडीओपी नरसिंहपुर, श्री मनोज गुप्ता, उप पुलिस अधीक्षक, श्री उमेश तिवारी के नेतृत्व में निरीक्षक, गौरव चाटे, निरीक्षक किशोर वामनकर, निरीक्षक प्रियंका केवट, उप निरीक्षक मनीष मरावी, उप निरीक्षक आशीष बोपचे, सहायक उप निरीक्षक सुमित तिवारी, प्रधान आरक्षक आशीष मिश्रा, प्रधान आरक्षक राजेश वागरी, प्रधान आरक्षक जितेन्द्र ठाकुर, प्रधान आरक्षक कुलदीप सोमकुंवर, प्रधान आरक्षक अशोक कुमार, आरक्षक पंकज राजपूत, आरक्षक संजय पांडे एवं आरक्षक अजय ठाकुर की भूमिका रही।

कटनी में भी उठी छात्र आंदोलन की चिंगारी

फॉरेस्टर प्लेग्राउंड में जमा हुए जेन- जी ने वंदे मातरम के साथ भरी हुंकार

कटनी (स्वतंत्र मत)।

नीट परीक्षा से जुड़े विवाद और पेपर लीक के विरोध में शनिवार को कटनी में छात्रों और युवाओं ने प्रदर्शन किया। सोशल मीडिया के माध्यम से किए गए आह्वान के बाद बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं फॉरेस्टर प्लेग्राउंड में एकत्रित हुए और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने हाथों में तिरंगा और विभिन्न मांगों से जुड़ी तख्तियां लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। सभा के दौरान वक्ताओं ने कहा कि देशभर के छात्रों में परीक्षा व्यवस्था को लेकर असंतोष है और पारदर्शी जांच के साथ दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज को गंभीरता से सुना जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने दिल्ली में चल रहे छात्र आंदोलन का भी उल्लेख करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ हुई कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि छात्र अपने अधिकारों और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे हैं। इधर, प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए जिला पुलिस और प्रशासन पहले से ही सतर्क रहा। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में कानून-व्यवस्था की समीक्षा की गई और जिले के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-

नीट पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन को समर्थन

निर्देश दिए गए। प्रदर्शन स्थल सहित प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहा तथा पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर रखी गई। प्रशासन ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए।

कांग्रेस ने दिया समर्थन

छात्रों के इस आंदोलन को कांग्रेस ने खुलकर अपना समर्थन दे दिया है। आंदोलन स्थल पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, पार्षद मौसूफ अहमद बिट्टू, पूर्व पार्षद राजेश जाटव, महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव द्वय रजनी वर्मा और सौम्या रांधेलिया, श्याम यादव, मीनाक्षी बलवी समेत अनेक कांग्रेस नेताओं ने पहुंचकर छात्रों को समर्थन दिया। कांग्रेस के लोगों का कहना है कि केंद्र सरकार ने जिस तरह से छात्रों पर लाठियां बरसाई वह निंदनीय है। कांग्रेस देशभर में छात्रों के साथ खड़ी है।

सोशल मीडिया संदेश पर जमा हुई भीड़

छात्रों की यह भीड़ एक दिन पहले सोशल मीडिया पर चले संदेश के बाद जमा हुई। सुबह से ही फारेस्टर प्लेग्राउण्ड में युवाओं और छात्राओं का हुजूम एकत्रित होना शुरू हो गया। हाथों में तिरंगा और तख्तियां लेकर पहुंच रहे छात्रों के चेहरे में केन्द्र सरकार के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश नजर आ रहा था। उनकी एक ही मांग है शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा होना चाहिए। फारेस्टर प्लेग्राउण्ड में सुबह से ही युवा एकत्रित होने लगे थे। यहां माइक और साउण्ड बॉक्स लगाकर युवाओं ने अपनी बात भी रखी। युवाओं ने वंदे मातरम के नारे लगाते हुए कहा कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली में पिछले कई दिनों से प्रदर्शन चल रहा है, इसके बाद भी सरकार हमारी मांगे मानने को तैयार नहीं है। युवाओं ने कहा कि 20 जुलाई की घटना ने साबित कर दिया कि सरकार को छात्रों की मांगों से कोई लेना देना नहीं है। संसद मार्च के लिए जा रहे छात्रों पर बर्बरतापूर्ण कार्रवाई करते हुए लाठीचार्ज किया गया, जिसमे बड़ी संख्या में छात्र घायल हुए। शांतिपूर्ण तरीके से चल रहे प्रदर्शन को सरकार के इशारे पर दिल्ली पुलिस ने रौंदने की कोशिश की।

केंद्रीय विद्यालय झिंझरी में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक

कटनी (स्वतंत्रमत)। केंद्रीय विद्यालय झिंझरी में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन मनोनीत अध्यक्ष प्रमोद चतुर्वेदी (डिप्टी कलेक्टर) तथा विद्यालय के प्राचार्य डॉ. नवल किशोर पचौरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी सम्मानित सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने मधुर स्वागत-गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन किया। इस दौरान पिछली बैठक में निर्धारित एजेंडा बिंदुओं पर हुई कार्यवाही एवं उनके क्रियान्वयन का विस्तृत प्रतिवेदन विद्यालय के शिक्षक अमित कुमार द्वारा मनोनीत अध्यक्ष एवं समिति के समस्त सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात विद्यालय की शैक्षणिक प्रगति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, भौतिक संसाधनों के सुदृढ़ीकरण तथा अन्य विकासात्मक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विद्यालय के नवीन भवन निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में समृद्ध पुस्तकालय की स्थापना हेतु आवश्यक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूर्ण करने के संबंध में विद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष अमित ठाकुर के साथ विस्तृत चर्चा की गई।

वि.प्र.स. के सभी सदस्यों ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा विद्यार्थियों के हित में अनेक महत्वपूर्ण एवं रचनात्मक सुझाव प्रस्तुत किए। प्राचार्य डॉ. नवल किशोर पचौरी ने समिति को आश्वस्त किया कि विद्यालय के समस्त विकासात्मक कार्य पूर्ण पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं कर्मनिष्ठा के साथ समयबद्ध रूप से संपादित किए जाएंगे। बैठक का सफल संचालन मानिका विष्णोई द्वारा प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया गया।

लायंस क्लब कटनी रॉयल द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम

कटनी (स्वतंत्र मत)। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ लायंस क्लब कटनी रॉयल द्वारा बाबा माधव शाह हॉस्पिटल, माधव नगर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कटनी की महापौर प्रीति सूरी थीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सपना सरावगी उपस्थित रहीं। अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनका संरक्षण करने का आह्वान किया। लायंस क्लब कटनी रॉयल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और संवर्धन भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों, समाजसेवियों एवं हॉस्पिटल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

आपका सारथी कौन अभियान के साथ नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का संदेश

ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों को वितरित किए गए क्यूआर कोड एवं चालक बैज

कटनी (स्वतंत्र मत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना यातायात कटनी द्वारा आपका सारथी कौन अभियान के साथ पुलिस मुख्यालय भोपाल के नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत 24 जुलाई को मुख्य रेलवे स्टेशन परिसर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा की उपस्थिति में थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक अनूप सिंह ठाकुर, सूबेदार सोनम उइके, उप निरीक्षक मनीष बर्मन, सहायक उप निरीक्षक अशोक सिंह एवं यातायात स्टाफ द्वारा 80 से अधिक ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों को क्यूआर कोड एवं चालक बैज वितरित किए गए। क्यूआर कोड के माध्यम से चालक एवं वाहन की जानकारी उपलब्ध होने से यात्रियों की सुरक्षा, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर चालकों, रेल यात्रियों एवं आम नागरिकों को नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत नशे के दुष्प्रभावों एवं नशे की अवस्था में वाहन चलाने के गंभीर परिणामों के बारे में जागरूक किया गया तथा सभी को नशा न करने एवं दूसरों को भी जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। थाना प्रभारी यातायात द्वारा चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, आवश्यक दस्तावेज साथ रखने, निर्धारित वर्दी एवं नेम प्लेट पहनने, यात्रियों के साथ शालीन व्यवहार करने तथा सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से वाहन खड़े न करने के निर्देश दिए गए।

अनामिका अकादमी में छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह

कटनी (स्वतंत्र मत)। अनामिका अकादमी इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, दुर्गा चौक, कटनी में छात्र परिषद के शपथ ग्रहण एवं अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को बैज एवं सैश प्रदान कर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। समारोह के मुख्य अतिथि रूपेन्द्र राजपूत (टी.आई., एन.के.जे. थाना) एवं नीरजा अर्नाल्ड (सहायक संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय) रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रामभूषण अग्निहोत्री (ए.पी.सी., जिला शिक्षा केंद्र) एवं ज्योति अग्निहोत्री उपस्थित रहीं। गेस्ट ऑफ ऑनर परमानंद चतुर्वेदी (कारगिल युद्ध के पूर्व कैप्टन) एवं अर्जुन उर्मालिया (पूर्व सूबेदार) ने विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व एवं राष्ट्रसेवा का संदेश दिया।

विवेकानंद वार्ड को दी 1.91 करोड़ की विकास सौगात

सड़क, नाला, विद्युत पोल एवं मंदिर विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

कटनी (स्वतंत्र मत)।

नगर के विवेकानंद वार्ड को सोमवार को विकास की एक और महत्वपूर्ण सौगात मिली जब क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर सड़क, सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था, सुरक्षित विद्युत सुविधाएं एवं धार्मिक स्थल पर आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा 1 करोड़ 91 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन महापौर प्रीति संजीव सूरी, भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, क्षेत्रीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य सुरेंद्र गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ संपन्न किया गया।

केंद्र एवं प्रदेश सरकार के सहयोग से मिल रही विकास को नई गति- महापौर - इस अवसर पर महापौर प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व तथा क्षेत्र के सांसद विष्णुदत्त शर्मा के मार्गदर्शन में प्रदेश और नगर में लगातार जनहितैषी विकास कार्य एवं कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। नगर पालिक निगम कटनी भी इसी संकल्प के साथ प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार कर नागरिकों को बेहतर सड़क, नाली, विद्युत एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि नगर का समग्र एवं संतुलित विकास ही नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रत्येक वार्ड को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य निरंतर जारी रहेगा।

भाजपा है तो विकास है, विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण भी हमारी जिम्मेदारी-जिलाध्यक्ष - भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा है तो विकास है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के कारण विकास कार्यों को नई गति मिली है, जिसका लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रहा है। उन्होंने नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्रत्येक व्यक्ति से एक पेड़ माँ के नाम लगाने तथा उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, हरित एवं विकसित कटनी के निर्माण में जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

1.91 करोड़ रुपये की लागत से होंगे चार प्रमुख विकास कार्य - भूमिपूजन कार्यक्रम के अंतर्गत खेरमाई मंदिर में पेवर ब्लॉक एवं आवश्यक मरम्मत कार्य लगभग 24 लाख रुपये, 24 नवीन विद्युत पोल स्थापना कार्य पर 21 लाख रुपये तथा अधोसंरचना मद अंतर्गत लखेरा गुप्ता साइकिल से लखेरा चर्च तक सड़क डामरीकरण कार्य पर 72 लाख रुपये एवं लगभग 75 लाख रुपये की लागत से नाला निर्माण कार्य किए जाएँगे। इन कार्यों के पूर्ण होने पर क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन, सुगम जल निकासी, सुरक्षित विद्युत व्यवस्था एवं धार्मिक स्थल पर बेहतर सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा।

बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिक रहे उपस्थित - इस दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष शिब्बू साहू, उमेंद्र अहिरवार, बीना बैनर्जी, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, सुनीता कमलेश चौधरी, पूर्व पार्षद रचना गुप्ता, मंडल अध्यक्ष कौशलेंद्र मिश्रा, प्रदीप साहू, संजू जीवन चौधरी, रवि खरे, आशीष मिश्रा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

विवेकानंद वार्ड का विकास निरंतर जारी रहेगा- पार्षद सुरेंद्र गुप्ता - अंत में क्षेत्रीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य सुरेंद्र गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विवेकानंद वार्ड के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों की आवश्यकताओं एवं सुझावों के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे क्षेत्र की आधारभूत सुविधाएं और अधिक सुदृढ़ हों। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी वार्ड के सर्वांगीण विकास एवं जनहित के कार्य इसी प्रकार निरंतर जारी रहेंगे।

कुलदेवी माता महा लक्ष्मी जी एवं भगवान श्री अग्रसेन जी महाराज की 32वीं मासिक महाआरती

कटनी (स्वतंत्रमत)। 26 जुलाई दिन रविवार को कुलदेवी महालक्ष्मी जी एवं भगवान श्री अग्रसेन जी की महाआरती का क्रम निरंतर जारी है। महाआरती समाज में एक सकारात्मक ऊर्जा के साथ ही श्रद्धा- भक्ति और समाज को एक जूट करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। भगवान श्री अग्रसेन जी के आदर्शों को आत्मसात कर एक-ईट एक-रुपये के सिद्धांत को अपनाकर समाज कल्याण की दिशा में भी अग्रसर हो रहा है। महाआरती में अग्रबंधु जजमानी कर पुण्य लाभ भी अर्जित कर रहे हैं। 32वीं मासिक महाआरती की जजमानी द्वारा की जा रही है। आइए हम सब महाआरती में शामिल होकर इस एतिहासिक पल के साक्षी बनें और महाआरती समूह द्वारा प्रारंभ इस अभिनव पहल से समाज को गौरान्वित करें।

कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नशा मुक्त भारत 2.0 अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कटनी आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज (चड्ढा ऑटोनॉमस कॉलेज) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जय चड्ढा की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजन किया गया। नशा मुक्त भारत 2.0 कार्यक्रम में स्टाफ एवं छात्र छात्राओं ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया तथा समाज को नशामुक्त करने हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करते हुए स्वस्थ, सकारात्मक एवं अनुशासित जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में जागरूकता फैलाना, समाज को नशे जैसी बुराई से मुक्त करना तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है बल्कि परिवार और समाज के विकास में भी बाधा उत्पन्न करता है। उक्त नशा मुक्त भारत 2.0 कार्यक्रम में चड्ढा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के डॉयरेक्टर देवाशीष चड्ढा, महाविद्यालय उप-प्राचार्य डॉ. राजीव खत्री, परीक्षा केन्द्राध्यक्ष डॉ. स्वाति छिरौल्या, ऑटोनॉमस कुलसचिव शरद निरंकारी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. आर.आर.एस. परिहार, ऑटोनॉमस सेल प्रभारी डॉ. आराधना अग्रहरि, विधि प्राचार्य डॉ. गोपाल उपाध्याय, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र वर्मा, वाणिज्य विभाग विभागाध्यक्ष अतुल जैन, विज्ञान/कम्प्यूटर विभाग विभागाध्यक्ष मुकेश गुप्ता, विधि विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. ऋतिका साहनी आहूजा, रीतेश निगम, लाइब्रेरियन नीलम राजवानी, सहायक प्राध्यापिका ऋचा डेंगरे, सहायक प्राध्यापक रवि यादव, गगन गुप्ता, समीप श्रीवास्तव, विधि सहायक प्राध्यापिका माला उपाध्याय, माधुरी मिश्रा, प्रियंका गुप्ता, किरण पाल, रोहिणी सिंह ठाकुर, शैलेज तिवारी, अतीत तिवारी, पवन केवट, प्रदीप श्रीवास्तव, मनोज मिश्रा, वैशाली सिंह अन्य समस्त समस्त एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

8 पेटी गोवा अंग्रेजी शराब जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार, सप्लायर फरार

अवैध शराब के विरुद्ध कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्र मत)।

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जिलेभर में संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाहियां की जा रही हैं। अभियान का उद्देश्य समाज को नशामुक्त बनाना तथा अवैध नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाना है। इसी क्रम में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए इलेक्ट्रिक ऑटो में अवैध रूप से परिवहन की जा रही 08 पेटी गोवा अंग्रेजी शराब जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि शराब सप्लाई करने वाले दूसरे आरोपी को भी प्रकरण में नामजद कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। 23-24 जुलाई की दरमियानी रात मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म क्रमांक-05 स्थित लाल ग्राउंड के पास एक आसमानी रंग की इलेक्ट्रिक ऑटो में भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब ले जाई जा रही है।

सूचना पर तत्काल पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की तथा संदेहास्पद इलेक्ट्रिक ऑटो को रोककर उसकी तलाशी ली। पूछताछ में चालक ने अपना नाम आदित्य उर्फ प्रियांशु गुप्ता, पिता सनत गुप्ता, उम्र 23 वर्ष, निवासी डॉ. भीमराव चौक, थाना रंगनाथनगर, जिला कटनी बताया। वाहन की तलाशी लेने पर चालक सीट के पास तथा ऑटो के मध्य एवं पीछे रखे खाकी रंग के कार्टूनों से गोवा अंग्रेजी शराब के 08 कार्टून, जिनमें 180 एमएल के कुल 400 पाव (72 लीटर) शराब बरामद हुई। आरोपी से शराब के परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज

प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया। थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 800/2026 दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई तथा आरोपी के कब्जे से बरामद अवैध शराब एवं घटना में प्रयुक्त इलेक्ट्रिक ऑटो क्रमांक एमपी-21-जेडडी-0961 जब्त किया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी आदित्य उर्फ प्रियांशु गुप्ता ने अपने मेमोरेण्डम में बताया कि उक्त शराब उसके परिचित लकी गुप्ता द्वारा ऑटो में रखवाकर परिवहन के लिए भेजी गई थी।

आरोपी के मेमोरेण्डम एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर लकी गुप्ता निवासी कटनी को भी प्रकरण में आरोपी बनाया गया है। गिरफ्तार आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जबकि फरार आरोपी लकी गुप्ता की तलाश एवं मामले की विवेचना जारी है। फरार आरोपी- लकी गुप्ता, निवासी कटनी। बरामदगी- 400 पाव (72 लीटर) गोवा अंग्रेजी शराब (08 पेटी), अनुमानित कीमत 56,000 इलेक्ट्रिक ऑटो, अनुमानित कीमत 1,00,000 थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय ने बताया कि कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में शराब का स्रोत लकी गुप्ता नामक व्यक्ति होना सामने आया है, जिसके आधार पर उसे भी प्रकरण में आरोपी बनाया गया है। फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। मामले में अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता पाए जाने पर उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद जीती पहली सीरीज

जिम्बाब्वे को 90 रन से हराया, ईशान-तिलक की फिफ्टी, अभिषेक को 3 विकेट

हरारे, (वार्ता)।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के बाद भारत ने पहली टी-20 सीरीज जीत ली है। हरारे में खेले गए दूसरे मुकाबले में टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को 90 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 219 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 129 रन पर सिमट गई। ईशान किशन ने 44 गेंदों पर 81 रन की पारी खेली। तिलक वर्मा ने नाबाद 60 रन बनाए। गेंदबाजी में अभिषेक शर्मा ने 3 विकेट लिए। प्रिंस यादव और यश ठाकुर को 2-2 विकेट मिले। 220 का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे से कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। यश ठाकुर ने ब्रायन बेनेट (32) को आउट कर टी-20 इंटरनेशनल में अपना पहला विकेट लिया। प्रिंस यादव ने बेन करन और कप्तान सिकंदर रजा को पवेलियन भेजा। जिम्बाब्वे की टीम 17.5 ओवर में 129 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

भारत ने बनाये पांच विकेट पर 219 रन

इशान किशन (81) और तिलक वर्मा (नाबाद 60) की शानदार अर्धशकीय पारी की बदौलत भारत ने शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच विकेट पर 219 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। आज यहां जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 29 रन के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिये। अभिषेक शर्मा (आठ) को ब्लेसिंग मुजारबानी ने आउट किया। वहीं विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (20) को रिचर्ड अंगारावा का शिकार बने। वैभव ने अपनी इस पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद इशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 66 रनों की साझेदारी हुई। 10वें ओवर में ब्रायन बेनेट ने श्रेयस अय्यर को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। अय्यर ने 20 गेंदों में चार चौकों की मदद से (25) रन बनाये। 18वें ओवर में न्यूमैन न्यामहुरी ने शतक की ओर बढ़ रहे इशान किशन को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इशान किशन ने 44 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के उड़ाते हुए (81) रनों की पारी खेली। रिंकू सिंह (12) 20वें ओवर में पांच विकेट के रूप में आउट हुये। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 219 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। तिलक वर्मा ने 29 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए (नाबाद 60) रनों की पारी खेली। शिवम दुबे (छह) रन बनाकर नाबाद रहे। जिम्बाब्वे दौरे की सीरीज में भारत ने दूसरे मैच की जीत के साथ 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। तीसरा मैच कल हरारे में खेला जाएगा।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत: अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, मयंक यादव और यश ठाकुर।

जिम्बाब्वे: ब्रायन बेनेट, बेन करन, डिओन मायर्स, सिकंदर रजा (कप्तान), रयान बर्ल, वेस्ली मधेवेरे, तादिवानाशे मारुमानी, ब्रैड इवांस, न्यूमैन न्यामहुरी, रिचर्ड नगारवा और ब्लेसिंग मुजरबानी।

किओमा अल-अहमदियेह को हराकर सचिन सिवाच प्री-क्वाफा में

ग्लासगो (स्कॉटलैंड) (वार्ता)।

भारतीय मुक्केबाज सचिन सिवाच ने शनिवार को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 60किग्रा भार वर्ग के राउंड ऑफ़ 32 मुकाबले में कनाडा के केओमा अल-अहमदियेह के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। आज यहां कॉमनवेल्थ यूथ गेम्स के पूर्व चैंपियन सचिन सिवाच को स्कॉटिश इवेंट कैंपस में 4-1 से स्प्लिट डिसीजन में जीत हासिल करने के लिए बर्मिंघम 2022 में 57किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले अल-अहमदियेह के कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा।

दोनों साउथपॉ बॉक्सरों के बीच मुकाबला शुरू हुआ और दोनों ने एक-दूसरे पर मुक्के बरसाए। सचिन ने यह राउंड मामूली अंतर से जीता; पांच में से तीन जजों ने भारतीय बॉक्सर के पक्ष में 10-9 का स्कोर दिया। अल-अहमदियेह, जिनकी बहन मैरी अल-अहमदियेह भी ग्लासगो 2026 में महिलाओं के 60 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले रही हैं, ने दूसरे राउंड में सचिन को कड़ी टक्कर दी।

लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने काउंटर-अटैक करते हुए सभी पांचों जजों के स्कोरकार्ड पर 10-9 से राउंड अपने नाम किया। कनाडाई बॉक्सर के पास वापसी का मौका था और वह तीसरे राउंड में आक्रामक तेवर के साथ उतरे। सचिन के पास बढ़त थी, इसलिए उन्होंने थोड़ा संभलकर खेलते हुए मुकाबले की गति धीमी कर दी। हालांकि तीन जजों ने आखिरी राउंड अल-अहमदियेह को 10-9 से दिया, लेकिन 26 वर्षीय भारतीय बॉक्सर स्प्लिट डिसीजन से जीत हासिल करने के लिए काफी अंक जुटा चुके थे। सोमवार को होने वाले राउंड ऑफ़ 16 मुकाबले में सचिन का सामना इंग्लैंड के विल हेविट से होगा। हेविट ने पिछले साल लिवरपूल में हुई वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पेरिस 2024 के सिल्वर मेडलिस्ट मुनारबेक सेइतबेक उलू को हराकर उलटफेर किया था। मौजूदा कॉमनवेल्थ गेम्स में रिंग में उतरने वाले सचिन दूसरे भारतीय बॉक्सर थे। इससे पहले शुक्रवार को जादुमणी सिंह मंडेन्गबाम ने पुरुषों के 55किग्रा भार वर्ग में अपना राउंड ऑफ़ 32 मुकाबला आसानी से जीता था।

निकोलस ओटामेंडी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

ब्यूनस आयर्स (वार्ता)। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के सेंटर-बैक निकोलस ओटामेंडी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया। अपने चौथे विश्व कप में खेल रहे ओटामेंडी रविवार को फाइनल में स्पेन के खिलाफ 1-0 से अतिरिक्त समय में मिली हार में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे , जो राष्ट्रीय टीम के लिए उनका आखिरी मैच था। 38 वर्षीय आटोमेंडी ने सोशल मीडिया मंच इंस्ट्राग्राम पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, आज मैं अपने पूरे करियर के सबसे कठिन शब्द लिख रहा हूं। मैं अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम को अलविदा कह रहा हूं, लेकिन मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। खिताब इतिहास में दर्ज हो जाते हैं, लेकिन इन रंगों के प्रति प्रेम जीवन भर बना रहता है। ओटामेंडी ने 17 साल पहले राष्ट्रीय टीम के साथ पदार्पण करने के बाद से 139 मैचों में आठ गोल किए हैं। वह अर्जेंटीना की उन टीमों का हिस्सा थे जिन्होंने 2022 विश्व कप और 2021 और 2024 में कोपा अमेरिका का खिताब जीता था। उन्होंने कहा, जब मैं छोटा लड़का था, तब से ही मेरा सपना था कि मैं अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनूं - यह फुटबॉल द्वारा मुझे दिया गया सबसे बड़ा सौभाग्य है। मैंने पूरे दिल से, गर्व से और जिम्मेदारी की भावना के साथ इसका बचाव किया, यह जानते हुए कि लाखों अर्जेंटीनावासियों के लिए इसका क्या महत्व है।

भारतीय पुरुष टीम फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगी

महिला टीम सेमीफाइनल में कजाकिस्तान से खेलेगी

मस्कट, (ओमान)(वार्ता)।

एफआईएच यूथ हॉकी पाइव एस एशियन चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 से हराया, और इससे पहले दिन में मेजबान देश ओमान को 10-1 से करारी शिकस्त दी थी। वहीं, भारतीय सब-जूनियर महिला टीम ने एलीट पूल मैचों में चीन से 3-6 की हार के बाद उज़्बेकिस्तान पर 10-0 की बड़ी जीत दर्ज की। अब भारतीय पुरुष टीम फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगी। महिला टीम सेमीफाइनल में कजाकिस्तान से मुकाबला करेगी। दिन के मुख्य मुकाबले में, भारतीय पुरुष टीम ने ज़बरदस्त खेल दिखाते हुए पाकिस्तान को 7-3 से हराया। भारत ने खेल की शुरुआत से ही बढ़त बना ली और हाफ़-टाइम तक रोमित पाल, करण गौतम और कप्तान केतन कुशवाहा के गोल की बदौलत 3-0 से आगे रहा। भारत ने दूसरे हाफ़ में भी अपना आक्रामक खेल जारी रखा और प्रहलाद राजभर ने बढ़त को 4-0 कर दिया। हालाँकि पाकिस्तान ने मुहम्मद उस्मान और कप्तान अदील के गोल से वापसी की कोशिश की, लेकिन शाहरुख़ अली , राहुल यादव और कुशवाहा के गोल ने भारत की आसान जीत पक्की कर दी। इससे पहले दिन में, भारतीय पुरुष टीम ने मेज़बान ओमान के ख़िलाफ़ शानदार खेल दिखाते हुए 10-1 से जीत हासिल की। भारत ने हाफ़-टाइम तक 6-0 की बढ़त बना ली थी, जिसमें शाहरुख़ अली और केतन कुशवाहाके दो-दो गोल के साथ-साथ करण गौतम और प्रहलाद राजभर के गोल शामिल थे। भारत ने दूसरे हाफ़ में चार और गोल किए, जिसमें कुशवाहा ने अपने कुल चार गोल पूरे किए, जबकि गौतम और राजभर ने मैच में अपने दूसरे गोल किए। ओमान ने खज़राज सुबैत सुबैत अल-मशराफ़ी के ज़रिए देर से एक सांत्वना गोल किया। महिला वर्ग में, चीन से 3-6 से हारने के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए उज़्बेकिस्तान को 10-0 से हराया। चीन के खिलाफ़ एक रोमांचक मुक़ाबले में भारत ने कड़ी टक्कर दी हाफ़-टाइम तक स्कोर 3-3 से बराबरी पर था, जिसमें संदीप कुमारी और किरण एक्का ने गोल किए थे, लेकिन दूसरे हाफ़ में चीन आगे निकल गया। उज़्बेकिस्तान के खिलाफ़ अपने दूसरे मैच में, भारतीय महिला टीम ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और हाफ़-टाइम तक 7-0 की बढ़त बना ली। नौशीन नाज़ ने शानदार हैट्रिक के साथ सबसे ज़्यादा गोल किए, जबकि संदीप कुमारी ने दो गोल किए। श्रुति कुमारी , किरण एक्का , स्वीटी कुजूर , नीलम टोपनो और दिया ने भी एक-एक गोल करके 10-0 की शानदार जीत पक्की की।

श्रीलंका की महिला टीम ने पाकिस्तान को आठ विकेट से हराया

हम्बनटोटा (वार्ता)। विशमी गुणरत्ने (123), हर्षिता समरविक्रमा (नाबाद 100) की शानदार शतकीय पारियों की बदौलत श्रीलंका की महिला टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में पाकिस्तान को 19 गेंदें शेष रहते आठ विकेट से हराया। इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। आज यहां श्रीलंका की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की महिला टीम ने सिदारा अमीन (नाबाद 100), आयशा जफर (49) और मुनीबा अली (45) के योगदान से निर्धारित 50 आवेरों में पांच विकेट पर 273 रनों का सम्मानजनक स्कोर बनाया। गुल फिरोजा ने (27) और कप्तान फातिमा सना ने (25) रन बनाये। श्रीलंका की ओर से चामरी अटापट्टू, चेतना विमुक्ति, इनोका राणावीरा और कविशा दिलहारी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। 274 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने महज 20 रन के स्कोर पर कप्तान चामरी अटापट्टू (एक) का विकेट गंवा दिया।

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार बढ़ोतरी

मुंबई। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में मजबूती का सिलसिला लगातार जारी है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, 17 जुलाई को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.08 बिलियन डॉलर बढ़कर 676.237 बिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। यह देश की आर्थिक स्थिरता के लिए एक बेहद सकारात्मक संकेत है।

लगातार दूसरे सप्ताह दर्ज की गई तेजी - यह नई बढ़ोतरी पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में मिली मजबूती के बाद आई है. इससे पिछले हफ्ते देश का फॉरेक्स रिज़र्व 964 मिलियन डॉलर की बढ़त के साथ 675.157 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया था। लगातार दो हफ्तों से आ रही यह तेजी दर्शाती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक दबावों के बावजूद अपनी स्थिति मजबूत बनाए हुए है।

विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में बड़ा उछाल - आरबीआई के वीकली स्टैटिस्टिकल सप्लीमेंट के मुताबिक, रिज़र्व का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां इस समीक्षाधीन सप्ताह में 4.549 बिलियन डॉलर बढ़कर 551.057 बिलियन डॉलर हो गईं। डॉलर में व्यक्त की जाने वाली इन परिसंपत्तियों पर यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में आने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा असर पड़ता है।

सोने के भंडार में आई कमी - एक तरफ जहां विदेशी मुद्रा आस्तियों में बढ़ोतरी हुई, वहीं दूसरी ओर देश के सोने के भंडार की वैल्यू में गिरावट देखी गई। केंद्रीय बैंक के अनुसार, आलोच्य सप्ताह के दौरान गोल्ड रिज़र्व का मूल्य 3.48 बिलियन डॉलर घटकर 101.749 बिलियन डॉलर रह गया। इसके विपरीत, स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स 44 मिलियन डॉलर की मामूली बढ़त के साथ 18.67 बिलियन डॉलर पर पहुँच गए।

अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी है यह भंडार - एक मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी देश के लिए बाहरी आर्थिक झटकों के खिलाफ एक सुरक्षा कवच (बफर) की तरह काम करता है। यह न केवल अंतरराष्ट्रीय भुगतानों को समय पर पूरा करने और जरूरी आयात (इंपोर्ट) को फाइनेंस करने में मदद करता है, बल्कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय रुपये की स्थिरता को भी बनाए रखता है।

इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बढ़त रही

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,622 रुपए बढ़कर 1.44 लाख रुपए हो गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 18 जुलाई को 1.41 लाख रुपए पर था। वहीं, चांदी 2.15 लाख रुपए किलो से बढ़कर 2.23 लाख रुपए पर पहुंच गई है, इसकी कीमत 7,247 रुपए बढ़ी है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.44 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

देश की समृद्ध हथकरघा विरासत पर राजधानी में भव्य प्रदर्शनी वीव्स ऑफ इंडिया का उद्घाटन

नई दिल्ली, (वार्ता)। राजधानी में जनपथ स्थित सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज़ एम्पोरियम (सीसीआईई) में वीव्स ऑफ इंडिया महोत्सव का शुभारंभ हुआ। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत विकास आयुक्त (हथकरघा) कार्यालय द्वारा आयोजित यह महोत्सव 7 अगस्त तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। सात अगस्त को 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के उपलक्ष्य में किया जा रहा है।

कपड़ा मंत्रालय द्वारा जारी यह महोत्सव भारत की समृद्ध और विविध हथकरघा परंपराओं का विशेष प्रदर्शन है। इसमें देशभर की 116 विरासत हथकरघा बुनाई शैलियों (हेरिटेज वीव्स) के उत्कृष्ट हस्तनिर्मित वस्त्र प्रदर्शित किए गए हैं। यह आयोजन आगंतुकों को भारतीय बुनकरों की पीढ़ियों से संजोई गई अद्भुत कारीगरी, कलात्मक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने और समझने का अवसर प्रदान करता है। प्रदर्शनी में ओडिशा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, मणिपुर, छत्तीसगढ़, बिहार, तेलंगाना, गुजरात, जम्मू-कश्मीर और त्रिपुरा सहित अनेक राज्यों की प्रसिद्ध बुनाई परंपराओं को प्रदर्शित किया गया है। दर्शक यहां भारत की प्रतिष्ठित हथकरघा परंपराओं जैसे बनारसी, जामदानी, कांचीपुरम सिल्क, संबलपुरी इकट, पैठणी, कानी पश्मीना, बावन बूटी, कोटपाड, इलकल, कासरगोड, हिमरू और रिशा जैसी विशिष्ट बुनाई शैलियों को देख सकेंगे।

अमेरिका के 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क के दायरे से बाहर रहेंगे 45 प्रतिशत भारतीय निर्यात

नयी दिल्ली (वार्ता)। सरकार ने कहा है कि अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 23 जुलाई को घोषित 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क के दायरे से देश के 45 प्रतिशत निर्यात बाहर हैं और 55 प्रतिशत निर्यात ही इससे प्रभावित होंगे। अमेरिका के वाणिज्य दूत (यूएसटीआर) ने 23 जुलाई को अमेरिकी व्यापार अधिनियम, 1974 के तहत भारत सहित 60 अर्थव्यवस्थाओं के खिलाफ अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की थी। यह शुल्क उन उत्पादों के अमेरिका में आयात को हतोत्साहित करने के लिए लगाया गया है जिसमें उत्पाद के निर्माण में बेगार का इस्तेमाल हुआ है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि अमेरिका को होने वाले निर्यात का एक बड़ा हिस्सा, जिस पर वर्तमान में कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता - जैसे जेनेरिक दवाइयां, स्मार्टफोन और कुछ अन्य निर्दिष्ट उत्पाद - अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क के दायरे से बाहर रहेगा। इसके अलावा, अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 232 के तहत पहले से शामिल उत्पाद, जैसे इस्पात, एल्यूमिनियम और ऑटो पार्ट्स भी इस अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क के अधीन नहीं होंगे। उल्लेखनीय है कि धारा 232 के तहत लगाये गये शुल्क सीमित अपवादों को छोड़कर लगभग सभी देशों पर समान रूप से लागू होते हैं। मंत्रालय ने अनुमान जताया है कि इन छूटों के कारण अमेरिका को होने वाले भारत के लगभग 45 प्रतिशत निर्यात के अतिरिक्त शुल्क के दायरे से बाहर रहेंगे। शेष 55 प्रतिशत निर्यात पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क लागू होगा। मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि जांच के दायरे में आये अधिकांश अन्य देशों की तुलना में भारत पर शुल्क का प्रभाव अपेक्षाकृत कम रहेगा। यूएसटीआर ने इस वर्ष दो जून को भारतीय उत्पादों पर 12.5 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क का प्रस्ताव किया था। सरकार ने इस जांच के दौरान यूएसटीआर के साथ लगातार संपर्क बनाये रखा।

कपड़ा, फार्मा और इंजीनियरिंग उद्योगों को लगेगा पंख

भारत-यूके समझौते से युवाओं के लिए खुलेंगे 10 लाख नए रोजगार के अवसर

नई दिल्ली।

भारत और ब्रिटेन के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के व्यापार को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए तैयार है। 5 यह समझौता 15 जुलाई 2026 से पूरी तरह लागू हो चुका है। उद्योग संस्था एसोचैम के एक नए अध्ययन के अनुसार, इस समझौते की मदद से भारत और यूके के बीच का आपसी व्यापार साल 2030 तक बढ़कर 115 अरब डॉलर (लगभग 9.6 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच सकता है। वर्तमान में यह व्यापार लगभग 58 अरब डॉलर का है।

युवाओं के लिए नौकरियों की बौछार

इस व्यापार समझौते का सबसे बड़ा फायदा भारत के युवाओं को मिलने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले कुछ सालों में भारत में 7 से 10 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। ये नौकरियां मुख्य रूप से उन उद्योगों में मिलेंगी जहां ज्यादा मजदूरों की जरूरत होती है। इससे देश के युवाओं को बड़े पैमाने पर काम मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

इन सेक्टर्स को मिलेगा सबसे ज्यादा फायदा

इस समझौते से भारत के कई प्रमुख उद्योगों को सीधा फायदा होने जा रहा है।

कपड़ा और चमड़ा उद्योग: भारतीय कपड़ों और जूतों की मांग यूके के बाजारों में तेजी से बढ़ेगी।

इंजीनियरिंग सामान: छोटे और मझोले उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे नए कारखाने खुलेंगे।

दवाइयां और गाड़ियां: भारतीय दवाओं और ऑटो पार्ट्स का निर्यात आसान हो जाएगा।

- डिजिटल व्यापार: व्यापार के नियम और कस्टम ड्यूटी से जुड़े काम आसान होने से समय की भारी बचत होगी।

भारतीय कंपनियों के सामने हैं चुनौतियां?

एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा का कहना है कि इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए भारतीय कंपनियों को अपनी क्वालिटी में सुधार करना होगा. यूके के बाजारों में टिकने के लिए भारतीय सामानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों, शुद्धता के नियमों और पर्यावरण के अनुकूल कसौटियों पर खरा उतरना होगा। इसके लिए सरकार को भी देश की सड़कों, बंदरगाहों और सप्लाई चेन को और बेहतर बनाना होगा। वैश्विक मंदी और आर्थिक उतार-चढ़ाव के इस दौर में, भारत और यूके का यह समझौता दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में एक मील का पत्थर साबित होगा।

किसानों का कल्याण सर्वोपरि : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री दतिया से वर्चुअली खरगोन के बलराम कृषि महोत्सव से जुड़े

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों का कल्याण सर्वोपरि है। राज्य सरकार ने कृषक कल्याण वर्ष - 2026 के अंतर्गत अनेक गतिविधियां आयोजित की हैं। जहां वर्ष की प्रथम छमाही में कृषि उपकरणों की तकनीक, उन्नत कृषि के संबंध में कार्यशालाएं आयोजित की गईं, वहीं दूसरी छमाही में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। बलराम कृषि महोत्सव का यह सिलसिला 15 जुलाई को इंदौर से प्रारंभ किया गया है। इस क्रम में 23 जुलाई को आलीराजपुर में कृषि महोत्सव का आयोजन भी हुआ।

किसानों को हेलमेट वितरण का नवाचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को दतिया से खरगोन के कृषि महोत्सव में वर्चुअली जुड़कर संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा निरंतर बढ़ रहा है। किसानों के लिए पर्याप्त बिजली की व्यवस्था की गई है। यही नहीं कृषक कल्याण वर्ष में गांव से दो पहियों से दूध और सब्जियां लेकर शहरों तक आने-जाने वाले किसान भाईयों को जीवन रक्षा के लिए हेलमेट भी प्रदान किए गए हैं। यह किसानों के लिए नवाचार भी है और सुविधा भी।

आगामी 13 नवम्बर तक जिले-जिले में होंगे बलराम कृषि महोत्सव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में आगामी 13 नवम्बर तक बलराम कृषि महोत्सव के साथ ही अन्य अनेक आयोजन होंगे। खेती-किसानी पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के समग्र विकास के संकल्प के साथ कार्य हो रहा है।

किसान उन्नत कृषि अपनाएं, लाभ बढ़ाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खरगोन के बलराम कृषि महोत्सव में शामिल सभी किसान भाईयों को बधाई देते हुए कहा कि उन्नत कृषि को अपनाकर अपने लाभ में वृद्धि के प्रयास करें। किसानों को दिन और रात में भी पर्याप्त बिजली की पूर्ति की जाएगी। मध्यप्रदेश सरकार ने कृषि कल्याण वर्ष में 16 विभागों की सहभागिता सुनिश्चित की है, जिसके फलस्वरूप किसानों की आय वृद्धि के रोडमैप को क्रियान्वित किया जाएगा। खरगोन बलराम कृषि महोत्सव में बड़ी संख्या में किसानों के अलावा जनप्रतिनिधि, आम नागरिक और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बस स्टैंड पर यात्रियों को जल्द मिलेगी राहत

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा बस स्टैंड पर यात्रियों को धूप और बारिश से राहत देने के लिए नगर पालिका द्वारा अस्थायी टिन शेड का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। एक-दो दिन के भीतर यह शेड यात्रियों के उपयोग के लिए उपलब्ध हो जाएगा। गौरतलब है कि विधायक श्रीमती उमादेवी खटीक की अनुशंसा पर क्षतिग्रस्त घोषित यात्री प्रतीक्षालय को नगर पालिका की टीम ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेंद्र खरे के निर्देशन में ध्वस्त कर दिया था। हालांकि वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना प्रतीक्षालय हटाए जाने पर नगर में व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिली। यात्रियों को खुले आसमान के नीचे बसों का इंतजार करना पड़ रहा थाए जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सफेद मूसली उगाकर बेटे को अमेरिका में पढ़ाया

जैविक खेती में मप्र देश मे आगे

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश देश मे हो रही जैविक खेती मे 27 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी के साथ प्रथम स्थान पर है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत 1513 क्लस्टर में 1 लाख 89 हजार किसानों को जोड़ा गया है। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के लिए देशी गोपालन पर 900 रूपये प्रतिमाह अनुदान का प्रावधान है। आज खरगौन में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से चर्चा की। किसानों ने कहा कि राज्य सरकार के कृषि को आगे बढ़ाने की योजना से यह साबित हो गया है कि तकनीकी के साथ-साथ खेती का भी विकास होना जरूरी है। कई वर्षों से जैविक खेती करते हुए विशेषज्ञता हासिल करने वाले अविनाश दांगी बताते हैँ कि उनके जैविक उत्पाद 13 राज्यों में सप्लाई हो रहा है। मसाला फसलों में हल्दी धनिया और मिर्च उगा रहे। अविनाश दांगी के पास 54 एकड़ खेत है। वे पूरे खेत मे जैविक खेती करते हैं। खेत पर करीब 40 गौवंश है। आठ सदस्यों का पूरा परिवार खेती में लगा है। दांगी कहते हैं कि सरकार ने प्राकृतिक खेती करने वाले छोटे किसानों को भरपूर मदद की है। सरकार फर्टिलाइजर पर सब्सिडी देती है। जैविक खेती करने वाले किसान इनका उपयोग नहीं करते इसलिए उन्हें यह सब्सिडी का पैसा स्वाभाविक रूप से मिलना चाहिए। सफेद मूसली की खेती कर रहे अनिल वर्मा कहते हैं कि सरकार ने हमें भरपूर सहयोग दिया है। राज्य सरकार की खेती संबंधी नीतियों ने हमारा उत्साह बढ़ाया है। इस खेती के दम पर मैंने अपने बेटे प्रीतेश को अमेरिका पढ़ने भेजा। वह ओहियो विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस एआई मे मास्टर्स कर रहे हैं और यही कॉलेज में पढ़ाने भी लग गए। खेती किसानों के मुद्दे समझने में मदद भी करते हैं।

बेटे के जन्मदिन पर आंगनबाड़ी केंद्र में कराया तिथि भोज

हटा (स्वतंत्र मत)। महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना हटा में पदस्थ सांख्यिकी अन्वेषक संध्या साहू ने अपने बड़े पुत्र निकेत साहू के जन्म दिवस के अवसर पर कमला नेहरू वार्ड स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में तिथि भोज कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों, पड़ोस की महिलाओं, परियोजना की पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं क्षेत्र के अन्य गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। सभी ने बच्चों के साथ स्नेहपूर्वक तिथि भोज ग्रहण किया और उन्हें शुभाशीष प्रदान किया। इस अवसर पर संध्या साहू ने कहा कि जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ एवं अन्य मांगलिक अवसरों पर ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित कर समाज के जरूरतमंदों के साथ खुशियां साझा की जा सकती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी इस पहल से प्रेरित होकर अधिक से अधिक लोग सामाजिक सेवा और सहयोग की भावना से ऐसे आयोजनों में भागीदारी करेंगे जिससे समाज में समरसता और आपसी सहयोग की भावना को और अधिक मजबूती मिले।

मप्र लघुवेतन कर्मचारी संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

दमोह (स्वतंत्र मत)।

मप्र लघुवेतन कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष प्रमोद अहिरवार ने जानकारी देते हुए बताया कि समस्त वर्ग एवं अन्य विभागों की पदोन्नति सूची जारी कर दी गई है परन्तु शिक्षा विभाग दमोह में चतुर्थ श्रेणी संवर्ग पदोन्नति सूची आज दिनांक तक लंबित है जिले में सहायक ग्रेड 3 के 14 पद रिक्त हैं (चतुर्थ श्रेणी पदोन्नति रोस्टर हेतु) लगभग 50 वर्षो से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति सहायक ग्रेड 3 में 25 प्रतिशत आरक्षण है इसे बढाकर 50 प्रतिशत किया जाए। चतुर्थ श्रेणी संवर्ग को कम्प्यूटर परीक्षा सीपीसीटी से 45 वर्ष की आयु में छूट का लाभ दिया जाए। शासन द्वारा वर्ष 2014-15 में कम्प्यूटर सीपीसीटी प्रारंभ किया गया है अत: उक्त अवधि के कर्मचारियों पर लागू किया जावे। ज्ञापन देने वालों में लिपिक वर्गीय संरक्षक राकेश सिंह हजारी, संयुक्त मोर्चा जिलाध्यक्ष श्री सत्यनारायण तिवारी, लिपिक वर्गीय जिला अध्यक्ष राजीव वडकुल, राज्य अध्यापक के प्रांतीय महामंत्री आसिफ अन्जुम, लिपिक वर्गीय सचिव मिथलेश शाडिल, लघुवेतन कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष प्रमोद अहिरवार, जिला सचिव अभिषेक राजपूत सिंह, जिला कोषाध्यक्ष एवं सम्भागीय उपाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार अहिरवाल सह, सचिव सदन कटारया उप, कोषाध्यक्ष जयंत कुमार गांगरा, उपाध्यक्ष राकेश प्रजापति, उप संरक्षक श्री धरमदास रोहित, प्रहलाद अठया, पूरन लाल अहिरवार, मान सिंग ठाकुर, जवेरा ब्लॉक से अरविंद राज, कैलाश दारिया, विनय कुमार खरे, मोजीलाल अहिरवार, शाह ठाकुर, सहित समस्त पदाधिकारी कर्मचारियों की सराहनीय उपस्थिती रहीं।

जवाहर नवोदय विद्यालय हटा में संकुल स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता संपन्न

हटा। जवाहर नवोदय विद्यालय हटा में नवोदय विद्यालय समिति भोपाल संकुल की दो दिवसीय संकुल स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भोपाल संकुल के 10 नवोदय विद्यालयों के लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन अंडर 14, अंडर 17 एवं अंडर 19 आयु वर्ग में किया गया। प्रशिक्षित रेफरी एवं अंपायरों की देखरेख में हुए मुकाबलों के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 60 खिलाड़ियों का क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया। इनमें 30 छात्र एवं 30 छात्राएं शामिल हैं। चयनित खिलाड़ी अब नवोदय विद्यालय श्योपुर एवं नवोदय विद्यालय हरदा में आयोजित होने वाली क्षेत्रीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

नशा मुक्ति जन जागृति अभियान कार्यक्रम संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। मप्र पुलिस प्रशासन द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान अंतर्गत थाना पथरिया एवं खेल और युवा कल्याण विभाग ग्रामीण युवा केंद्र पथरिया एवं सरस्वती शिशु मंदिर पथरिया के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित नशे से दूरी है जरूरी अभियान 2.0 अंतर्गत नशा मुक्ति जन जागृति अभियान सरस्वती शिशु मंदिर शाला में किया गया नशा मुक्ति कार्यक्रम अंतर्गत स्कूल के छात्र छात्रों एवं खिलाड़ियों नागरिकों सामूहिक रूप से शपथ दिलाई गई एवं जागरूकता हेतु रस्साकसी खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी पथरिया नेहा गोस्वामी द्वारा बताया गया की नशा एक ऐसी बीमारी है कि हमारे पूरे जीवन घर परिवार समाज एवं देश को खोखला कर रहा है और यह कैंसर की तरह फैलता जा रहा है यदि हमें अपने जीवन को सार्थक बनाना है तो हमें स्वयं एवं आने वाली पीड़ी को नशे से दूर रखना होगा ताकि हमारे समाज क्षेत्र एवं राष्ट्र का विकास हो सके और इसकी शुरुआत हमें अपने घर परिवार से करनी होगी, तभी हम क्षेत्र राष्ट्र और समाज को नशे से दूर रख पाएंगे। आयोजन में सतेन्द्र जैन जिला शिक्षाधिकारी दमोह प्राचार्य महोदय बाबूलाल सेन द्वारा सभी को नशे से दूर रहने की जानकारी दी गई इसी तारतम युवा समन्वयक संतोषी पटेल द्वारा नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत बालक बालिका रस्साकसी खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

नि:शुल्क सेल्फ मेकअप कार्यशाला में महिलाओं एवं बालिकाओं ने सीखे सौंदर्य, व्यक्तित्व निखार के गुर

दमोह (स्वतंत्र मत)।

महिलाओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं व्यक्तित्व विकास के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से लीनेस क्लब मैत्री द्वारा एक दिवसीय नि:शुल्क सेल्फ मेकअप कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला की प्रोजेक्ट डायरेक्टर आशु स्वर्णकार एवं अल्का मिश्रा रही जिन्होंने प्रतिभागियों को आधुनिक सेल्फमेकअप की तकनीकों, त्वचा की देखभाल, उचित कॉस्मेटिक के चयन तथा आकर्षक व्यक्तित्व प्रस्तुति के व्यावहारिक प्रशिक्षण से अवगत कराया। कार्यशाला का विशेष आकर्षण एक बालिका का लाइव मेकअप डेमोंस्ट्रेशन रहा, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों ने मेकअप की बारीकियों को नजदीक से समझा। प्रशिक्षण के उपरांत महिलाओं एवं बालिकाओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ कैटवॉक प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की सबसे सराहनीय पहल आर्थिक रूप से कमजोर बालिकाओं को पूर्णत: नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान करना रही। इसके साथ ही लीनेस क्लब की सदस्याओं ने भी उत्साहपूर्वक

प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वयं को आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करने की कला सीखी। क्लब अध्यक्ष रजनी खरे ने कहा कि महिलाओं का आत्मविश्वास ही उनकी वास्तविक पहचान है। उन्होंने कहा कि लीनेस क्लब मैत्री भविष्य में भी समाजहित एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़े रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर करता रहेगा।

प्रदेश डायरेक्टर रोजी बग्गा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को स्वयं को संवारने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देना है। आर्थिक रूप से कमजोर बालिकाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मविश्वास एवं स्वरोज़गार की दिशा में आगे बढ़ाना क्लब की सामाजिक प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रोजेक्ट डायरेक्टर आशु स्वर्णकार एवं अल्का मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में प्रत्येक महिला और बालिका को सीखने एवं आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए।

एनसीसी भर्ती प्रक्रिया का सफतापूर्वक आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में सत्र 26-27 हेतु एनसीसी भर्ती प्रक्रिया का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। भर्ती प्रक्रिया में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न शारीरिक एवं चयन संबंधी परीक्षणों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भर्ती प्रक्रिया का निरीक्षण 11 मप्र बटालियन एनसीसी सागर के कर्नल प्रताप रंजन मोहंती ने किया। उन्होंने चयन प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा विद्यार्थियों को एक लक्ष्य, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ एनसीसी से जुड़कर देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। कर्नल प्रताप रंजन मोहंती ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनका संरक्षण करने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. आलोक कुमार जैन ने बताया कि एनसीसी विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। भर्ती प्रक्रिया का आयोजन सुव्यवस्थित एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। चयन प्रक्रिया में सुबेदार मेजर राजकुमार, एनसीसी अधिकारी डॉ. केएस बामनिया, नायब सूबेदार दीपक कुमार गवई, हवलदार प्रशांत अटोने, प्राध्यापकगण, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस को भेंट किए 30 बैरिकेड

दमोह (स्वतंत्र मत)।

दमोह जिले के यातायात थाना में शनिवार जेके सीमेंट और दमोह के सिंघानिया ट्रेडर्स ने मिलकर करीब 30 बैरिकेड भेंट किये। इस दौरान पुलिस के आला अधिकारियों और जेके सीमेंट से जुड़े हुए अधिकारियों और डीलर्स की मौजूदगी रही। यातायात थाने में मौजूद सीएसपी एचआर पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि अपने सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखते हुए सिमरिया के जेके सीमेंट और दमोह के सिंघानिया ट्रेडर्स ने पुलिस व्यवस्थाओं में उपयोग होने वाले करीब 30 बैरिकेड यातायात पुलिस को दिए हैं ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके ऐसे ही बैरिकेड हटा थाने को भी भेंट किए जाएंगे।

दौरान मौजूद सिंघानिया ट्रेडर्स के नरेंद्र सिंघानिया ने बताया कि अपने सामाजिक सरोकारों को पूरा करते हुए अपनी पूरी टीम के साथ वे यातायात थाना पहुंचे हैं और ये बैरिकेट्स दिए हैं।

आगामी समय में पुलिस व्यवस्था में उपयोग होने वाले और भी जरूरी सामान वे पुलिस विभाग को भेंट करेंगे।

नाम सुधार सूचना

मैं संकल्प प्रथ्यानी पिता महेश प्रथ्यानी निवासी-1237 कृष्णा कुंज बनारसीदास भनोट वार्ड नं.13, गोरखपुर, जबलपुर, म.प्र. यह कथन करता हूं कि मेरे पूर्व पासपोर्ट सं. P1837120 भोपाल से जारी हुआ था। उक्त पासपोर्ट में मेरी माता का नाम सरिता प्रथ्यानी (SARITA PRITHYANI) दर्ज है जो सही है, मेरी 10वीं, 12वीं की अंकसूची में माता के नाम की स्पेलिंग SARITHA PRITHYANI दर्ज है उक्त दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है।

माता का सही नाम- सरिता प्रथ्यानी (SARITA PRITHYANI)

माता का गलत नाम- सरिता प्रथ्यानी (SARITHA PRITHYANI)

क्या हादसे का इंतजार कर रहा है शिक्षा विभाग

जर्जर और क्षतिग्रस्त भवनों में आज भी कक्षाएं संचालित, बच्चों की जान जोखिम में

हटा (स्वतंत्र मत)।

हटा अनुविभाग के कई शासकीय विद्यालयों में जर्जर और क्षतिग्रस्त भवनों में आज भी कक्षाएं संचालित होने का मामला सामने आ रहा है। लगातार हो रही बारिश के बीच कई स्कूलों की छतों से पानी टपक रहा हैए दीवारों में दरारें हैं और भवनों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इसके बावजूद विद्यार्थियों को इन्हीं कमरों में बैठाकर पढ़ाई कराई जा रही हैए जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार शासन द्वारा समय.समय पर निर्देश जारी किए जाते रहे हैं कि क्षतिग्रस्त भवनों का सर्वे कर उनकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर ऐसे भवनों में कक्षाएं न लगाई जाएं। लेकिन आरोप है कि कई स्थानों पर विद्यालय प्रभारियों, बीईओ और बीआरसी स्तर पर समय रहते वास्तविक स्थिति से वरिष्ठ कार्यालय को अवगत नहीं कराया जा रहा है।

प्राथमिक शाला खमरिया का भवन बना चिंता का विषय

बताया जाता है कि प्राथमिक शाला खमरिया का भवन काफी जर्जर हो चुका है।

भवन की दीवारों और छत की स्थिति खराब होने के बावजूद इसी भवन में विद्यार्थियों की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। अभिभावकों और ग्रामीणों का कहना है कि तेज बारिश के दौरान बच्चों की सुरक्षा को लेकर हमेशा डर बना रहता है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट न करें के मौखिक निर्देशों की चर्चा

नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर एक प्रधानाचार्य ने बताया कि हाल ही में आयोजित बैठक में जिला परियोजना समन्वयक डीपीसी स्तर से यह निर्देश दिए गए थे कि विद्यालय भवनों की क्षतिग्रस्त स्थिति, पानी की लीकेज अथवा अन्य समस्याओं से संबंधित फोटो या वीडियो विद्यार्थियों के साथ सोशल मीडिया पर साझा न किए जाएं। संबंधित अधिकारी ने यह भी दावा किया कि ऐसा करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। हालांकि इस संबंध में विभाग की ओर से कोई आधिकारिक लिखित आदेश सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। यदि यह दावा सही है तो सवाल यह उठता है कि समस्याओं को छिपाने के बजाय उनका समाधान प्राथमिकता क्यों नहीं बनाया जा रहा है। शिक्षा विभाग का उद्देश्य बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होना चाहिएए न कि समस्याओं को दबाना।

प्रशासन से जांच और कार्रवाई की मांग

क्षेत्र के नागरिकों और अभिभावकों ने जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग से मांग की है कि हटा अनुविभाग के सभी जर्जर स्कूल भवनों का तत्काल तकनीकी निरीक्षण कराया जाए जो भवन असुरक्षित पाए जाएं, उनमें तत्काल कक्षाएं बंद कर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि

शिक्षा केवल भवनों में नहीं बल्कि सुरक्षित वातावरण में होती है। यदि जर्जर भवनों में कक्षाएं संचालित होती रहींए तो किसी भी दुर्घटना की जिम्मेदारी तय करना कठिन नहीं होगा। प्रशासन को चाहिए कि वह बारिश के मौसम में सभी विद्यालयों की सुरक्षा की समीक्षा कर बच्चों के जीवन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार तहसील आधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क्र./1507/अ- 6 / 2026-2027
जबलपुर, दिनांक 10/7/2026

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लक्ष्मी बाई पति स्व. विजय कुमार यादव निवासी छोटी ओमती खालसी लाइन जबलपुर के द्वारा मौजा अमखेरा प.ह.नं. 79 रा.निरी.मं. महाराजपुर तह अधारताल जिला जबलपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 269/7 रकवा 1.0500 हे. मे से ऐरिया 800 वर्गफुट भूमि जिसमें आवेदक के पति स्व. विजय कुमार यादव पिता श्री गोविन्द प्रसाद यादव की मृत्यु दिनांक 04.09.2025 को हो जाने के कारण वारसान हक में नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदक पत्र सहित अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 20/07/2026 तक इस न्यायालय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/ आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक- 10/07/2026
पेशी दिनांक - 20/07/2026

अतिरिक्त तहसीलदार आधारताल, जबलपुर

▶▶ सायबर सुरक्षा, नशा मुक्ति पर चर्चा

विद्यालयीन छात्र-छात्राओं से किया जागरुकता संवाद

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट और थाना प्रभारी सिहोरा तहसील टीम एवं कटनी जिला के संयुक्त संयोजन में अंचल के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खलरी में सायबर अपराध और नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत जागरूक करने के उद्देश्य से विद्यार्थियों से संवाद किया। सायबर सुरक्षा के अंतर्गत अंजान फोन कॉल, विडियो कॉल, अकाउंट नंबर, ओटीपी, एटीएम पासवर्ड, क्यू आर पर या अनजान लिंक ओपन कर झूठे रिश्तेदार बनकर सायबर अपराध से जन व धन की हानी हो जाती है।

▶▶ जालसाजों ने पीड़ित का मोबाइल हैक कर डेढ़ लाख उड़ाए

गूगल पर डॉक्टर का नंबर सर्च करना पड़ा महंगा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी बापू नगर निवासी एक युवक को गूगल पर डॉक्टर परिमल स्वामी का नंबर सर्च करना काफी महंगा पड़ा। जालसाजों ने उसे अपना शिकार बनाते हुए मोबाईल हैक कर उसके खाते से डेढ़ लाख रुपये पार कर दिये। जिसकी शिकायत पीड़ित ने रांझी थाने में दर्ज करायी है। पुलिस ने बताया कि बापू नगर निवासी 44 वर्षीय दीपक कुमार रजक की सास उमा रजक का स्वास्थ्य खराब होने पर दीपक ने उनके उपचार के लिये गूगल पर डॉक्टर परिमल स्वामी का नंबर सर्च किया। जिसके दोबारा फोन करने पर उन्होंने कहा कि अभी आपका नम्बर नहीं लग पायेगा, क्योंकि क्लीनिक में बहुत भीड़ है।

हरे रंग में सजा विद्यालय, स्टूडेंट्स ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बाबू मनमोहन दास हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी में ग्रीन डे मनाया गया

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली के प्रति बच्चों में जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से बाबू मनमोहन दास हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, दीक्षितपुरा में ग्रीन डे का आयोजन उत्साह, उमंग और पर्यावरणीय संदेशों के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को हरे रंग की आकर्षक सजावट से सजाया गया, जिससे पूरे वातावरण में प्रकृति और हरियाली का विशेष आकर्षण देखने को मिला।

दिया जागरूकता का संदेश

ग्रीन डे के अवसर पर विद्यार्थी हरे रंग की वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे और विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही भाषण, कविता, गीत एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रकृति के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनका संरक्षण करने तथा पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता

कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य माधुरी शुक्ला, उप प्राचार्य डॉ. सचिन कुमार पेंडके, हेड मिस्ट्रेस नमिता सोनी सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा प्रकृति के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

पर्यावरण संरक्षण शपथ के साथ समापन

कार्यक्रम का समापन सभी विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ ग्रहण करने के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने इस आयोजन को सफल, प्रेरणादायक एवं विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने वाला बताया तथा सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन के विरोध में उतरे संगठन

गांधी प्रतिमा के सामने मौन प्रदर्शन

हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की तैयारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश मेडिकल यूनीवर्सिटी का विखंडन होने के बाद जबलपुर में लगातार इसका विरोध जारी है। शनिवार को नागरिक उपभोक्ता मंच के कार्यकर्ताओं ने सामाजिक संगठन के साथ मिलकर टाउन हाल पहुंचे , यहां महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष पहुंचकर मौन धारण करते हुए प्रार्थना की और कहा, एमपी सरकार को सदबृद्धि दे और जिस यूनीवर्सिटी का विखंडन करते हुए उज्जैन शिफ्ट किया जा रहा है, उसे रोका जाए। मंच के अध्यक्ष डॉ पीजी नाजपांडे का कहना है कि जबलपुर के साथ लगातार भेदभाव हो रहा है, पहले हाईकोर्ट, फिर विश्वविद्यालय और अब मेडिकल यूनीवर्सिटी को दो टुकड़ों में बांटकर यह बताया जा रहा है कि धीरे- धीरे जबलपुर से चीजों को कम किया जा रहा है। उनका कहना है कि मेडिकल यूनीवर्सिटी होने के चलते प्रदेश में संस्कारधानी का नाम था। पर राज्य सरकार ने इसका विखंडन करते हुए उज्जैन में शिफ्ट तो किया ही है, इसके साथ ही अधिकतर कॉलेज वहां पर ही शिफ्ट कर दिया गया। मंच के सदस्य रजत भार्गव ने बताया कि जबलपुर के जनप्रतिनिधियों को बढ़-चढ़ कर आगे आते हुए सरकार के प्रस्ताव का विरोध करना था, पर ऐसा हुआ नहीं, यही वजह है कि अब सामाजिक संगठन सड़क पर उतरकर प्रस्ताव का विरोध कर रहे है। उन्होंने कहा कि देश के अन्य कई राज्यों में एक ही मेडिकल यूनिवर्सिटी है, और अच्छे ढ़ंग से संचालित भी हो रही है। रजत भार्गव का कहना है कि इससे पहले भी टेलीकॉम सेंटर, हाईकोर्ट और अन्य संस्थाओं का प्रदेश के अलग-अलग राज्यों में शिफ्ट किया गया है, जिससे यह समझा जा रहा है, कि जबलपुर की उपेक्षा चारो तरफ से हो रही है।

रेलवे को प्रथम तिमाही में टिकट चैकिंग से मिला 44 करोड़ 20 लाख रूपये का राजस्व

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार तीनों मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारियों के नेतृत्व में यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर टिकट जांच अभियान चलाए गए। इन अभियानों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के तीन माह में अनबुक्ड लगेज, बिना टिकट यात्रा तथा अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले कुल 5 लाख 59 हजार मामलें पकड़े गए जिनसे अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 44 करोड़ 20 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया गया। यह राशि पिछले वर्ष इसी अवधि में वसूले गए 40 करोड़ 71 लाख रुपये के जुर्माने की तुलना में 8.57 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्तीय वर्ष के तीन माह में मुख्यालय एवं मंडलों पर परफॉरमेंस मुख्यालय के टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए टिकिट जाँच अभियान में बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के 9 हजार मामलों से 63 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया।

बरगी हत्याकांड का आरोपी तिलवारा घाट से पकड़ाया

दाढ़ी-मूंछ बनवाकर पुलिस को दे रहा था चकमा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरगी थानातंर्गत ग्राम सालीवाड़ा में घर के सामने चौराहे में बैठने को लेकर हुए विवाद पर एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या करने व दूसरे को गंभीर रूप से घायल करने वाले आरोपी को पुलिस ने धर दबोचा है। आरोपी घनश्याम केवट पुलिस को चकमा देने के लिये ढाढ़ी-मूंछ बनवाकर तिलवारा घाट के पास घूमते हुए पुलिस के हत्थे चढ़ गया,जो कि भागने की फिराक में था। आरोपी ने वारदात में प्रयुक्त चाकू और कपड़े सालीवाड़ा फाटक के पास एक खंडहर में छिपाए, जिसे भी पुलिस ने बरामद कर लिये है। पुलिस ने बताया कि विगत 22 जुलाई की रात करीब साढ़े आठ बजे सालीवाड़ा चौराहे पर नम्मीलाल उर्फ छोटू व उसका रिश्ते का भाई संतोष यादव बैठकर बाते कर रहे थे। उसी समय घनश्याम केवट पहुंचा और कहने लगा कि हमारे घर के सामने क्यों बैठे हो, कई बार मना करने पर तुम लोग मानते नहीं हो। जिस पर नम्मी उर्फ छोटू ने कहा कि गांव का चौगड्डा है, यहां दुकान भी है, इसलिये बैठे हैं। इसी बात से नाराज होकर घनश्याम केवट गालीगलौज करने लगा। नम्मी व उसके भाई संतोष ने विरोध किया तो घनश्याम ने चाकू निकालकर उन पर दनादन वार करना शुरु कर दिया। जिनकी चीख पुकार सुन परिजन व आसपास के लोग पहुंचे आरोपी मौके से भाग निकला। जिसके बाद दोनों घायलों को बरगी के शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया। जहां गंभीर रूप से घायल 40 वर्षीय संतोष यादव को उपचार के लिये भर्ती कर लिया गया, वहीं 30 वर्षीय नम्मी यादव को चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घनश्याम केवट फरार हो गया था। जिसे शनिवार को पुलिस ने तिलवारा घाट के पास से धर दबोचा।

एरियस की राशि से वंचित कर्मचारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा तीन प्रतिशत मंहगाई भत्ता फरवरी माह में बड़ाया गया था। जिसके एरियस की राशि का भुगतान 6 समान किस्तों में प्रदान किया जाना था, परंतु लोक सेवकों को आज दिनांक तक एक भी किस्त का भुगतान नहीं किया गया है। संगठन ने आगे बताया की संकुल प्राचार्यों के द्वारा एरियस की राशि के बिल बना कर बी.ई.ओ. कार्यालय में जमा नहीं किए गए जिससे आज दिनांक तक लोक सेवक एरियस की राशि प्राप्त करने से वंचित है, जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। सं गठन के राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, रऊफ खान, गुडविन चार्ल्स, संतोष चौरसिया, राजकुमार यादव, दीपेश जैन, एनोस विक्टर, सुधीर अवधिया, देवेन्द्र भट, फिलिप अन्थोनी, सुरेंद्र चौधरी, मनमोहन चैधरी, राकेष गुप्ता, गोपीषाह, धनराज पिल्ले, क्रिस्टोफर नरोन्हा, सुधीर पावेल, उमेश सिंह ठाकुर, सुनील झारिया, अफरोज खान, आषाराम झारिया, समर सिंह ठाकुर, त्रिलोक सिंह, वसुमुद्दीन, अशोक कोष्टी, अनूप दहाट, अशोक परस्ते, महेन्द्र प्रधान , योगेश ठाकरे, वीरेंद्र श्रीवास आदि ने मुख्यमंत्री से एरियस की राशि भुगतान की मांग की है।

अखिल भारतीय स्वास्थ्य आयाम प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ

कुपोषण मुक्त भारत के संकल्प के साथ हुआ मंथन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा आयोजित अखिल भारतीय स्वास्थ्य आयाम प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ शनिवार प्रात: 10 बजे जबलपुर में हुआ। दो दिवसीय इस प्रशिक्षण वर्ग में देशभर से आए स्वास्थ्य आयाम के कार्यकर्ताओं एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. खंडेलवाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. खंडेलवाल ने सेवा भारती के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सेवा का मूल आधार समर्पण, त्याग और संवेदनशीलता है। उन्होंने कहा कि सेवा भारती समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचकर निस्वार्थ भाव से कार्य कर रही है, जो राष्ट्र निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। राष्ट्रीय सेवा भारती के संयुक्त महामंत्री विजय पुराणिक ने स्वास्थ्य एवं सुपोषण आयाम के उद्देश्य, कार्यक्षेत्र और अपेक्षित परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को ऐसी कार्यपद्धति से जोड़ना है, जिसके माध्यम से देश के प्रत्येक क्षेत्र में सुपोषण अभियान को पूर्ण समर्थन दिया जाए ।

बेलगाम कार ने दो स्कूटी सवारों को मारी टक्कर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल थानातंर्गत सजनी शोरूम के सामने बीती देररात करीब डेढ़ बजे एक तेज रफ्तार कार चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए दो स्कूटियों को टक्कर मार दी। जिससे दोनों स्कूटी के चालक गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्हें उपचार के लिये समीप के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को मोह. मुश्ताक खान ने बताया कि रात्रि डेढ़ बजे वह रद्दी चौकी से अपने घर मानसरोवर कालोनी जा रहा था। जैसे ही सजनी शोरूम के सामने पहुँचा, तभी पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी सीएफ -6472 के चालक ने तेज रफतार व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसके आगे चल रहीं दो स्कूटी सवारों को टक्कर मार दी। जिससे दोनों गिर गये और उन्हें चोटे आ गई। उसने पास में जाकर देखा तो दोनों उसके दोस्त मोह. शोकत एवं मोह. शकील थे। जिन्हें हाथ पैर व शरीर में चोटें आईं थी। जिसके बाद उसने दोनों घायलों को उपचार के लिये समीप के निजी अस्पातल में ले जाकर भर्ती कराया। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

राईजर पाइप से हमला कर नाती-नाना को लूटा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पाटन थाना क्षेत्रातंर्गत ग्राम माला पुल के पास बीती देरशाम दो बदमाशों ने बाईक से जा रहे युवक व उसके नाना को रोक-कर राईजर पाईप से मारपीट करते हुए पांच हजार रुपये की नगदी लूट ली। इतना ही नहीं आरोपियों ने उनकी बाईक पर जमकर तोड़फोड़ कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

पुलिस ने बताया कि ग्राम बजरंग गढ़ निवासी 21 वर्षीय प्रवेश सिंह लोधी पिपरिया कला स्थित दानीबाबा पेट्रोल पंप में काम करता है। बीती देरशाम वह अपने रिश्ते के नाना प्रताप सिंह लोधी निवासी तारादेही पौड़ी जिला दमोह के साथ मोटर सायकल से पिपरिया कला पेट्रोल पम्प जा रहा था। जैसे ही वे ग्राम मामला के आगे पुल के पास पहुंचे, तभी ग्राम पिपरिया के तुलसी लोधी एवं किशनिया लोधी ने अपनी मोटर साइकिल उनकी बाईक के सामने अड़ाकर उन्हें रोक लिया। इसके बाद दोनों ने प्रवेश से रुपयों की मांग की, उसके मना करने पर किशनिया ने उसे पकड़ लिया और तुलसी लोधी ने राईजर पाईप से मारपीट शुरु कर दी, प्रवेश के नाना प्रताप सिंह ने बीच बचाव किया तो दोनों आरोपियों ने उनके साथ भी पाईप व हाथ, मुक्कों से मारपीट कर चोटे पहुंचा दी। इसके बाद आरोपियों ने प्रवेश की जेब से पांच हजार रुपये छीन लिये और मोटर साइकिल में तोडफोड़ कर मौके से भाग निकले। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

फ्री में शराब और रुपयों की मांग कर सेल्समेन को पीटा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खमरिया थानातंर्गत ग्राम उमरिया स्थित शराब दुकान में बबलू यादव नामक बदमाश ने पहुंचकर फ्री में शराब और अवैध रुपयों की मांग करते हुए सेल्समेन के साथ जमकर मारपीट की। जिसकी शिकायत सेल्समेन ने खमरिया पुलिस में दर्ज करायी है। पुलिस ने बताया कि टिंकू कुमार सिंह उम्र 24 वर्ष निवासी गहोरा थाना पिपरा जिला पलामू झारखंड वर्तमान में उमरिया शराब दुकान में सेल्समेन का काम करता है। दोपहर को जब वह दुकान पर था, उसी समय बबलू यादव अपनी कार क्रमांक एमपी 04 सीएन 2701 से पहुंचा और शराब की बॉटल व रुपयों की मांग करने लगा। सेल्समेन टिंकू ने फ्री में शराब और रुपये देने से मना किया तो आरोपी बबलू ने दुकान के अंदर घुसकर उसके साथ जमकर मारपीट करते हुए गोली मारने की धमकी दी। जिससे टिंकू को गंभीर चोटे आ गई।

गंदगी और कॉकरोचों के बीच बन रहा था खाना

खाद्य विभाग ने मारा छापा

मनमोहन होटल का लाइसेंस निलंबित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिले में दूषित और अस्वच्छ खाद्य पदार्थों के विक्रय पर रोक लगाने के लिए लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में शनिवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने नगर निगम न्यायिक मजिस्ट्रेट की टीम के साथ संयुक्त रूप से सिविल लाइन स्थित मनमोहन होटल पर औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान होटल के निर्माण और भंडारण क्षेत्र (किचन और स्टोर रूम) में अत्यधिक गंदगी पाई गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता ने बताया कि रसोई घर में बेहद अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य सामग्री तैयार की जा रही थी और खाद्य पदार्थों के आसपास कॉकरोच एवं कीड़े-मकोड़े चलते पाए गए। जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ और खाद्य सुरक्षा मानकों के गंभीर उल्लंघन को देखते हुए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मनमोहन होटल का खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

इसी अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने सदर स्थित सोनी डेयरी पर भी दबिश दी। यहाँ से गुणवत्ता की जांच के लिए पनीर का नमूना लिया गया है, जिसे परीक्षण हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि लैब रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**